सेंसेक्स	82,102.10
निफ्टी	25,169.50
सोना	1,15,690
चांदी	1,40,000
डॉलर	88.78

बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
गुरुवार 25 सितम्बर 2025
आश्विन शुक्ल 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 05
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in

पूर्ण राज्य की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुआ हिंसक, भाजपा ऑफिस में आग लगाई, पथराव-आगजनी के बाद लाठीचार्ज

लद्दाख में हिंसा : 4 की मौत, 72 से ज्यादा घायल

लेह। छठी अनुसूची के तहत विशेष दर्जा और लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हो रहे बंद और बड़े प्रदर्शन के दौरान लेह में हालात तनावपूर्ण हो गए। प्रदर्शन के दौरान कुछ युवाओं के उग्र हो जाने के बाद पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने और लाठीचार्ज करना पड़ा। छात्रों ने भाजपा ऑफिस में आग लगा दी। पुलिस पर पत्थरबाजी की, सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 70 से ज्यादा लोग घायल हैं। ये छात्र सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। वांगचुक पिछले 15 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे थे। मांगें पूरी न करने के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को बंद बुलाया था। जिसमें हिंसा हुई। छात्रों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की, सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी। हिंसा के बाद वांगचुक ने अनशन तोड़ते हुए कहा कि यह लद्दाख के लिए दुख का दिन है। हम पांच साल से शांति के रास्ते पर चल रहे थे। अनशन किया, लेह से दिल्ली तक पैदल चलकर गए। आज हम शांति के पैगाम को असफल होते हुए देख रहे हैं। हिंसा, गोलीबारी और आगजनी हो रही है। मैं लद्दाख की युवा पीढ़ी से अपील करता हूं कि इस बेवकूफी को बंद करें। हम अपना अनशन तोड़ रहे हैं, प्रदर्शन रोक रहे हैं। लेह एपेक्स बॉडी और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के प्रतिनिधियों और केंद्र सरकार के बीच अगली वार्ता 6 अक्तूबर को प्रस्तावित है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि यह वार्ता जल्द कराई जाए और ठोस फैसले लिए जाएं। हिंसा के बाद वांगचुक ने कहा, यह लद्दाख के लिए दुख का दिन है। हम पांच साल से शांति के रास्ते पर चल रहे थे। अनशन किया, लेह से दिल्ली तक पैदल चलकर गए। आज हम शांति के पैगाम को असफल होते हुए देख रहे हैं। हिंसा, गोलीबारी और आगजनी हो रही है। मैं लद्दाख की युवा पीढ़ी से अपील करता हूं कि इस बेवकूफी को बंद करें। हम अपना अनशन तोड़ रहे हैं, प्रदर्शन रोक रहे हैं। इस मांगों को लेकर अगली बैठक दिल्ली में 6 अक्टूबर को होगी। साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था।

आर्टिकल 370 हटने के बाद लद्दाख में विरोध शुरू

केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाकर पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म कर दिया था। इसके बाद जम्मू-कश्मीर एक अलग केंद्र शासित प्रदेश बना। लेह और कारगिल को मिलाकर लद्दाख अलग केंद्र शासित प्रदेश बना था। इसके बाद लेह और कारगिल के लोग खुद को राजनीतिक तौर पर बेदखल महसूस करने लगे। उन्होंने केंद्र के खिलाफ आवाज उठाई। बीते दो साल में लोगों ने कई बार विरोध-प्रदर्शन कर पूर्ण राज्य का दर्जा और संवैधानिक सुरक्षा मांगते रहे हैं, जिससे उनकी जमीन, नौकरियां और अलग पहचान बनी रही, जो आर्टिकल 370 के तहत उन्हें मिलता था।

युवाओं से अपील- हिंसा रोकें

हिंसा के बाद सोनम वांगचुक ने कहा, यह लद्दाख के लिए दुख का दिन है। हम पांच साल से शांति के रास्ते पर चल रहे थे। अनशन किया, लेह से दिल्ली तक पैदल चलकर गए। आज हम शांति के पैगाम को असफल होते हुए देख रहे हैं। हिंसा, गोलीबारी और आगजनी हो रही है। मैं लद्दाख की युवा पीढ़ी से अपील करता हूं कि इसे रोक दें, ये लद्दाख के मुद्दे का समर्थन नहीं है। इससे स्थिति और गंभीर होती जाएगी। मैं अपील करता हूं प्रशासन से कि गोलाबारी रोक दें। हम अपना अनशन तोड़ रहे हैं, प्रदर्शन रोक रहे हैं। हम चाहते हैं कि प्रशासन अपना दबाव छोड़ दें। युवा भी हिंसा रोक दें, हमारी यही अपील है। हम लद्दाख और देश में अस्थिरता नहीं आने देना चाहते।

लेह में जुलूस, रैली और मार्च पर रोक

लेह जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाते हुए जिले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लागू कर दी है। इसके तहत पांच या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है। अब कोई भी जुलूस, रैली या मार्च बिना पूर्व अनुमति के नहीं किया जा सकेगा। साथ ही आदेश में साफ कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति ऐसा बयान नहीं देगा जिससे शांति भंग हो या कानून-व्यवस्था की समस्या खड़ी हो। प्रशासन का कहना है कि यह फैसला इलाके में शांति बनाए रखने और हालात बिगडने़ से रोकने के लिए लिया गया है। लेह एपेक्स बॉडी के अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने बताया कि शहर में भारी गोलीबारी हुई। इसमें कई लोग घायल हुए और अब तक 4 लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने बताया, लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा इकाई लद्दाख बंद का आयोजन किया था। अनशन पर बैठे 2 लोगों की तबीयत बिगडने़ पर उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा है। इसके बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। कुछ युवाओं ने पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिससे पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी।

खास खबर

आतंकी पन्नू पर देशद्रोह का केस

अमृतसर। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस और उसके चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की एफआईआर दर्ज की है। यह मामला पन्नू के पाकिस्तान में पत्रकारों से बात करने से जुड़ा हुआ है। जिसमें उसने पीएम नरेंद्र मोदी को लाल किले पर तिरंगा फहराने से रोकने के लिए 11 करोड़ इनाम देने की घोषणा करते हुए सिख सैनिकों को उकसाया था। इसके अलावा खालिस्तान का एक नक्शा दिखाया था, जिसमें पंजाब के साथ दिल्ली, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश को भी खालिस्तान का हिस्सा दिखाया गया। यही नहीं, उसने कहा कि खालिस्तान बनाने के लिए भारत से लडने़ को उसने शहीदों का ग्रुप बनाया है।

एआर रहमान को मिली राहत

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को म्यूजिक कंपोजर ए.आर. रहमान के खिलाफ सिंगल-जज द्वारा दिए गए अस्थायी रोक के आदेश को रद्द कर दिया। यह आदेश 2023 की तमिल फिल्म पोन्नियिन सेलवन 2 के गाने वीरा राजा वीरा के कॉपीराइट उल्लंघन मामले में दिया गया था। बार और बेंच के अनुसार, रहमान ने इस आदेश के खिलाफ अपील दाखिल की थी। डिवीजन बेंच के जस्टिस सी. हरि शंकर और ओम प्रकाश शुक्ला ने अपील पर आदेश पारित किया। कोर्ट ने कहा, हमने अपील को स्वीकार किया है। हमने सिंगल-जज के आदेश को रद्द किया है। यह आदेश केवल प्रिंसिपल पर आधारित है। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि उन्होंने अभी उल्लंघन के मुद्दे पर कोई फैसला नहीं किया है।

लेखक एसएल भैरप्पा का निधन

बेंगलुरू। कन्नड़ भाषा के प्रसिद्ध भारतीय उपन्यासकार, दार्शनिक और स्क्रिप्ट राइटर एसएल भैरप्पा का बुधवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे 94 साल के थे। उन्हें पद्मश्री और पद्मभूषण पुरस्कार भी मिल चुके हैं। वे भारतीय सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं के अपने गहन ज्ञान और अपने बचपन के ग्रामीण और शहरी अनुभवों के लिए जाने जाते थे। उनके कई उपन्यासों जैसे वनवृक्ष, पर्व, तांड, कथ और सार्थ का मराठी और अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। उन्हें उनके कार्यों के लिए साहित्य के क्षेत्र में कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने एसएल भैरप्पा के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि भैरप्पा एक निडर और कालातीत विचारक थे। उन्होंने अपनी विचारोत्तेजक रचनाओं से कन्नड़ साहित्य को समृद्ध किया।

ओबीसी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में 8 अक्टूबर से रोजाना सुनवाई

- सामान्य वर्ग के वकीलों ने मांगा समय, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हम तैयार हैं, आप नहीं

भोपाल। मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के मामले में 24 सितंबर से सुप्रीम कोर्ट में रोजाना सुनवाई शुरू होनी थी। हालांकि अब ये 8 अक्टूबर से होगी। दरअसल, बुधवार को सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और मध्यप्रदेश सरकार के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट से 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर लागू अंतरिम स्टे हटाने की मांग की।

इस पर सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की ओर से वकील पूजा धर और लेखी ने दलील दी कि उन्हें मप्र सरकार की ओर से मंगलवार को ही 15 हजार पेज के दस्तावेज सौंपे गए हैं। इन दस्तावेजों का अध्ययन करने के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 8 अक्टूबर की तारीख तय कर दी और तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि हम तैयार हैं, आप नहीं।

असाधारण परिस्थितियों की रिपोर्ट सौंपी गई

सूत्रों के अनुसार, इन 15 हजार से ज्यादा पन्नों में मप्र सरकार ने ओबीसी को अतिरिक्त आरक्षण देने के पक्ष में असाधारण परिस्थितियों का जिक्र किया है। इसमें प्रदेश में ओबीसी की सामाजिक और प्रशासनिक भागीदारी को लेकर डाटा और अलग-अलग रिपोर्टें शामिल हैं। हालांकि, अभी तक इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही इंदिरा साहनी केस का हवाला देते हुए स्पष्ट कर चुका है कि यदि 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा से अधिक आरक्षण देना है तो इसके लिए असाधारण परिस्थितियों को सिद्ध करना जरूरी है।

सुप्रीम की तल्ख टिप्पणी- हम तैयार हैं, आप नहीं

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हम इस मामले को सुनने के लिए तैयार हैं, लेकिन आप लोग तैयार नहीं हैं। आप केवल अंतरिम राहत की मांग कर रहे हैं, लेकिन हम पहले ही स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं। कोई भी ठोस पहल नहीं कर रहा है। कोई गंभीरता नहीं दिख रही है।

छत्तीसगढ़ का मामला अलग करने की मांग

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से छत्तीसगढ़ के ओबीसी आरक्षण केस को मध्यप्रदेश के केस से अलग करने की मांग रखी।

प्रथम दृष्टया मामला मानकर अगली सुनवाई तय

ओबीसी समाज की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने कोर्ट से निवेदन किया कि यह मामला प्रथम दृष्टया है, अतः इस पर अंतरिम आदेश पारित किया जाए। कोर्ट ने इस पर सहमति जताते हुए 8 अक्टूबर को इसे टॉप ऑफ द बोर्ड पर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया। सुनवाई के बाद ओबीसी महासभा ने बयान जारी करते हुए कहा, आज की सुनवाई समाज के संवैधानिक अधिकारों और 27 प्रतिशत आरक्षण बहाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक कदम है। महासभा समाज के हक और अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्षरत रहेगी।

दिल्ली के आश्रम में गंदा काम...कॉलेज की छात्राओं ने जज के सामने सुनाई कहानी, हमको छुआ और अश्लील मैसेज भेजे...

स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती पर यौन शोषण का आरोप

17 छात्राएं बोलीं- अश्लील मैसेज भेजे, जबरन छूता था; फैकल्टी कहती थी- उसकी बात मानो

नई दिल्ली। वेब सीरीज आश्रम की तरह देश की राजधानी दिल्ली में भी आश्रम कांड सामने आया है। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के वसंतकुंज इलाके में स्थित एक प्रसिद्ध आश्रम के संचालक पर छात्राओं से गंदा काम करने का आरोप लगा है। आरोप है कि आश्रम के संचालक स्वामी चैतन्यानंद उर्फ पार्थ सारथी ने ईडब्ल्यूएस छात्रवृत्ति से पीजीडीएम कोर्स कर रही छात्रों से अपशब्दों का इस्तेमाल किया। इसके साथ ही व्हाट्सएप और एसएमएस के जरिए अश्लील संदेश भेजे। आरोप है कि शारीरिक संपर्क बनाने का भी प्रयास किया गया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी संचालक की तलाश भी की जा रही है। आरोपी की आखिरी लोकेशन आगरा में मिली है।

दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दक्षिण भारत के प्रमुख मठ का एक आश्रम दिल्ली के वसंतकुंज इलाके में है। इसे चलाने के लिए स्वामी चैतन्यानंद उर्फ पार्थ सारथी नाम के आरोपी को संचालक नियुक्त किया गया था। आश्रम में मैनेजमेंट की पढ़ाई

होती है, जिसके दो बैच हैं। दोनों बैच में 35 से ज्यादा छात्राएं पढ़ती हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पीए मुरली, प्रशासक, श्री श्रृंगेरी मठ ने चार अगस्त 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। शिकायत में लिखा था कि संस्थान की कुछ महिला फैकल्टी और वार्डन आरोपी की मांगों को पूरा करने के लिए छात्राओं पर दबाव डालते हैं। इस कारण छात्राएं मानसिक और शारीरिक रूप उत्पीडऩ झेल रही हैं।

छात्राओं ने दर्ज कराए बयान

इस मामले में कुल 32 छात्रों के बयान दर्ज कराए। इनमें से 17 ने स्वामी पर अपशब्द, अश्लील संदेश और शारीरिक संपर्क के गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्राओं के अनुसार, जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो कुछ फैकल्टी और प्रशासनिक अधिकारी उनपर दबाव डालते थे। आरोप है कि आरोपी ने अपनी पहुंच बताकर छात्रों को डराने और दबाव में डालने की कोशिश भी की। बताया जा रहा है कि यह मामला लंबे समय से चल रहा था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि छात्राओं ने अपनी शिकायत में बताया कि आश्रम में काम करने वाली कुछ वार्डन आरोपी से मिलवाती थीं। थाना वसंत कुंज नॉर्थ में शिकायत मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मामले में घटनास्थल पर छापामारी की। इसके साथ ही संस्थान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी आश्रम संचालक फरार है। पुलिस ने श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट संस्थान से एनवीआर और हार्ड डिस्क बरामद कर फॉरेंसिक लैब के लिए भेज दिए हैं।

चुनाव आयोग ने लॉन्च किया ई-साइन सिस्टम

अब वोटर लिस्ट से नाम हटाना आसान नहीं...

फोन नंबर और ओटीपी से होगा वोटर वेरिफिकेशन

नई दिल्ली। वोटर लिस्ट से नाम काटने पर उठे विवाद को सुलझाने के लिए चुनाव आयोग ने एक नई तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया है। यह बदलाव राहुल गांधी द्वारा कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर हटाने के लिए किए गए अनियमित आवेदनों के खुलासे के बाद किया गया है। इस तकनीकी सुविधा से मतदाता पहचान के दुरुपयोग को रोका जा सकेगा।

अब ई-साइन तकनीक के जरिए इस समस्या से निपटा जाएगा। निर्वाचन आयोग ने अपने ईसीआईनेट पोर्टल और ऐप पर एक नया ई-साइन फीचर पेश किया है। इस फीचर के तहत, वोटर्स को रजिस्ट्रेशन, नाम हटाने या सुधार के लिए आवेदन करते वक्त अपने आधार से जुड़े फोन नंबरों का उपयोग करके अपनी पहचान सत्यापित करनी होगी। पहले आवेदक बिना किसी सत्यापन के फॉर्म जमा कर सकते

थे, जिससे पहचान के दुरुपयोग का खतरा था।

कैसे काम करेगा नया सिस्टम

नया सिस्टम शुरू होने के बाद, जब कोई शख्स ईसीआईनेट पोर्टल पर फॉर्म 6 (नए रजिस्ट्रेशन के लिए), फॉर्म 7 (नाम हटाने के लिए), या फॉर्म 8 (सुधार के लिए) भरता है, तो उसे ई-साइन की जरूरत पूरी करनी होगी। पोर्टल आवेदक को यह सुनिश्चित करने के लिए सचेत करता है कि मतदाता कार्ड और आधार कार्ड पर नाम समान हो और आधार व मोबाइल नंबर आपस में जुड़े हों। इसके बाद, आवेदक को एक बाहरी ई-साइन पोर्टल पर निर्देशित किया जाता है, जहां उसे अपना आधार नंबर दर्ज करना होता है।

ओटीपी के जरिए वेरिफिकेशन

आधार नंबर दर्ज करने के बाद, एक आधार ओटीपी उस फोन नंबर पर भेजा जाता है, जो आधार से जुड़ा हुआ है। ओटीपी दर्ज करने और सहमति देने के बाद ही वेरिफिकेशन पूरा होता है, जिसके बाद आवेदक को फॉर्म जमा करने के लिए वापस ईसीआईनेट पोर्टल पर भेजा जाता है। यह प्रक्रिया फर्जी आवेदनों को रोकने में मदद करेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 18 सितंबर को अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि आलंद में किसी ने ऑनलाइन आवेदन के जरिए करीब 6 हजार वोटर्स के नाम हटवाने की कोशिश की थी।

कुछ ना कहना

रेलवे कर्मचारियों को 1866 करोड़ दिवाली बोनस देगी सरकार

कैबिनेट मीटिंग में फैसला, 10.91 लाख कर्मचारियों को फायदा मिलेगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रेलवे कर्मचारियों को दिवाली पर बोनस देने का ऐलान किया। आज यानी 24 सितंबर को हुई कैबिनेट मीटिंग में रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिन के प्रोडक्टिविटी-लिंक्ड बोनस को मंजूरी दी गई। इसके लिए 1,866 करोड़ रुपए का बजट दिया गया, जिसका फायदा 10.91 लाख रेलवे कर्मचारियों को मिलेगा।

यह बोनस नॉन गजेटेड रेलवे कर्मचारियों को दिया जाएगा, ताकि भारतीय रेलवे की कार्यकुशलता और प्रदर्शन में उनके योगदान को सम्मान मिले।

पिछले साल करीब 11 लाख रेलवे कर्मचारियों को यह बोनस मिला था, जिससे न सिर्फ उनका हौसला बढ़ा, बल्कि त्योहारी सीजन में खरीदारी को भी बढ़ावा मिला। इस साल भी ऐसा ही असर देखने को मिल सकता है। यह बोनस न केवल कर्मचारियों के लिए राहत की बात है, बल्कि बाजार के लिए भी अच्छी खबर है। दुकानदार और कारोबारी दीवाली के दौरान ज्यादा डिमांड की उम्मीद कर रहे हैं, खासकर हाल ही में जीएसटी में की गई कटौती के बाद उनकी उम्मीद बढ़ गई है। रेलवे कर्मचारी, जो शहरी और अर्ध-शहरी इलाकों में एक बड़ा उपभोक्ता वर्ग हैं, इस बोनस से इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और अन्य सामान की खरीदारी बढ़ा सकते हैं।

सीबीआई को फटकार कहा- गिरफ्तारी नहीं हुई तो आपके खिलाफ होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने दो दिन का अल्टीमेटम देते हुए साफ कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो आपके के खिलाफ कार्रवाई होगी। ये मामला मध्य प्रदेश में हिरासत में एक युवक की मौत का है। इस मामले की सुनवाई करते हुए दो जजों की पीठ की अध्यक्षता कर रहीं जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा, यह ऐसे नहीं चल सकता। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद आप कार्रवाई करने में विफल रहे हैं। फिर सीबीआई का क्या फायदा? आप लाचारी का बहाना बना रहे हैं। वह फरार है... कृपया लाचारी का बहाना न बनाएँ।

हम केवल यह कहेंगे कि आपकी लाचारी सुरक्षा की आड़ में महसूस होती है। जस्टिस नागरत्ना ने सीबीआई को चेतावनी दी कि अगर चश्मदीद गवाह के साथ कुछ भी अनहोनी होती है, तो वह जाँचकर्ताओं को नहीं बख्शेंगी। जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ 24 वर्षीय मृतक की मां की ओर से दायर अवमानना ??याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मामले की जांच का जिम्मा मध्य प्रदेश पुलिस से सीबीआई को सौंपने से संबंधित शीर्ष अदालत के 15 मई के आदेश का पालन नहीं हुआ है। पीठ ने सीबीआई को दोनों आरोपी पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। साथ ही एजेंसी को आगाह किया कि यदि मृतक के चाचा को कुछ हुआ तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। चाचा इस मामले में एकमात्र चश्मदीद गवाह हैं और फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

जस्टिस नागरत्ना ने सीबीआई के वकील से कहा, हम केवल यही कहेंगे कि आपकी लाचारी (आरोपियों का) बचाव प्रतीत होती है और यह नहीं चल सकता। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद आप कार्रवाई करने में असमर्थ हैं... आप लाचारी का बहाना बना रहे हैं। पीठ ने कहा कि मृतक देवा पारधी के चाचा गंगाराम पारधी को कुछ नहीं होना चाहिए। अदालत ने कहा कि वह नहीं चाहती की हिरासत में एक और मौत हो। पीठ ने कहा, इसे बहुत गंभीरता से लिया जाएगा। जिनकी हिरासत में वह (चाचा) हैं उन जेल अधिकारियों तक यह संदेश पहुंचा दें। पीठ ने सीबीआई से दो अधिकारियों संजीव सिंह मावई और उत्तम सिंह कुशवाहा को गिरफ्तार करने में असमर्थता पर सवाल उठाया, जो अप्रैल से फरार हैं। सीबीआई के वकील ने कहा कि फरार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए हैं और उन्हें भगोड़ा घोषित किया गया है। वकील ने कहा कि उनकी संपत्ति कुर्क करने के लिए आवेदन दायर किए गए हैं। वकील ने कहा कि सीबीआई द्वारा जांच का जिम्मा संभालने से पहले ही दोनों अधिकारी फरार हो गए थे। उन्होंने कहा कि छापे मारे गए और डिजिटल निगरानी की गई, लेकिन अधिकारी अभी भी फरार हैं।

स्थापना के पूर्व भारत माता प्रतिमा का नगर भ्रमण आज

काली पुतली चौक में स्थापित की जाएगी प्रतिमा, शरद पूर्णिमा 06 अक्टूबर को होगा लोकार्पण, आदिवासी समाज संगठन की महिलाओं ने किया सांकेतिक विरोध, काली पुतली चौक की पहचान बरकरार रखने की लगाई गुहार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। काली पुतली चौक परिसर में भारत माता की प्रतिमा स्थापित किए जाने को लेकर एक दिन पूर्व मचा विवाद, अब लगभग समाप्त सा हो गया है हालांकि आदिवासी समाज संगठन की महिलाओं ने बुधवार को काली पुतली चौक पहुंचकर इसका सांकेतिक विरोध किया। जिसमें उन्होंने भारत माता की प्रतिमा स्थापित होने के बाद भी इस चौक और पहचान को बरकरार रखे जाने की मांग की।अपनी इस मांग को लेकर अखिल भारतीय आदिवासी महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष हीरासन हुई के और मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद महिला जिला उपाध्यक्ष संदेश सैय्याम के नेतृत्व में समाज की अन्य महिलाएं बुधवार की दोपहर काली पुतली चौक पहुंची जहां उन्होंने आदिवासी गोंडवंशी बाला मड़ावी की जय जयकार करते हुए, उनका नाम, उनकी पहचान, और उनके इतिहास को बनाए रखते हुए इस चौक का नाम ना बदलते हुए चौक की पहचान बरकरार रखने की मांग की है।जिन्होंने इस चौक का नाम आदिवासी गोंड़वंशी बाला मड़ावी चौक किए जाने की मांग करते हुए काली पुतली चौक में लगाए गए सांकेतिक चिन्ह को हटाए जाने पर भी अपनी नाराजगी व्यक्ति की। आपको बताएं कि कल गुरुवार 25 सितंबर को भारत माता की प्रतिमा का नगर भृमण कराया जाएगा, इसके उपरांत काली पुतली चौक परिसर स्थित सुभाष चौपाटी गार्डन कार्नल में बनाए गए मंच पर भारत माता प्रतिमा की स्थापना की जाएगी।जिसका 6 अक्टूबर शरद पूर्णिमा के दिन लोकार्पण किया जाएगा।

पूर्व में, काली पुतली चौक की प्रतिमा को हटाने का हो चुका है प्रयास

आपको बताए कि नगर में काली पुतली चौक में, पानी का मटका लिए बाला की प्रतिमा, आज जिले की पहचान है, जिसके कुछ दूरी पर ही नगरपालिका भारत माता की बड़ी प्रतिमा स्थापना करने जा रही है।जिसको लेकर गुरूवार को, स्थापना से पूर्व, नगर में उसकी शोभायात्रा निकाली जाएगी।प्रतिमा का नगर भ्रमण कराकर काली पुतली चौक स्थित चौपाटी गार्डन के कॉर्नर में चिह्नित किए गए स्थान पर स्थापित किया जाएगा।जिसका लोकार्पण 6 अक्टूबर को किया जाएगा।ज्ञात हो कि काली पुतली चौक पर लगी प्रतिमा को हटाकर, चौक का नाम परिवर्तित करने का प्रयास भी हो चुका है। जहां काली पुतली चौक के स्थान पर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा लगाने का पूर्व में प्रयास किया गया था। जहां तत्कालीन निर्दलीय नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती अनुभा मुंजारे के कार्यकाल में इसे हटाने के काफी प्रयास किए गए थे। यहां तक दूसरी(भगत सिंह की) प्रतिमा भी बुला ली गई थी लेकिन आदिवासियों के विरोध के बाद शहीद भगतसिंह की प्रतिमा को जिला

अस्पताल में लगाना पड़ा था।

भारत माता प्रतिमा का नगर भृमण आज

नगर के हृदय स्थल कालीपुतली चौक को अब एक और नई पहचान मिलने जा रही है।जहां काली पुतली चौक परिसर में अब जल्द ही 10 फिट ऊंची भारत माता की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।आगामी 6 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर भारत माता की प्रतिमा का काली पुतली चौक परिसर स्थित चौपाटी गार्डन में बनाए गए कार्नर में लोकापर्ण किया जाएगा।प्रतिमा स्थापना के पूर्व आज 25 सितंबर को भारत माता की प्रतिमा का नगर भ्रमण कराया जाएगा। खैरागढ़ से यह प्रतिमा बनाकर बालाघाट आ चुकी है। बताया गया कि नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान से भारत माता की प्रतिमा को नगर भृमण के लिए एक विशाल रैली निकाली जाएगी।जो नगर के विभिन्न चौक चौराहो व मार्गों का भ्रमण करते हुए भारत माता की जय घोष के साथ सीधे काली पुतली चौक पहुंचेगी। जहां चौक परिसर में चिह्नित किए गए स्थान पर भारत माता की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।जिसका अनावरण 6 अक्टूबर को होगा।

कहीं भविष्य में बदल ना जाए काली पुतली चौक की पहचान

आदिवासी संगठन, काली पुतली को अपनी पहचान बताकर, उसे भविष्य में भारत माता की प्रतिमा स्थापना से हटाए जाने से आशंकित है। जिसके चलते ना केवल मंगलवार को उन्होंने प्रशासन को इसके विरोध में ज्ञापन सौंपा था बल्कि बुधवार को भी आदिवासी महिलाओं ने सांकेतिक प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष हीरासन उइके, और मप्र आदिवासी विकाश परिषद उपाध्यक्ष सन्देश सैय्याम ने बताया कि हम भी राष्ट्रभक्त है लेकिन काली पुतली चौक से कुछ ही दूरी पर भारत माता की बड़ी प्रतिमा लगाई जा रही है। भविष्य की क्या गारंटी है कि काली पुतली चौक की पहचान को खत्म नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हमारा विरोध भारत माता की प्रतिमा लगाने से नहीं है, हम आदिवासी बाला की पहचान को खत्म करने के भविष्य की योजना से चितिंत है, हमें कोई गारंटी दे कि इसके साथ छेड़छाड़ नहीं की जाएगी।

किसी अन्य चौक के नाम से ना हो पहचान- पदाधिकारी

काली पुतली चौक परिसर में भारत माता प्रतिमा की स्थापना और 6 अक्टूबर शरद पूर्णिमा को प्रतिमा के लोकार्पण का विरोध करने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में अखिल भारतीय महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष हीरासन उइके, और मप्र आदिवासी विकाश परिषद उपाध्यक्ष सन्देश सैय्याम ने स्पष्ट कर दिया कि वे भी भारत माता का दिल से सम्मान करते हैं।भारत माता प्रतिमा की स्थापना और भविष्य में होने वाले लोकार्पण का उनके द्वारा विरोध नहीं किया जाएगा। वे सिर्फ इतना चाहते हैं कि भविष्य में भी इस चौक का नाम व पहचान बरकरार रहे ,इस चौक को आदिवासी बाला मड़ावी काली पुतली चौक के नाम से जाना व पहचाना जाए और इसका यही नाम बना रहे।इस चौक को किसी अन्य चौक के नाम से जाना या पहचाना ना जा सके। इसी मांग को लेकर आज यहां सांकेतिक प्रदर्शन किया गया है।

नेशनल पार्क से लगे किसानों के खेतों की सुरक्षा के लिये लगाई जायेगी सोलर फेंसिंग-मोहन यादव

जिले के 3500 युवाओं को मिला रोजगार, मुख्यमंत्री ने सौपे नियुक्ति पत्र

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बालाघाट जिला सौभाग्यशाली है, क्योंकि इसे भगवान का आशीर्वाद मिला है। पहले लोग बालाघाट के नाम से ही घबराते थे और यहां आने के लिये विचार करते थे। कभी क्षेत्र के युवा रोजगार की तलाश में भटकते हुए गलत राह पर चल पड़े थे, लेकिन अब समय बदल गया है। उन्होंने कहा कि यहां के किसानों और जवानों के खून-पसीने से क्षेत्र की तस्वीर बदली है और विकास की नई राहें खुली हैं। प्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगार और सम्मानजनक जीवन देने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बालाघाट जिले के कटंगी में मुख्यमंत्री कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत धान उत्पादक किसानों को प्रोत्सांहन राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री कृषि उन्नति योजना अंतर्गत प्रदेश के 669272 किसानों के खाते में 337.12 करोड रुपये के धान प्रोत्साहन राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। उन्होंने 244 करोड 52 लाख रुपये के 78 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया तथा जिले के ग्रामीण व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के 3500 युवाओं को प्रायवेट

कम्पनियों में नियुक्ति के पत्र सौपें। कार्यक्रम में बालाघाट, मण्डला, डिण्डौरी जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के 815 युवाओं को विशेष सहयोगी दस्ता में नियुक्ति के पत्र दिये गयें। विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने उद्बोधन में क्षेत्रीय विधायक श्री गौरव सिंह पारधी की मांग पर अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्यों की घोषणाएँ की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ग और क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने कटंगी सिवनी सडक मार्ग पर खिड़कीघाट में उच्च स्तरीय पुल, कटोरी भोरगढ़ पंचायत मार्ग, खमरिया बिसापुर, कोडबी महकेपार, कटेदरा मानेगांव, बोपली कटेरा तथा दिग्धा-कोडबी मार्ग सहित नंदलेसरा अतरी मार्ग पर चनई नदी पर पुल एवं बिछुवा चंदाडोह मार्ग पर पुल निर्माण, स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए कतरकना व दुधारा में स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण तथा नवेगांव, टेकाड़ी तथा लिंगापौनार के हाईस्कूल का हायर सेकेंडरी में उन्नयन करने और कटंगी नगरीय क्षेत्र के तालाब के उन्नयन कार्य हेतु 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की।

झुग्गी-झोपड़ियों में खिला आत्मविश्वास-आदर्श दानपात्र सेवा समिति बालाघाट की प्रेरणादायी पहल

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नेवरगांव कला की झुग्गी-झोपडियों में आदर्श दानपात्र सेवा समितिद्वारा किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान समिति पदाधिकारियों ने बताया कि समाज की असली ताकत बेटियों की मुस्कान और आत्मनिर्भरता में छिपी होती है। और इसी विश्वास को साकार करने के उद्देश्य से आदर्श दानपात्र सेवा समिति, बालाघाट ने हमारी किशोरी, हमारा आधार卐 अभियान के तहत नेवरगांव कला के समीप झुग्गी-झोपडि़यों में विशेष जागरूकता शिविर आयोजित किया गया है।इस अवसर पर वहां रह रही महिलाओं एवं किशोरियों

को निशुल्क सेनेटरी पैड और वस्त्र वितरित किए गए। इस कार्यक्रम ने न केवल जरूरतमंदों को राहत दी, बल्कि किशोरियों को मासिक धर्म और स्वच्छता जैसी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की। पहली बार जागरूकता से जुड़कर कई किशोरियों के चेहरे पर संतोष और आत्मविश्वास की मुस्कान दिखाई दी। महिलाओं ने भी इस पहल को अपने जीवन में एक नई शुरुआत बताया।समिति के अध्यक्ष राहुल वैद्य ने बताया कि किशोरियां हमारे समाज की धरोहर हैं। उन्हें शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना ही सशक्त भारत की नींव है। उनकी मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी सफलता है। समिति ने स्पष्ट किया कि दानदाताओं और सहयोगियों की मदद से ही यह कार्य निरंतर संभव हो पा रहा है। समिति ने दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा।कि आपका सहयोग किशोरियों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है और उसकी आँखों में आशा की किरण जगा सकता है। समिति ने लोगों से अपील की कि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ें। आदर्श दानपात्र सेवा समिति बालाघाट लंबे समय से वनांचल, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य व महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रम संचालित कर रही है। समिति का लक्ष्य है कि हर महिला और किशोरी को गरिमा, जागरूकता और सम्मानपूर्ण जीवन मिले। वही नेवरगांव कला, तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट में हुआ यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि जब समाज और संस्था साथ आते हैं तो बदलाव की रोशनी सबसे दूरस्थ बस्तियों तक पहुँचती है। यह पहल न केवल किशोरियों के चेहरे पर मुस्कान लाई, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन गई है।

कांग्रेस शुरू करने जा रहीं हर बूथ मजबूत कार्यक्रम

मतदान केंद्रों पर बनेंगे बूथ रक्षक, कमजोर सीटों पर जोर लगाएंगी प्रियंका गांधी

भोपाल। मप्र में कांग्रेस अभी से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। कांग्रेस का फोकस कमजोर सीटों पर है। इसके लिए पार्टी हर बूथ मजबूत कार्यक्रम शुरू करने जा रहीं हैं। इसकी जिम्मेदारी सांसद प्रियंका गांधी को दी गई है। वे कमजोर सीटों पर कांग्रेस को मजबूत करनेके लिए अभियान चलाएगी। फिलहाल मप्र, उप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा की एक-एक विधानसभा सीटों को इस प्रोग्राम के लिए चुना गया है। कांग्रेस सूत्रों की मानें तो प्रियंका गांधी ने हर बूथ मजबूत कार्यक्रम के लिए मुरैना जिले की दिमनी विधानसभा सीट को चुना है। दिमनी से भाजपा के कद्दावर नेता और मप्र के विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर विधायक हैं। राजस्थान के बाड़मेर जिले की सिवाना से कांग्रेस के पूर्व विधायक और राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष गोपाराम मेघवाल को प्रियंका गांधी ने दिमनी की जिम्मेदारी सौंपी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अलग-अलग राज्यों की 5 ऐसी विधानसभा सीटें इस कार्यक्रम के लिए चुनी हैं जहां पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस कम अंतर से चुनाव हारी है। इस कार्यक्रम के लिए 25 ऐसी लोकसभा सीटें हैं जहां कांग्रेस कैंडिडेट्स की हार का अंतर 33 से 35 हजार के बीच रहा है। वहीं 30 सीटें ऐसी हैं जहां हार का अंतर 50 से 55 हजार के बीच रहा है।

20-20 बूथों के कलस्टर बनाए जाएंगे

इस कार्यक्रम के तहत चुने गए विधानसभा क्षेत्र में 20-20 बूथों के कलस्टर बनाए जाएंगे। हर कलस्टर बूथ रक्षक नियुक्त किया जाएगा। बूथ रक्षक को प्रियंका गांधी की टीम ट्रेनिंग देंगी। बूथ रक्षक अपने कलस्टर की बूथ समितियों के सदस्यों को गाइड करेगा। बूथ रक्षक ये सुनिश्चित करेंगे कि किस मतदान केन्द्र पर कितने मतदाताओं के नाम गलत जुड़े हुए हैं। पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनाव की वोटर लिस्ट में चुनाव के दो महीने पहले काटे, जोड़े गए नामों का एनालिसिस करेंगे। बूथ रक्षक बीएलओ के साथ ये सुनिश्चित करेंगे कि एक भी सही वोटर मतदाता सूची से न छूटे और एक भी गलत नाम वोटर लिस्ट में शामिल न रहे।

पहला फोकस दिमनी सीट पर

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि मप्र में इस प्रोजेक्ट के तहत प्रियंका गांधी का पहला फोकस दिमनी सीट पर होगा। मप्र में 2003 से भाजपा की सरकार होने के बावजूद चंबल में कांग्रेस मजबूत स्थिति में रही है। मुरैना-श्योपुर लोकसभा सीट में कुल 8 विधानसभा आती हैं, जिनमें से पांच विधानसभाओं श्योपुर, विजयपुर, जौरा, मुरैना और अंबाह में कांग्रेस के विधायक हैं, वहीं भाजपा के पाले में केवल तीन विधानसभा सबलगढ़, सुमावली और दिमनी सीटें हैं। मुरैना लोकसभा सीट पर 2024 में कांग्रेस कैंडिडेट सत्यपाल सिंह नीटू सिकरवार 52, 530 वोटों के अंतर से चुनाव हारे थे। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के करीबी भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर मुरैना से सांसद बने थे। बीते लोकसभा चुनाव के दौरान मुरैना-श्योपुर संसदीय सीट पर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर की प्रतिष्ठा दांव पर थी। इसी चुनाव के दौरान विजयपुर से कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत ने भाजपा जॉइन कर ली थी। 2023 में रावत कांग्रेस के टिकट पर विजयपुर से करीब 18 हजार वोटों से जीते थे। लेकिन, लोकसभा चुनाव में वे जब रावत भाजपा के साथ आ गए। तो भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर को विजयपुर विधानसभा क्षेत्र से 32516 वोटों की बढ़त मिली। लोकसभा चुनाव में सबलगढ़ में कांग्रेस कैंडिडेट नीटू सिकरवार को सबसे बड़ी 14010 वोटों की बढ़त मिली थी। मुरैना विधानसभा में कांग्रेस को महज 1411 वोट और जौरा में 11112 वोट की बढ़त मिली थी। सुमावली विधानसभा में 15891 वोटों से भाजपा को लीड मिली थी। दिमनी विधानसभा में 16024 वोटों से भाजपा उम्मीदवार शिवमंगल सिंह तोमर को लीड मिली थी। 2008 में अनारक्षित हुई दिमनी विधानसभा सीट से शिवमंगल सिंह तोमर विधायक बने थे। इसके बाद 2013 में बसपा के बलवीर सिंह दंडोतिया चुनाव जीते। 2018 में कांग्रेस के गिर्राज दंडोतिया चुनाव जीते। मार्च 2020 में गिर्राज ने सिंधिया के साथ भाजपा जॉइन कर ली। इसके बाद हुए उपचुनाव में कांग्रेस के रविंद्र सिंह तोमर ने जीत दर्ज की। 2023 के विधानसभा चुनाव में नरेन्द्र सिंह तोमर विधायक बने।

भोपाल में भी हो सकती है इंदौर जैसी घटना

1200 से ज्यादा मकान जर्जर, नोटिस के 4 माह बाद भी नहीं हुए खाली

भोपाल। भोपाल नगर निगम ने शहर भर में जून माह में 1,200 से अधिक ऐसे मकानों की पहचान की थी, जो कभी भी ढह सकते हैं। इनमें से 800 जर्जर मकानों को तुरंत खाली करने की नोटिस भी जारी किया गया था लेकिन चार माह बाद भी मकान खाली नहीं हुए। ऐसे में भोपाल में भी इंदौर जैसी घटना हो सकती है। दरअसल टीटी नगर में एक जर्जर मकान गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जिसके बाद नगर निगम ने इन मकानों को तोडऩे का आदेश जारी किया था। पुराने भोपाल में कई 100 साल से भी पुरानी बिल्डिंग हैं जो जर्जर हालत में हैं और कभी भी ढह सकती हैं। इंदौर के सेंट्रल कोतवाली थाना क्षेत्र के कोष्टी मोहल्ले में सोमवार की रात करीब 10 बजे एक 3 मंजिला इमारत अचानक से धराशाई हो गई थी। इस घटना में एक युवती सहित 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हो गये थे। भोपाल की कई इमारतें 50 से 100 साल पुरानी हैं और भीड़भाड़ वाले बाजारों में खड़ी इन बिल्डिंगों के ढहने का खतरा और भी ज्यादा है। इन मकानों में रह रहे लोगों को खतरा बना हुआ है, लेकिन नगर निगम की कार्रवाई नहीं हो पा रही है। जर्जर मकानों को तोडऩे में कई समस्याएं और चुनौतियां हैं। इनमें से एक बड़ी समस्या है विस्थापन की प्रक्रिया। कई मकानों में किरायेदार और मालिक के बीच विवाद है, जो कार्रवाई में देरी का कारण बन रहा है। इसके अलावा, राजनीतिक हस्तक्षेप भी एक बड़ी समस्या है।

सफेद यूरिया का हो रहा काला कारोबार, दुरुपयोग से भी बढ़ रही किल्लत

सब्सिडी वाले यूरिया का उपयोग डीजल वाहनों में डालने और मिलावटी दूध, नकली शराब बनाने में

भोपाल। यूरिया का खेती में उपयोग ही नहीं किया जा रहा, बल्कि इसका दुरुपयोग भी हो रहा है। किसानों के लिए सब्सिडी पर मिलने वाली यूरिया का दुरुपयोग कालाबाजारी करके डीजल वाहनों में डालने, मिलावटी दूध और नकली शराब बनाने में भी किया जा रहा है। ऐसे में रकबा घटने के बावजूद यूरिया की मांग लगातार बढऩे का यह भी बड़ा कारण है। बताया जा रहा है कि वाहनों में डाले जाने वाले यूरिया का इंतजाम दलालों के माध्यम से सरकारी सब्सिडी पर किसानों को मिलने वाले यूरिया से किया जा रहा है, क्योंकि दोनों की दाम में काफी अंतर है। हाईवे किनारे जगह-जगह यूरिया बिक्री के लिए नजर आने वाले छोटे-छोटे सेंटरों से इनकी बढ़ती खपत का अंदाजा लगाया जा सकता है। हाल ही में उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में ऐसे सेंटरों पर खेती के लिए दिया जाने वाले यूरिया के उपयोग होने के मामले सामने भी आए हैं। ग्वालियर चंबल अंचल में मिलावटी दूध, नकली शराब पर छापेमारी में भी कई बार यूरिया पकड़ा जा चुका है। बता दें कि देश में वाहनों के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए बीएस-6 मानक लागू हैं। डीजल वाहनों में गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए डीईएफ (डीजल एग्जास्ट फ्लूड) या एडब्लू (एडब्ल्यू) का उपयोग होता है। इसमें 32.5 प्रतिशत नाइट्रोजन और 67.5 प्रतिशत डी-आयोनाइज्ड पानी होता है। मिलावटखोर इसमें खेती के लिए किसानों को दिए जाने वाला दानेदार यूरिया घोलकर मिला रहे हैं। इस यूरिया में 46 प्रतिशत नाइट्रोजन होती है। दाम में अंतर होने के कारण मिलावटखोरों को इससे सीधा फायदा होता है। किसी वाहन में यदि 20 लीटर एडब्लू डलता है तो इसमें 15 लीटर असली एडब्लू के साथ पांच लीटर यूरिया घोल दिया जाता है, जिसे तैयार करने में डेढ़ किलो दानेदार यूरिया लगता है जिसकी लागत मात्र 12 रुपये आती हैं जबकि एडब्लू 45 रुपये लीटर के हिसाब से बेचा जाता है। इस तरह मिलावट से प्रति टैंक 200 रुपये तक का बचत हो जाता है। हालांकि इससे बड़े वाहन जैसे ट्रक का एससीआर सिस्टम चोक हो जाता है और वाहन बार-बार बंद होने लगता है। ट्रक आपरेटर विष्णु शर्मा बताते हैं कि गलत एडब्लू डालने से उनके ट्रक में भी यह परेशानी आई थी। चालक को हाईवे किनारे ऐसे सेंटरों से यूरिया न लेने की हिदायत दी गई है। ग्वालियर चंबल अंचल मिलावटी दूध के लिए बदनाम है। इसे बनाने में यूरिया का उपयोग कई बार छापेमारी में सामने आ चुका है। खाद्य सुरक्षा विभाग की सैंपल रिपोर्ट में भी यूरिया मिल चुका है। मिलावटी दूध के कारोबार से जुड़े लोगों के मुताबिक 40 लीटर नकली दूध बनाने में 500 ग्राम यूरिया का उपयोग किया जाता है। इससे दूध गाढ़ा होता है और रंग भी नहीं बदलता। अंचल में एक से सवा लाख लीटर मिलावटी दूध तैयार होता है, जिसमें रोजाना 12 क्विंटल से अधिक यूरिया खपत का अनुमान है। इसी तरह नकली शराब बनाने में माफिया ओवर प्रूफ यानि ओपी का उपयोग करते हैं। तीखापन बढ़ाने के लिए इसमें यूरिया की कुछ मात्रा मिलाई जाती है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बसो के अधिग्रहण का परिवहन व्यवस्था पर पड़ा बड़ा असर

घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिल पाई बसें, आटो या निजी वाहन से करना पड़ा सफर, ऑटो चालको ने उठाया यात्रियों की मजबूरी का फायदा, वसूला अधिक किराया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। कटंगी में आयोजित मुख्यमंत्री के राज्य स्तरीय धान का बोनस वितरण कार्यक्रम के चलते प्रशासन द्वारा जिले भर से करीब 250 बसों का अधिग्रहण किया गया था। जिसमें से सबसे अधिक बसे बालाघाट से अधिग्रहित की गई थी।जिसका बुधवार को नगर की परिवहन व्यवस्था में व्यापक असर देखने को मिला।जहा बसों के इंतजार में दिनभर यात्रिगण बच्चों के साथ भूखे, प्यासे परेशान होते नजर आए। उन्हें कुछ रूटों में बसें नहीं मिली। मजबूरी में कुछ यात्रिगण आटो व निजी वाहन कर अपने गतंव्य स्थल तक जाते नजर आए। वहीं गरीब तबके के यात्रिगणों को बस स्टैंड में ही पसीने से तरबतर होकर परेशान होते देखा गया।

बसों के इंतजार में परेशान होते रहे यात्री

बुधवार को बसों के अधिग्रहण के चलते नगर की परिवहन व्यवस्था पर बड़ा असर पड़ा,जिससे यात्रियों की मुश्किलें भी बढ़ गई।जहां यात्री बसो का अधिग्रहण होने और रूट बसों की संख्या काफी कम होने के चलते निजी वाहन व ऑटो चालक यात्रियों की मजबूरी का फायदा उठाकर अधिक किराया वसूल करते नजर आए। तो वही यात्री बस न चलने के कारण लोगों को महंगा किराया देकर बुलेरो पिकप व ऑटो का सफर करना पड़ा। इसके अलावा अपने गंतव्य तक पहुंचाने के लिए लोग ट्रेनों का भी सफर करते नजर आए।

30 रु की जगह ऑटो चालक वसूल रहे 50 रु

यात्री बसों के अधिग्रहण से बालाघाट बस स्टैंड से यात्रा करने वालों के लिए परेशानी बढ़ गई। इसका फायदा आटो चालक व अन्य यात्री वाहन चालको ने उठाया। बुधवार को जब बस स्टैंड में बस सेवा के बारे में पता किया गया तो यहां वारासिवनी, लालबर्रा और कटंगी की ओर जाने वाली एक भी यात्री बस नहीं मिलीं।वही अन्य रूटो पर चलने वाली बसों की संख्या भी काफी कम थी।ऐसे में यात्रियों को मजबूरन पास खड़े आटो, व निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ा। बसें अधिग्रहित हुईं तो आटो चालकों ने फायदा उठाना शुरू कर दिया। बालाघाट से वारासिवनी के लिए बस का किराया अधिकतम 30 रुपये है, लेकिन यात्रियों से ऑटो चालक 50 से 60 रुपये वसूल करते नजर आए। वहीं लालबर्रा का किराया 50 रु की जगह 80 रु वसूल करते दिखाई दिए।उधर अन्य कोई व्यवस्था न होने के कारण मजबूरन यात्री अधिक किराया देकर भी ऑटो व निजी वाहनों में सफर करने के लिए मजबूर दिखाई दिए।

ऑटो चालकों का दिखा कब्जा

बसों का टोटा होने पर आटो रिक्शा चालक मौके का फायदा उठाते नजर आए। जिन्होंने आवश्यकता से अधिक सवारी भरकर परिवहन किया। दिनभर बस स्टैंड में ऑटो चालकों का कब्जा दिखा। जिन्होंने यात्रियों से ठसाठस भरकर अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक किराया लेकर यात्रिगणों को गतंव्य स्थल तक छोड़ा।लोकल बसों का संचालन बंद होने के चलते बस स्टैंड में ऑटो वालो का जमावड़ा देखा गया। जहा ऑटो चालक ,बस कन्डेक्टर की माफिक आवाज लगा लगा कर सवारियां ढोते नजर आए।जहा ज्यादातर बसे बंद होने के चलते ऑटो चालकों ने यात्रियों की मजबूरी का जमकर फायदा उठाया जहां उन्होंने ना सिर्फ ऑटो में ठूस ठूस कर सांवरिया भारी, बल्कि यात्रियों से अधिक किराया भी वसूल किया।

खाली रहा बस स्टैंड

जानकारी के अनुसार रोजाना बसों की धमाचौकड़ी से खचाखच रहने वाला बस स्टैंड बुधवार को खाली नजर आया। यहां गिनती की बसो में भी ज्यादातर महानगरों की लग्जरी बसें नजर आई।उधर यात्री प्रतीक्षालय और रिक्शा स्टैंड के समीप बड़ी संख्या में यात्रिगण बसों का घंटों इंतजार करते नजर आए। इस दौरान सर्वाधिक परेशानी बच्चों वाले यात्रिगणों को उठानी पड़ी। चिपचिपी गर्मी में बच्चें रोते बिलखते नजर आए। अभिभावक अपने बच्चों को शीघ्र ही बस आने का दिलासा देते नजर आए। बस स्टैंड में गर्मी में राहत पहुंचाने निःशुल्क पानी तक की व्यवस्था नहीं है। इस कारण लोग हॉटलों से पानी खरीदकर प्यास बुझाते नजर आए।

वारासिवनी और लालबर्रा के लिए नही मिली एक भी बस

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसों के अधिग्रहण के चलते वारासिवनी और लालबर्रा जाने के लिए यात्रियों को एक भी सवारी बस नहीं मिली,तो वहीं अन्य रूटो पर भी बसों का टोटा नजर आया। बुधवार को बालाघाट से लामता होते हुए नैनपुर मार्ग, बैहर परसवाड़ा मार्ग, रजेगांव-किरनापुर होते हुए गोंदिया पहुंच मार्ग और तुमसर भंडारा मार्ग में कम बसें चली। इस कारण इन रूटों के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अन्य दिनों में इन रूटों पर हर 20 से 30 मिनट में बसें मिल जाया करती हैं।

पिछले 1 घंटे से बस नहीं आई- प्रेमलाल

बालाघाट बस स्टैंड से सिवनी जाने के लिए बस की राह देख रहे यात्री प्रेमलाल उइके ने बताया कि वह पिछले 1 घंटे से बस के लिए परेशान हो रहे हैं लेकिन सिवनी के लिए बस नहीं आ रही है। यहां लोगों से पूछो तो 5 मिनट में बस आ जाएगी बोल रहे हैं लेकिन पिछले 1 घंटे से बस नहीं आई। हमें नहीं पता कि आज बस क्यों नहीं मिल रही है, हमें इसकी जानकारी भी किसी ने नहीं दी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ऑटो वाले भी सिवनी जाने के लिए तैयार नहीं है

महज 20-30 रुपए बढ़कर ले रहे हैं- नफीस

ऑटो चालक नफीस खान ने बताया कि कटंगी में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम है,सभी बसें कटंगी गई हुई है तो वहीं कई रूटों पर बस ही नहीं है।इसीलिए हमने बस स्टैंड में अपनी ऑटो लगाई है। जहां से सवारियों को लाने ले जाने का काम कर रहे हैं।उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा यात्री वारासिवनी और लालबर्रा जाने के लिए परेशान है।क्योंकि इस रूट पर एक भी बस नहीं है। ज्यादा किराया वसूलने को लेकर उन्होंने बताया कि यात्री लोग झूठ बोलते हैं, हम लोग ज्यादा किराया नहीं वसूलते, जहां का किराया बस से 50 रु होता है, वहां का किराया हम 20-30 रुपए बढ़कर ले रहे हैं। ताकि हमें भी दो पैसे बच सके। अन्य दिनों की तुलना में आज का धंधा सभी ऑटो चालकों का बहुत अच्छा हुआ है।

वापस आते ही पुनः रूटों पर दौड़ाई जाएगी बसे- श्याम कौशल

मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बस ओनर एसोसिएशन जिला सचिव श्याम कौशल उन्हें बताया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिले से करीब 250 बसे लगाई गई है। इसी तरह अन्य चार जिलों से भी बसें लगाई गई है।मंडल जिले से 50, सिवनी की 100, जबलपुर की 25 और छिंदवाड़ा जिले की 50 बसें भी कार्यक्रम में लगाई गई है।इसलिए बसों का टोटा है।कार्यक्रम से लौटते ही सवारियां गाड़ी शुरू कर दी जाएगी।यात्रियों की असुविधा के लिए हमें खेद है।

सड़क दुर्घटना में प्रदीप बाहेश्वर घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम वाराटोला निवासी ३८ वर्षीय प्रदीप बाहेश्वर २४ सितंबर को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदीप पिता रामदयाल बाहेश्वर ३८ वर्ष वाराटोला निवासी बालाघाट की ओर से अपनी मोटरसाइकिल से आ रहे थे। जो वाराटोला के लिए रेलवे क्रॉसिंग की ओर जाने सड़क क्रॉस कर रहे थे तभी एक अज्ञात स्कूटी चालक के द्वारा उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी गई। जिसमें प्रदीप बाहेश्वर के पैर में गंभीर चोट आई है,जिन्हें परिजनों के द्वारा तत्काल सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच उपरांत बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया हैं।

64 वॉ अखिल भारतीय फुटबॉल स्पर्धा का हुआ शानदार आगाज

उकवा में अनेक राज्यों व जिलों की टीमो का लगा जमावड़ा

उकवा(पद्मेश न्यूज़)। खनिज नगरी के साथ साथ फुटबॉल नगरी के नाम से विख्यात उकवा में फुटबॉल की दीवानगी अलग ही नजर आती है।जहां के लोगों में फुटबॉल का एक अलग ही नशा है।,इसलिए प्रतिवर्ष मॉयल द्वारा आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में हजारों की संख्या में दर्शक उपस्थित होते है, और दूसरे जिले ओर राज्यों से भी लोग नवरात्र में उकवा पहुंच इस प्रतियोगिता का आनंद लेते है।इस वर्ष भी मॉयल परिवार द्वारा लगातार 64 वर्षों से निरंतर जारी परम्परा को कायम रखते हुए अखिल भारतीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन उकवा नगर में किया गया है।जिसमें अनेक राज्यों की एक से एक टीमें उकवा पहुंच रही है।बुधवार को इस प्रतियोगिता का रिबन काटकर एवं खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर भव्य शुभारंभ किया गया।इस दौरान खान प्रबंधक निषाद निकोसे, जिला फुटबॉल संघ के उपाध्यक्ष जेम्स बारीक की प्रमुख उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मैदान पर बहुत ही आकर्षक ट्रॉफी का अनावरण भी किया गया।इस अवसर पर आयोजक समिति अजय बडोले,सचिव राहुल धुर्वे ,उपखान प्रबंधक जयंता प्रधान, मुख्य कार्मिक अधिकारी समीर बैनर्जी, विशाल सालुंखे,आदि उपस्थित रहे।

मॉयल उकवा, बैहर, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा की टीम ने दिखाया पैरों का जादू

बुधवार को प्रतियोगिता के शुभारंभ पर पहला मैच मॉयल उकवा एवं रामकृष्ण मिशन आश्रम नारायणपुर छत्तीसगढ़ के मध्य खेला गया।जिसमें नारायणपुर तीन जीरो से विजय रही।दूसरा मैच एनआईएफसी बैहर और उड़ीसा स्टेट फुटबॉल टीम कटक उड़ीसा के मध्य खेला गया।जिसमे उड़ीसा विजय रही।आज के मैच में शानदार कमेंट्री सुरक्षा समिति के बाबूलाल कौशल एवं इमैनुएल दीप द्वारा की गई।

विभिन्न इनामो का किया जाएगा वितरण

बताया गया कि इस वर्ष विजेता टीम को 01 लाख 11 हजार 111 एवं अनेक आकर्षक व्यक्तिगत पुरस्कारों के साथ साथ उप विजेता टीम को 55 हजार 555 रु एवं आकर्षक ट्रॉफी एवं अनेक आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

आज इनके बीच होगा मुकाबला

आयोजित प्रतियोगिता में गुरुवार को पहला मैच मॉयल नागपुर एवं मदन महाराज भोपाल के मध्य खेला जाएगा वही दूसरा मैच साउथ ईस्टर्न सेंट्रल रेलवे नागपुर महाराष्ट्र एवं पुलिस बॉयस बालाघाट के मध्य खेला जाएगा।कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील टेक्निकल कमेटी प्रमुख अजय बडोले, सहसचिव विनय टांडी, प्रीतम यादव,धर्मेंद्र मेश्राम, नवीन बाबू, मंदार सेनगुप्ता, कोटेश्वर राव, मनोज साठे, अशोक साहू, रूपेश, हेमंत बाघ आदि ने की है।

गोंगलाई कन्या परिसर में घमासान, शिक्षक ने कलेक्टर से की शिकायत, प्राचार्य ने कहा- आरोप बेबुनियाद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासकीय शिक्षा कन्या परिसर गोंगलाई में योगा की अतिथि शिक्षक ने परिसर के प्राचार्य पर बिना कारण बताए ही कन्या परिसर से हटाए जाने को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया है । जिसमें उन्होंने बताया कि बीते दिनों कन्या परिसर के कुछ शिक्षकों को विभाग से हटाए जाने को लेकर पत्र जारी किया गया था, किंतु प्राचार्य द्वारा जिन्हें हटाए जाने को लेकर विभाग से पत्र जारी हुआ था, उन्हें न हटाते हुए योगा टीचर को ही हटा दिया गया है । इसके लिए वह चाहती हैं कि कन्या परिसर में विषय वार शिक्षकों की नियुक्ति किया जाए और उन्हें जो बिना कारण के निकाला गया है उस पर न्याय उचित कार्रवाई की जाए। आपको बता दे की शिक्षा विभाग में जब से अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति होना शुरू हुई है, उसके बाद से ही स्कूल प्राचार्य द्वारा नियम अनुसार अतिथि शिक्षकों को ना रखते हुए , अपने करीबियों को स्कूलों में रखे जाने का आरोप लगते आ रहे हैं एवं जो पत्र शिक्षक होते हैं उन्हें बिना कारण के ही स्कूल से हटाने की बात भी कही जाती है । जिसका एक ताजा मामला जिला मुख्यालय स्थित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर गोंगलाई का सामने आया है । यहां की योगा अतिथि शिक्षक को बिना कारण के ही प्राचार्य पी.के अंगूरे के द्वारा हटा दिया गया है, जबकि योगा शिक्षक अंजुलता शिववंशी द्वारा बताया गया कि कुछ दिनों पहले कन्या परिसर गोंगलाई में दो शिक्षकों को कन्या परिसर से हटाए जाने को लेकर विभाग से नोटिस जारी किया गया था , किंतु प्राचार्य पी.के अंगूरे द्वारा नोटिस अनुसार दो शिक्षकों को ना हटाते हुए उन्हें ही हटा दिया गया है , इस प्रकार के आरोप प्राचार्य पर लगाये गये हैं ,अंजुलता ने बताया की वह वर्ष 2024 से अभी तक कन्या शिक्षा परिसर में बच्चों को योग की शिक्षा देती आ रही थी। अभी कन्या शिक्षा परिसर में कोई भी रेगुलर योग शिक्षक की नियुक्ति नहीं हुई है और उन्होंने यह भी बताया कि कन्या शिक्षा परिसर में कोई भी विषय वार शिक्षक नहीं रखे गए हैं। आज भी कन्या शिक्षा परिसर में गणित विषय के स्थान पर प्राचार्य द्वारा सामाजिक विज्ञान के विषय के शिक्षक रखे गए हैं और अपने करीबियों को लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है और योग शिक्षक की जगह हिंदी विषय का शिक्षक लिया गया है । इसलिए वह चाहती हैं कि इस विषय पर विभाग संज्ञान लेते हुए , इस पूरे मामले में कार्रवाई करें उन्होंने जिला कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन भी इस पूरे विषय को लेकर दिया है। जल्द से जल्द इस पूरे विषय पर न्याय उचित कार्रवाई की मांग की है ।

आरोप लगाए जा रहे हैं वह निराधार हैं - पी.के अंगूरे

इस विषय को लेकर कन्या शिक्षा परिसर के प्राचार्य पी.के अंगूरे द्वारा बताया गया कि जो योगा शिक्षक द्वारा आरोप लगाए जा रहे हैं , वह निराधार है । उनके कन्या परिसर में योग शिक्षक का कोई पद नहीं है। पहले उनके परिसर में दो पद रिक्त थे , उन पर नियमित शिक्षकों को ले लिया गया है और उनके स्थान पर जो हिंदी और योग शिक्षक अतिथि के रूप में पड़ा रहे थे । उन्हें हटा दिया गया है , जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह निराधार हैं ।

जिले के 6 खिलाड़ी 13वीं जूनियर राष्ट्रीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में दिखाएंगे दम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पेंचक सिलाट एसोसिएशन के सचिव प्रवीण नन्हेट द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार कोप्पल कर्नाटक में आयोजित होने वाली 13 वी राष्ट्रीय चैम्पियनशीप 26 से 28 सितम्बर तक डिस्ट्रिक्ट इंडोर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स एंड खेलो इंडिया सेंटर कोप्पल (कर्नाटक) में आयोजित होगी। जिसमे भारत के लगभग सभी राज्य जम्मू कश्मीर ,महाराष्ट्र ,गोवा ,दमन दीव, छत्तीसगढ़ ,हरयाणा , दिल्ली ,उत्तरप्रदेश ,राजस्थान ,कर्नाटक ,तमिलनाडु, गुजरात,मणिपुर ,मिजोरम ,अरुणाचल प्रदेश ,वेस्ट बंगाल ,असम ,नागालैंड ,सिक्किम ,बिहार ,झारखण्ड, त्रिपुरा, आंध्रप्रदेश ,ओड़िसा, मध्यप्रदेश से चयनित खिलाड़ी अपने अपने उम्र और वजन के हिसाब से अपने इवेंट सिंगा ,मेकन,प्री टीन,सब जूनियर और जूनियर केटेगरी में इस चैम्पियनशीप में अपना जोर आजमाएंगे जिसमे बालाघाट जिले से एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी के खिलाड़ी डेनिश वराडे उम्र 7 साल (टेन्डिंग इवेंट) , अद्विक अग्रवाल उम्र 8 साल (टेन्डिंग इवेंट), अनिरुद्ध कुमार पुरोहित उम्र 9 साल (टेन्डिंग इवेंट), विहान बिसेन उम्र 12 साल , (टेन्डिंग इवेंट),प्रणव सोनकर उम्र 14 साल , (टेन्डिंग इवेंट) यथार्थ गर्दे उम्र 15 साल (सोलो,तुंग्गल इवेंट) में भाग लेंगे। रतलाम में 23 से 24 अगस्त में आयोजित हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बालाघाट जिले से 13 खिलाड़ियों ने भाग लिया और 6 खिलाड़ियों ने गोल्ड मेडल प्राप्त कर राष्ट्रीय चैम्पियनशीप में अपनी जगह बनाई यह बालाघाट जिले के लिए हर्ष का विषय है बालाघाट जिले से पहली बार 6 जूनियर खिलाड़ी आदिकृत राष्ट्रीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए है । यह खिलाड़ी मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे । वर्ष 2022 - 23 से यह खेल बालाघाट जिले में लाया गया , जो कि इंडोनेशिया का पारम्परिक युद्ध कला (मार्शल आर्ट) है। जिसमे खाली हाँथ लड़ने के साथ साथ वेपन्स चलाने की प्रतियोगिता जैसे लाठी,चाइनीस फैन, केरंबित, हंटर, तलवार, ननचाकू अदि इवेंट का हिस्सा होता है । इस खेल को मिनिस्ट्री ऑफ युथ अफेयर एंड स्पोर्ट्स गवर्मेंट ऑफ इंडिया, ओलिंपिक कौंसिल ऑफ एशिया, स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ओर इंटरनेशनल पेंचक सिलाट फेडरेशन से मान्यता प्राप्त है । यह खेलो इंडिया जैसे खेलो में शामिल है 24 सितम्बर की शाम बालाघाट बस स्टेण्ड से गोंदिया के लिए सभी खिलाड़ियों को कोच कार्तिक तितरमारे (राष्ट्रीय खिलाड़ी)के साथ शुभकामना देकर रवाना किया गया । मौके पर उपस्तिथ रहे जिला पेंचक सिलाट के समस्त पदाधिकारी और पालकगण निधि नन्हेट ,प्रतीक नन्हेट,सरून सोनवाने,छाया नरवास,संगीता मराठा,तर्पित बिसेन,भावना सोनकर साहिल सोनवाने,मनीष बेंद्रे, संदीप कुमार वराडे,प्रियांश अग्रवाल,हरीश कुमार पुरोहित,निकेश बिसेन,विशाल गर्दे,आशीष कुमार सोनेकर उपस्थित रहे।

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया गया

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह का शुभारंभ स्कूल संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन के द्वारा माँ सरस्वती एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतीक पुरूष स्वामी विवेकानन्द के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इसके पश्चात् माँ सरस्वती की वंदना का गायन स्वंय सेविका श्रुति गौतम एवं भूमिका सोनकुसरे के द्वारा किया गया। स्वागतोपरांत स्कूल संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना पर प्रकाश डालते हुए स्कूल में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की गतिविधियों पर उल्लेख किया गया। कार्यक्रम अधिकारी सहित राष्ट्रीय सेवा योजना, स्वंय सेवकों एवं सेविकाओं के कार्यो की प्रशंसा की गई। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय स्तर पर जिले के शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों से मात्र एक कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा के उत्कृष्ट कार्यो के लिये चयन किया गया है। जिनका सम्मान रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में आयोजित समारोह में किया जाना है। समारोह का संचालन एवं आभार व्यक्त कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया है। समारोह को सफल बनाने में स्वयं सेवक एवं सेविकाओं के अतिरिक्त देवसिंह ठाकुर सहित संस्था परिवार का विशेष योगदान रहा।

हादसों को दावत देते आवारा मवेशी, हाईवे मार्ग बना मवेशियों का आशियाना

पशुपालकों की लापरवाही से आमजन परेशान, हर समय बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना, जिम्मेदार मौन

राहगीरों ने प्रशासन से अभियान चलाकर आवारा मवेशियों को पकड़कर पशुमालिकों पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर में आवारा मवेशियों की धमाचौकड़ी की समसया अब नासूर बन चुकी है। नगर मुख्यालय से होकर गुजरे बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग के अलावा हाई स्कूल मार्ग, गुजरी पहुंच मार्ग, अमोली-समनापुर रा'य मार्ग, मजार के समीप व सर्राटी नदी पुल सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर दिन-रात मवेशियों का जमावड़ा रहता है, जो यमदूत बनकर घुम रहे है। इस तरह से पशुपालकों की लापरवाही के कारण यह मवेशी सड़कों पर धमाचौकडी मचाते हुए दुर्घटनाओं को न्यौता दे रहे है। वहीं आवारा मवेशी वर्तमान में सड़क को अपना आशियाना बना लिये है जो सड़क के बीचों-बीच में दिन एवं रात में बैठकर घुमते रहते है। जिससे राहगीरों और दुकानदारों के साथ-साथ वाहन चालकों को भी हर समय दुर्घटना होने का भय सताते रहता है और पूर्व में दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। साथ ही मवेशी रात्रि के समय फसल को भी नुकसान पहुंचा रहे है। वहीं वर्तमान में नवरात्र पर्व जारी है एवं 27 सितंबर से लालबर्रा मुख्यालय का भव्य माँ सरस्वती महोत्सव भी शुरू होने वाला है। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन माता-रानी के दर्शन करने पहुंचेगें, लेकिन इन आवारा मवेशियों के धमाचौकड़ी के चलते आवागमन प्रभावित होने के साथ ही बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जिसका मुख्य कारण है पशुपालकों की गैरजिम्मेदारी और प्रशासनिक सख्ती का अभाव। वहीं लालबर्रा मुख्यालय के हाईवे मार्ग, स्कूल मार्ग सहित अन्य व्यस्तम मार्ग पर आवारा मवेशियों की मौजूदगी को लोग चलते-फिरते यमराज करार दे रहे है। नगर के जागरूक नागरिकों का कहना है कि आवारा मवेशियों की हाईवे मार्ग पर धमाचौकड़ी की यह समस्या अब सिर्फ असुविधा नहीं, बल्कि जन-जीवन को खतरे में डालने वाली गंभीर समस्या बन चुकी है और जो मवेशी सड़कों में घुम रहे है वे आवारा मवेशी नही है, किसी पशुपालक के पशु है जो सुबह दुध निकालने के बाद उन्हे खुला छोड़ दे रहे है। इसलिए प्रशासन को जिम्मेदार पशुपालकों पर केवल हिदायत देने की बजाय उन से जुर्माना लेकर सख्त कार्यवाही करनी चाहिए ताकि वे अपने मवेशियों को खुला न छोड़े।

यमदुत बनकर घुम रहे आवारा मवेशी

आपकों बता दे कि इन दिनों नगर मुख्यालय में आवारा मवेशियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। जिनके द्वारा हाईवे मार्ग में शांति नगर स्थित मजार के पास, हाईस्कूल रोड, सर्राटी नदी पुल, जैन स्थानक भवन के सामने सहित अन्य स्थानों में धमाचौकड़ी करने के साथ ही सड़क के बीचों-बीच बैठकर आराम किया जाता है यानि की यमदुत बनकर घुम रहे है। जिसके कारण मार्ग से गुजरने वाले चौपहिया-दुपहिया वाहनों, साइकिल चालकों व पैदल आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानी होती है। साथ ही ये आवारा मवेशी रास्ते के बीचों-बीच झुंड बनाकर खड़े हो जाते है। जिससे परेशान वाहन मालिकों को गुजरते समय इन आवारा पशुओं को हटाने हेतु अपने वाहन का हार्न बजाना पड़ता है एवं कई बार तो ऐसी स्थिति बन जाती है कि ये मवेशी रास्ते से हटने को तैयार नही होते। जिसके कारण रास्ता जाम होने की स्थिति बन जाती है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इन आवारा मवेशियों के मालिकों पर कोई कार्यवाही नही की जा रही है। इसलिए वे बेझिझक होकर अपने मवेशियों को खुला छोड़ दे रहे है जो राहगीरों व ग्रामीणों के लिए मुसीबत बनते जा रहे है। प्रशासन को जिस तरह से यातायात नियमों का पालन हेतु अभियान चलाया जाता है, उसी तरह अभियान चलाकर आवारा मवेशियों को पकड़कर पशुमालिकों को समझाईश देना चाहिए उसके बाद भी खुला छोड़ते है तो उन पर कठोर कार्यवाही करनी चाहिए।

पशुमालिक अपने पशुओं को खुला न छोड़े - रवि

समाजसेवी रवि अग्रवाल ने बताया कि हम लोग गाय को गौ माता का दर्जा देते है, लेकिन पशु मालिकों के द्वारा उन गौ माता को आवारा बनाया जा रहा है जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। पशु मालिकों से अपील है कि वे अपने पशुओं को अपने घरों पर बांधकर सुरक्षित रखें, खुला न छोडे, मवेशी सड़क में घुमते रहते है जिससे आवागमन करने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। श्री अग्रवाल ने बताया कि दुर्गोत्सव प्रारंभ हो चुका है एवं माँ सरस्वती महोत्सव जल्द प्रारंभ होने वाला है। ऐसी स्थिति में नगर मुख्यालय में भीड़ अधिक होगी और इन आवारा मवेशियों की वजह से दुर्घटनाएं बढ़ने की संभावना है, प्रशासन आवारा मवेशियों को पकड़कर पशुमालिकों पर कार्यवाही करें।

मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने एवं मालिकों पर की जायेगी कार्यवाही - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि आवारा मवेशी हाईवे मार्ग सहित अन्य मार्गों में घुमते रहते है, हमारे द्वारा कई बार पशुओं को पकड़कर गौशाला पूर्व में भेजा गया है। उसके बाद भी पशुमालिक हरकत में नही आ रहे है और पुनः मवेशियों को खुला छोड़ रहे है, जल्द मुनादी करवाकर पशुमालिकों से पशुओं को सुरक्षित रखने की अपील की जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि आवारा मवेशी घुमते मिलते है तो उन्हे पकड़कर गौशाला भेजने के साथ ही पंचायतीराज अधिनियम के तहत पशुमालिकों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी।

किसान गर्जना संगठन का किसान जागरूकता अधिकार यात्रा हुआ प्रारंभ

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। किसानों को धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये दिलवाने, उनके हक और अधिकार की लड़ाई को मजबूती देने के लिए किसान गर्जना संगठन के द्वारा बुधवार को नगर मुख्यालय स्थित विश्रामगृह में प्रेसवर्ता आयोजित कर किसान जागरूकता अधिकार यात्रा का शुभारंभ किया गया। वहीं प्रेसवर्ता आयोजित कर किसान जागरूकता अधिकार यात्रा निकालने के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि विधानसभा चुनाव के पूर्व भाजपा सरकार ने घोषणा की थी कि धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति. क्विंटल दिया जायेगा, लेकिन उन्होने अपनी घोषणा को पूरा नही किया। जिसके विरोध में किसान संगठन के द्वारा आंदोलन किया गया। जिसका ही परिणाम है कि आज कटंगी पहुंचकर सरकार किसानों को प्रति हेक्टे. के हिसाब से 4 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि अंतरित कर रही है। लेकिन यह गलत है जबकि सरकार को अपने वादे को पूरा करते हुए धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विं. करना चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि सरकार कहती है कि एक देश-एक कानून है, लेकिन किसानों को इस कानून के अनुसार लाभ नही मिल रहा है, महाराष्ट्र राज्य में भाजपा की सरकार है जहां प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन राशि 20 हजार रूपये मिल रहा है और म.प्र. में महज 4 हजार रूपये दिया जा रहा है, इस तरह से सरकार किसानों के साथ भेदभाव कर रही है। इसलिए किसानों को उनके हक व अधिकार दिलवाने के लिए किसान गर्जना संगठन के द्वारा किसान जागरूकता अधिकार यात्रा पूरे जिलेभर में निकालकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ 24 सितंबर को लालबर्रा से किया गया है और किसानों की मांगों को पूरा करवाने के लिए आगामी समय में भव्य आंदोलन किया जायेगा। इस अवसर पर किसान गर्जना संगठन प्रदेशाध्यक्ष अरविंद चौधरी, लालबर्रा अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

बस नही चलने से राहगीर दिनभर होते रहे परेशान, ऑटों वालों की रही चांदी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। कटंगी विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 24 सितंबर को आगमन हुआ था। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कटंगी के कृषि उपज मंडी में आयोजित मुख्यमंत्री कृषि उन्नति योजना अंतर्गत वर्ष 2024-25 के धान प्रोत्साहन राशि वितरण रा'य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होकर विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास के साथ ही किसानों के खातों में धान प्रोत्साहन राशि का वितरण किया है। इस तरह से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में भीड़ जुटाने के लिए बालाघाट जिला सहित अन्य जिलों के किसानों एवं ग्रामीणजनों को ले जाने के लिए यात्री बसे अधिग्रहण की गई थी। वहीं जिला बालाघाट सहित अंतर जिला और स्थानीय स्तर पर चलने वाली अधिकांश यात्री बसें भीड़ जुटाने के लिए कार्यक्रम स्थल तक भेज दी गई थी। जिसके चलते दिनभर यात्री बसे अपनी नियमित रूट पर नही चली। ऐसी स्थिति में लालबर्रा बस स्टैण्ड में यात्रीगणों को अपने गंतव्य तक जाने के लिए घंटों बस का इंतजार करना पड़ा। इस तरह से बसे नही चलने से सुबह से लेकर देर शाम तक यात्री अपने गंतव्य तक जाने के लिए बस का इंतजार करते नजर आये और परेशान होते रहे। वहीं बसे नही चलने से ऑटो चालकों की चांदी रही जिनके द्वारा समय का फायदा उठाते हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का कार्य अधिक किराया वसूल कर किया गया। वहीं कुछ लोग अपने परिचितों को बुलाकर अपने गंतव्य तक पहुंचे। इस तरह से 24 सितंबर को यात्री बसे नही चलने से महिलाएं, बुजुर्ग एवं विद्यार्थियों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं यात्रियों का कहना है कि आम जनता की सुविधाओं को दरकिनार कर वाहन व्यवस्था को राजनीतिक कार्यक्रमों में आमजनों को ले जाने के लिए लगा दी जाती है। ऐसी स्थिति में पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं सहित अन्य लोगों को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्रशासन को ऐसे कार्यक्रमों के लिए वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था करनी चाहिए ताकि यात्रियों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

व्यवसायिक शिक्षक विनय ब्रम्हे ने मारपीट कर उच्च माध्य. शिक्षक श्री लोढ़ा को किया घायल

लालबर्रा बस स्टैंड में छुट्टी को लेकर हुआ विवाद, पुलिस ने किया काउण्टर मामला दर्ज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा थानांतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. स्थित शासकीय उमावि. में पदस्थ दो शिक्षकों के बीच छुट्टी को लेकर लालबर्रा बस स्टैण्ड में मारपीट कर शालेय प्रभारी प्राचार्य (उच्च. माध्य. शिक्षक) नवीनकुमार लोढ़ा को लहुलुहान कर घायल करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने उच्च माध्य. शिक्षक नवीनकुमार लोढ़ा की शिकायत पर व्यवसायिक शिक्षक विनय ब्रम्हे एवं व्यवसायिक शिक्षक विनय ब्रम्हे की रिपोर्ट पर नवीनकुमार लोढ़ा के खिलाफ काउण्टर मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शास. उमावि. नेवरगांव(ला.) में पदस्थ उच्च माध्यमिक शिक्षक नवीनकुमार लोढ़ा 24 सितंबर को शालेय प्रभार पर थे और संस्था के प्रभारी प्राचार्य आर.के.कटरे बीएलओं को प्रशिक्षण देने बालाघाट गये हुए थे। वहीं स्कूल में पदस्थ महिला शिक्षिकाओं ने 24 सितंबर को बस न होने के कारण समय से पहले घर जाने के लिए छुट्टी हेतु शालेय प्रभार प्राचार्य श्री लोढ़ा को आवेदन दिया था और श्री लोढ़ा ने महिला शिक्षिकाओं को छुट्टी दे दी। किन्तु शाला में पदस्थ व्यवसायिक शिक्षक विनय ब्रम्हे ने भी श्री लोढ़ा से महिला शिक्षिकाओं के साथ ही स्वयं जाने हेतु आवेदन दिया तो प्रभारी प्राचार्य श्री लोढ़ा ने व्यवसायिक शिक्षक को यह कहा कि सभी पुरूष शिक्षक नियत समय 5 बजे के बाद ही जायेगें। व्यवसायिक शिक्षक श्री ब्रम्हे को समय से पहले घर जाने नहीं दिये जाने से वे नाराज थे। वहीं जब नियत समय उपरांत छुट्टी होने पर प्रभारी प्राचार्य अपने एक सहयोगी शिक्षक के साथ लालबर्रा तक दुपहिया वाहन से आये और लालबर्रा से अपने गंतव्य बालाघाट जाने के लिए शाम करीब 5.15 बजे यात्री बस में बैठ रहे थे। तभी बस में बैठे व्यवसायिक शिक्षक श्री ब्रम्हे ने शालेय प्रभार प्राचार्य श्री लोढ़ा को गंदी गालियां देते हुए हाथ-मुक्को से मारपीट कर लहुलुहान कर दिया। वहीं बस स्टैण्ड में दोनों शिक्षकों के बीच विवाद बढ़ने लगा और दोनों में मारपीट हुई। जिससे उच्च माध्य. शिक्षक श्री लोढा को नाक व सिर में चोटे आई है एवं व्यवसायिक शिक्षक को भी चोटे आई है। वहीं घटना के बाद दोनों पक्ष थाना पहुंचकर एक-दुसरे के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने दोनों शिकायतकर्ताओं की रिपोर्ट पर काउण्टर मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इनका कहना है-

मैं बीएलओं को प्रशिक्षण देने बालाघाट गया था, 24 सितंबर को वरिष्ठ उच्च माध्य. शिक्षक नवीनकुमार लोढ़ा को शालेय प्रभार था। किस कारण से दोनों शिक्षकों में मारपीट हुई है स्पष्ट जानकारी नही है। इस तरह की घटना होना संस्था की छवि को धूमिल करती है।

आर.के. कटरे
प्राचार्य
शास. उमावि. नेवरगांव ला.।

नेवरगांव ला. के शास. उमावि. में पदस्थ दो शिक्षकों में छुट्टी लेने को लेकर विवाद हुआ है और एक-दुसरे के साथ मारपीट की है जिससे दोनों को चोटे आई है। उच्च. माध्य शिक्षक नवीनकुमार लोढ़ा एवं व्यवसायिक शिक्षक विनय ब्रम्हे ने एक दुसरे पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत की है और दोनों की शिकायत पर काउण्टर मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच की जा रही है।

सुनील चतुर्वेदी
थाना प्रभारी
लालबर्रा।

अधिवक्ता संघ की हुई बैठक

नवीन कार्यकारिणी की गठन करने सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय में 24 सितंबर को अधिवक्ता संघ लालबर्रा की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक अधिवक्ता संघ लालबर्रा अध्यक्ष बाबूलाल सर्राटे सहित अन्य पदाधिकारी व अधिवक्तागणों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन करने, पिछले कार्यकाल की आय-व्यय सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि आगामी 3 अक्टूबर को नवीन कार्यकारिणी का गठन किया जायेगा। वहीं अध्यक्ष पद के लिए इच्छुक सदस्यों से आवेदन लिये जायेगें और चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाई जायेगी। साथ ही संघ की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने एवं अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा हेतु ठोस कदम उठाने का भी निर्णय बैठक में लिया गया है। चर्चा में अधिवक्ता संघ लालबर्रा अध्यक्ष बाबूलाल सर्राटे ने बताया कि बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई है एवं संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक सदस्य का सक्रिय सहयोग आवश्यक है। साथ ही यह भी बताया कि आगामी 3 अक्टूबर को होने वाली बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन किया जायेगा इसलिए सभी सदस्य 3 अक्टूबर को आयोजित बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, जिससे संघ का संगठनात्मक ढांचा मजबूत बन सके। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं

पांडेवाड़ा में भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा शारदेय नवरात्र पर्व

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 15 किमी. दूर ग्राम पंचायत पांडेवाड़ा में माँ दुर्गा की प्रतिमा विराजित कर शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा हैं। साथ ही रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। वहीं ग्राम स्थित मंदिर में जवारे व कलश प्रज्वलित कर माता-रानी की आराधना की जा रही है। साथ ही रोजाना सुबह केसमय श्रध्दालुजन मंदिर में जल चढ़ाने जाते है एवं सुबह-रात में होने वाली आरती में उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। वहीं पंचमी के अवसर पर माँ दुर्गा की विशेष पूजा अर्चना की जायेगी। इस अवसर पर दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की है।

कांग्रेसियों के काफिले को जाम नाले पर पुलिस ने रोका

सीएम का विरोध करने जा रहे थे कांग्रेसी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। २४ सितंबर को कटंगी के अनाज मंडी में मुख्यमंत्री के आगमन पर विरोध करने नगर के विधायक जनसंपर्क कार्यालय में बड़ी संख्या में कांग्रेसी जमा हुए। जिले के समस्त कांग्रेसी मौजूद रहे जहां से एक साथ कांग्रेसियों का काफिला कटंगी के लिए रवाना हुआ। परंतु पुलिस प्रशासन के द्वारा कटंगी के पहले जाम नाले के पास में बैरिकेड लगाकर काफिले को रोक दिया गया। इस दौरान काफिले में शामिल विधायक ,जिला पंचायत अध्यक्ष और पूर्व सांसद सहित कांग्रेसी गले में काला गमछा हाथों में काला रिबन बांधकर दिखाई दिये। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस प्रशासन की उपस्थिति ने पूरे कांग्रेसियों को रोक कर रखा। इस दौरान कांग्रेसियों के द्वारा प्रशासन से रास्ता खोलने को लेकर चर्चा भी की गई । परंतु प्रशासन अड़ा रहा इसके बाद मौके पर कांग्रेसियों के द्वारा मुख्यमंत्री के खिलाफजमकर नारेबाजी की गई। तो वहीं मौके पर धरने पर भी बैठ गए इस दौरान बेरीकेड को तोड़ने का भी प्रयास किया गया। किंतु मौके पर पुलिस बल ने मोर्चा संभाले रखा जहां समस्त कांग्रेसियों के हाथ और गले में काला कपड़ा के साथ ही समर्थन मूल्य देने किसानों के वादे पूरा करने जैसे स्लोगन भी लिखें रहे। कांग्रेसियों के द्वारा करीब १ घंटे तक कड़ी मशक्कत की गई किंतु रास्ता नही खुलने पर सभी कांग्रेसी वापस हो गए। इस अवसर पर वारासिवनी विधायक विवेक पटेल, बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे, परसवाड़ा विधायक मधु भगत ,बैहर विधायक एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उइके ,जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वर ,पूर्व सांसद बोधसिंह भगत ,राहुल गांधी विचार मंच जिला अध्यक्ष जावेद अली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी जन मौजूद रहे।

सरकार किसानों, बेरोजगारो और महिलाओं के साथ वादा खिलाफी कर रही है-संजय उइके

जिलाध्यक्ष संजय उइके ने बताया कि मुख्यमंत्री आ रहे हैं ४००० रूपये प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन राशि देने। भाजपा ने चुनाव में वादा किया था धान ३१००, गेहूं २७०० रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य दिया जाएगा वह नहीं मिला है। तो हम चारों विधायक जिला पंचायत अध्यक्ष पूर्व सांसद कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ इसी बात का विरोध करने जा रहे हैं। जब आपने वादा किया तो वह वादा पूरा कर किसानों को लाभ दें, किसान अन्नदाता है वह कड़ी मेहनत कर अन्न उगाता है जिससे हमारा भरण पोषण होता है। हमें यह ४००० रूपये नहीं समर्थन मूल्य चाहिए सरकार लगातार वादा खिलाफी अपने मतदाता, किसान बेरोजगार महिला सभी वर्ग के साथ कर रही हैं हम सभी उसी का विरोध करने जा रहे हैं।

सरकार लोकतंत्र की हत्या कर हमारे मौलिक अधिकारों को छीन रही है-विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने बताया कि बड़े दुख की बात है शासन प्रशासन के माध्यम से किसानों को रोका जा रहा है। हमें अपनी बात रखने नहीं दे रहे हैं मुख्यमंत्री से हम मिलने जा रहे हैं ,किसानों को जो देने के लिए सरकार ने कहा था वह दिया जाना चाहिए। इन्हें अपना वादा पूरा करना चाहिए हम कांग्रेस के लोग शांति प्रिया रूप से जा रहे थे । हम चारों विधायक ,पूर्व सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष सभी कांग्रेसियों को रोक दिया गया है। यह दुर्भाग्य की बात है कहीं ना कहीं सरकार संविधान का उल्लंघन कर लोकतंत्र की हत्या कर रही है और हमारे मौलिक अधिकारों को छीन रही है।

बारिश से मकान हुआ धराशाही ग्रामीण परेशान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा के पटेलटोला निवासी श्रीमती लीला करकाड़े का मकान बीते दिनों की बारिश के कारण धराशाही हो गया। जिनके सामने वर्तमान में रहने की समस्या खड़ी हो गई है ,उनके द्वारा शासन प्रशासन से मुआवजा और शासन की योजना का लाभ दिलाया जाने की मांग की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हर वर्ष की बारिश की अपेक्षा इस वर्ष क्षेत्र में अत्यधिक बारिश का दौर रहा है। इसमें जगह.जगह जल भराव और अन्य प्रकार की समस्याओं से लोगों को परेशान होना पड़ा है। इसी तरह वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम सिकंद्रा में भी बारिश के दौरान काफी विषम परिस्थितियों निर्मित हुई थी। ऐसे में जल भराव और भारी बारिश के कारण श्रीमती लीला करकाड़े पटेलटोला निवासी का मकान की नीव जर्जर हो गई थी दीवारों में दरार आ गई थी। परंतु सक्षम और सामर्थवान नही होने पर महिला के द्वारा उक्त मकान में ही निवास किया जा रहा था। परंतु बीते दिनों हुई झमाझम बारिश के बाद १६ सितंबर को अचानक मकान से आवाज आने लगी इस दौरान मकान के अंदर सभी परिवार के लोग निवास कर रहे थे। वह आवाज सुनकर बाहर निकले और उनके देखते देखते पूरा मकान धराशाही हो गया। जिसके अंदर रखा टीवी कूलर पंखा ड्रेसिंग पलंग दीवान सभी दबकर क्षतिग्रस्त हो गया। इस परिस्थिति में उन्हें खुले में रहना पड़ रहा है तो वहीं काफी दिक्कतें आगे जीवन निर्वाह करने में आ रही है। हालांकि घटना की जानकारी लगते ही पटवारी पंचायत सचिव के द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही कर ली गई है। किंतु वर्तमान तक उन्हें मुआवजा या शासन प्रशासन की अन्य योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया है इसलिए वह परेशान है। उनके द्वारा ईट की दीवाल खड़ी कर टीन डालकर रहने का कार्य किया जा रहा है। इनका यह पूरा मकान कच्चा था जो बारिश के कारण गिर गया है। पद्मेश से चर्चा में श्रीमती लीला करकाड़े ने बताया कि वह मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करती है। उनके मकान में वह अपने पति और बच्चों के साथ निवास करती थी मकान कच्चा था मिट्टी का बना हुआ जो बारिश के कारण खराब हो गया था। हमें भी लगता था कि किसी दिन यह गिर जाएगा परंतु हमारे पास इसे बनाने की व्यवस्था नहीं थी शासन की योजना प्रधानमंत्री आवास का रास्ता देख रहे थे। परंतु इस बार की बारिश में बहुत ज्यादा स्थिति खराब हो गई थी जिस कारण से १६ सितंबर के आसपास हुई बारिश के कारण मकान धराशाही हो गया। इस दौरान हम सभी मकान के अंदर से परंतु आवाज सुन बाहर निकले तो हमारे सामने पूरा मकान बैठ गया। इसके अंदर घर का गृहस्थी का सभी प्रकार का सामान दब गया था जिसे पूरा मकान गिरने के बाद धीरे.धीरे मलमा हटाकर सामान को बाहर निकल गया है। सभी सामान टूट गए हैं उनकी मरम्मत कर उपयोग किया जा रहा है अधिकारी आए थे सभी ने निरीक्षण कर लिया है। हम यही चाहते हैं कि हमें जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए और शासन की आवास योजना का भी लाभ हमें मिलना चाहिए हम मजदूरी कर अपना जीवन चला रहे हैं बहुत दिक्कत है।

किसान गर्जना जिलाध्यक्ष व अन्य को पुलिस ने थाने में किया नजर बंद

मुख्यमंत्री का विरोध कर काला झंडा दिखाने वाले थे किसान गर्जना संगठन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जिले के कटंगी तहसील में मुख्यमंत्री के आगमन पर किसान गर्जना संगठन के द्वारा अपनी मांगों का ज्ञापन देने और विरोध स्वरूप काले झंडे दिखाने का आह्वान किया गया था। जिस पर खैरलांजी पुलिस के द्वारा किसान गर्जना जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे के कार्यालय में दबिश देकर जिला अध्यक्ष सहित उपस्थित सदस्यों को थाना खैरलांजी ले जाकर नजर बंद कर लिया गया। जहां पर पूरे कार्यक्रम के दौरान सभी को पुलिस सुरक्षा में बिठाल कर रखा गया। इसमें पुलिस के द्वारा सभी को सुबह १० बजे नजर बंद करने थाने में लाया गया जहां से शाम करीब ५.३० बजे उन्हें छोड़ दिया गया। इस दौरान करीब ७.३० घंटे सभी को नजर बंद रखा गया इस दौरान सभी के द्वारा थाने से बाहर निकाल कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई।

मुख्यमंत्री के नाम किसान गर्जना संगठन ने पुलिस अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारी सदस्यों को पुलिस के द्वारा शाम को रिहा कर दिया गया। इसके बाद उनके द्वारा मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन थाने में उपस्थित पुलिस अधिकारी चंद्रशेखर चौधरी को दिया गया। इस ज्ञापन में उन्होंने बताया कि हम बालाघाट जिले के किसान हैं हमें सरकार ने कई आश्वासन दिए थे किंतु आज तक एक भी पूरे नहीं हो पाए हैं। जिसमें वर्ष २०२३ विधानसभा चुनाव में वादा किया गया था कि सरकार बनते ही धान ३१००,गेहूं २७०० रुपयें प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर खरीदी किया जायेगा। परंतु २ वर्ष बीत जाने के बाद भी यह समर्थन मूल्य लागू नहीं किया गया है। रबी की जो फसल है उसे समर्थन मूल्य पर खरीदी करने की बात कही गई थी किंतु वह नहीं किया जा रहा है। खाद की बड़ी समस्या बनी हुई है सोसायटी में पर्याप्त आवंटन दिया नहीं जा रहा है ,किसान काफी परेशान हो रहा है इधर उधर भटकना पड़ रहा है। खेतों में कीट व्याधि की समस्या होने पर दवा और खाद काफी महंगे हो गए हैं इसके दाम घटकर कम किया जायें। धान खरीदी में समिति ४१ किलोग्राम की बोरी लेती है उपार्जन नीति के ११.३ के नियम १,२ में स्पष्ट है कि ४०.५८० प्रति बार दाने में लेना है परंतु इसे स्पष्ट रूप से लागू नहीं किया गया है। हम चाहते हैं कि उक्त सभी मांगों पर त्वरित निराकरण किया जायें। इस अवसर पर रामकुमार नगपुरे जिलाध्यक्ष किसान गर्जना संगठन, अशोक लिल्हारे ब्लॉक अध्यक्ष, भारत शिवहरे , फूलचंद बनोटे ,अजबसिंह कृपगएं ,सर्वेश मसखरे ,मुकेश दमाहे ,नर्बद माहुले ,दिनेश दमाहे ,अमृत दमाहे सहित अन्य किसान साथी मौजूद रहे।

भाजपा सरकार किसान विरोधी सरकार है पुलिस को आगे करती है

जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे व ब्लॉक अध्यक्ष अशोक लिल्हारे ने संयुक्त रूप से बताया कि जिले में किसानों के द्वारा कटंगी में आये मुख्यमंत्री को काला झंडा झंडा दिखाना था। क्योंकि भाजपा सरकार ने किसानों को २०२३ में की हुई घोषणा को पूरा नहीं किया है। जिसमें धान ३१००,गेहूं २७०० रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य दिया जाना था परंतु यह आज तक हमें नहीं दिया गया है। अभी ४००० रूपये प्रति हेक्टेयर चॉकलेट के रूप में किसानों को दिया गया है । जबकि महाराष्ट्र में प्रति हेक्टेयर २५००० रूपये मिलते हैं। भाजपा किसान विरोधी है यह पुलिस को आगे करती है और यही उनकी नीति है ,यह किसानों का हक अधिकार मारने का काम कर रहे हैं। हम चाह रहे हैं कि पूर्व में जो वादा किया गया है उस पर जिस प्रकार से जनता को गुमराह किया जा रहा है वह बंद होना चाहिए। वादों को पूरा किया जाना चाहिए इसी के लिए हम मुख्यमंत्री से मिलना चाहते थे और अपना विरोध प्रकट करना चाहते थे। परंतु शासन ने प्रशासन को आगे कर हमें नजर बंद कर दिया।

शीतला माता मंदिर में 386 मनोकामना ज्योति कलश हुए प्रज्वलित

भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा शारदेय नवरात्र पर्व

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी की ग्राम देवी के नाम से मशहूर शीतला माता मंदिर में शारदेय नवरात्र पर्व २२ सितंबर से धार्मिक भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। इस दौरान २२ सितंबर की रात्रि ८ बजे विधि विधान से वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ शारदेय नवरात्र पर्व का प्रारंभ माता शीतला की पूजा अर्चना से किया गया। जिसके बाद ३८६ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए तत्पश्चात माता शीतला की महाआरती की गई। जहां पर रोजाना सुबह और शाम ८.३० बजे माता शीतला की विधि विधान से पूजा अर्चना कर आरती की जा रही है। वहीं रोजाना जस भजन कीर्तन जैसे कार्यक्रम कर शारदेय नवरात्र पर्व पूर्ण भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। जहां प्रतिदिन आरती के बाद भंडारे का वितरण कर रहे हैं ,नवरात्रि की नवमी को कन्या भोज हवन पूजन भंडारा कर दशहरे के दिन ढोल नगाड़ों की थाप पर जवारे का विसर्जन किया जाएगा।

रोजाना भक्तों का लग रहा ताता

शीतला माता मंदिर नगर में एक अपना मुख्य स्थान रखता है माता शीतला नगर की ग्राम देवी है जिसके आशीर्वाद के साथ ही नगर का प्रत्येक व्यक्ति अपने शुभ कार्यों की शुरुआत करता है। चाहे वह वैवाहिक हो या सामाजिक माता शीतला के आशीर्वाद से ही हर कार्य पूर्ण होते हैं । ऐसे में शारदेय नवरात्र पर्व प्रारंभ होने के साथ ही माता शीतला को जल चढ़ाने के लिए भक्तों की भीड़ अब मंदिरों में उमड़ने लगी है। सुबह ४.३० बजे से यह प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है जो दोपहर तक चलती है ,इस दौरान सुबह ७ बजे से ११ बजे तक भक्तों की बहुत भीड़ रहती है। ऐसे में दो से तीन भक्तों को प्रवेश देकर पूजा अर्चना संपन्न कराई जाती है।

दूर दूर से आकर भक्तों ने रखे हैं मनोकामना कलश

शीतला माता मंदिर में भक्तों की गहरी आस्था और नगर वासियों की गहरी श्रद्धा होने का ही कारण है कि दूर.दूर से लोग यहां पर आकर मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वालित करवाते हैं। यह वही लोग है जो वारासिवनी अपनी जन्मभूमि को तो छोड़ चुके हैं ,परंतु माता शीतला को आज भी नहीं भूले हैं शारदेय हो या चैत्र नवरात्र वह माता रानी के दरबार में एक बार हाजिरी लगाकर ज्योति कलश जरूर स्थापित करवाते हैं। ऐसे में वारासिवनी ,बालाघाट के साथ ही रायपुर, बिलासपुर, जयपुर ,बेंगलुरु और अमेरिका जा चुके लोग भी शीतला माता मंदिर में अपनी मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित करवाते हैं। इस वर्ष कुल ३८६ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। इसमें तेल के ३७६ कलश एवं घी के १० कलश शामिल हैं।

वारासिवनी से भी पुराना है ग्राम देवी का मंदिर

नगर की ग्राम देवी शीतला माता का मंदिर करीब ३०० वर्षों से भी ज्यादा पुराना होने की बात कही जाती है। साथ ही बताया जाता है कि जब यह वारासिवनी नगर कस्बे के रूप में स्थापित था उसके पहले से माता शीतला माता का मंदिर अपने स्थान पर स्थापित है। यह उस समय से ग्राम देवी है वर्तमान में जो मंदिर का स्वरूप नजर आता है ,वह बाद में बनाया गया है पहले माता माई के रूप में छोटे स्तर पर मंदिर बना हुआ था। बाद में नगर विस्तार के साथ.साथ मंदिर का भी विस्तार होता गया जिससे वह वर्तमान स्वरूप में है।

सांदीपनि विद्यालय में सम्पन्न हुआ संभाग स्तरीय योगासन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल २२ सितंबर २०२५ एवं कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग तथा कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला बालाघाट द्वारा शालेय संभागीय स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में आयोजित किया गया। इस शालेय संभाग स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन तीन दिवसीय सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ अरूण इंगले संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग जबलपुर,अश्विनी कुमार उपाध्याय जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट, हुमराज पटले प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय वारासिवी, विरेन्द्र कुमार बनोटे प्रभारी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी वारासिवनी, कुंजीलाल चौहान संकुल प्राचार्य कमला नेहरू शास.कन्या उमावि वारासिवनी, अरविन्द पारधी प्राचार्य शास.हाई स्कूल थानेगॉंव एवं अन्य जिलों से पधारे हुए कोच/शिक्षक की उपस्थिति में किया गया। संस्था के द्वारा उपस्थित अतिथि एवं अन्य जिलों से आए हुए कोच/शिक्षक का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में सांदीपनि विद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा असम संस्कृति पर आधारित एक नृत्य सुश्री रितिका जैन के निर्देशन में प्रस्तुत किया गया। इस प्रतियोगिता में ६ जिले जिसमें बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, कटनी, जबलपुर ने अपनी सहभागिता निर्धारित तिथियों में दी। इस प्रतियोगिता में कुल १५१ जिसमें बालक ६७ बालिका ,८४ बालको ने अपनी प्रतिभाओं का योगासन के माध्यम से प्रदर्शन किया। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में वर्ग १४,१७ एवं १९ वर्ष बालक/बालिकाओं एवं योग ओलंम्पियाड १४ एवं १६ वर्ष बालक/बालिकाओं ने भाग लिया। योगासन कार्यक्रम के द्वितीय दिन बर्मन डी.पी.सी. बालाघाट, योगेश बिसेन ए.पी.सी. बालाघाट, पंचम हनवत सेवानिवृत शिक्षक की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। योगासन प्रतियोगिता में उपस्थित प्रतिभागी को प्रमाण पत्र एवं चैम्पियनशिप जिले को मेडल सहप्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में जिला योग प्रभारी कृष्ण कुमार कुशवाह, जिला खेलकूद प्रभारी गिरी गोस्वामी , योग प्रतियोगिता संचालक खेल शिक्षक राजेश सोनेकर, अशोक शिवने योगाचार्य, भेजेन्द्र चौधरी, राकेश तुरकर, चंद्रशेखर पटले, मनीष शेण्डे, सुश्री कंचनबाला फुलबांधे, राजेश सहारे, दुर्गाप्रसाद राहंगडाले, डुलिचंद बांगरे, नंदकिशोर आड़े, डुलिचंद कावरे, तेमेन्द्र पारधी, सुश्री शारदा मेश्राम, नवजीत दुबे के द्वारा जिला स्तर से अपनी सहाभागिता दी गई। सांदीपनि विद्यालय योगासन प्रतियोगिता में लखन रिनायत ,श्रीमती वंदना शर्मा, डेलेन्द्र मेश्राम ,कमल टेंभरे , श्रीमती अन्नु राहंगडाले, दिनेश राहंगडाले, ओमप्रकाश चिखले, मुकेश देशकर, टीकाराम डहेरिया,अमित डोंगरे का अभूतपूर्व सहयोग रहा।

पं. दीनदयाल उपाध्याय सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक थे

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऐसे युग पुरुष थे जिन्होंने व्यक्ति, परिवार, समाज और देश को समग्र परिवेश में देखा है।वे सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक और एक परिपूर्ण मानव थे ।पंडित जी एक ऐसे निष्काम कर्मयोगी थे जिन्होंने राजनीति में रहते हुए अपने वतन की सेवा के व्रत के परायण में अपना सम्पूर्ण जींवन समर्पित कर दिया था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 1964को ग्वालियर में भारतीय जनसंघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के अधिवेशन में एकात्म मानववाद का जो सिद्धांत दिया ,वह जीवन के सभी सुखो का मूल मंत्र है ।यह भारतीय दर्शन, भारतीय संस्कृति और भारतीय विचार का आज के युग के लिए अनुकूल समुच्चय है जो आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेगा ।यह सिद्धांत समाज के अंतिम छोर तक के व्यक्ति के हित में कार्य करने का है ।पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद का दर्शन एक ऐसा दर्शन है जो हमें हमारी संस्कृति और सभ्यता से जोड़े रखता है। पंडित दीनदयाल का जिक्र करते ही , पंडित जी की जो छवि हमारी आंखों के सामने उभरती है।वह किसी बड़े राजनीतिक दल के कद्दावर नेता की नहीं।बल्कि एक सहृदय अग्रज।आत्मीय मित्र।और मार्गदर्शक की है।हिन्दुस्तान भर के लाखों अनुयाई पं दीनदयाल को इस स्वरूप में अपने साथ पाते थे।आज हमारे मुल्क में राजनीति का जो स्वरूप हमें द्रष्टिगोचर होता है और उसमें राजनीति करते हुए तमाम सारे राजनीतिक दलों के जो नेता हमें मिलते हैं उनकी तुलना यदि दीनदयाल उपाध्याय के साथ करें तो हमें बेहद आश्चर्य होता है।हमारे ज़हन में विचार आता है कि इस आपाधापी के दौर में भी हमें ऐसी शख्सियत का मार्गदर्शन मिला । कालांतर में पंडित दीनदयाल जो अमूल्य विचार हमें प्रदान कर गए।वह न केवल इस कीर्ति की आत्मा और शरीर दोनों के ही अनुकूल था। प्रसिद्धि से दूर अहंकार से रहित और निश्छल मुस्कुराहट वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ऐसी ही शख्सियतों में से एक थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने नाम के अनुरूप ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने व्यक्ति, परिवार,समाज, और देश को समग्र परिवेश में देखा, वे सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक और एक परिपूर्ण मानव थे, पंडित जी एक ऐसे निष्काम कर्मयोगी थे जिन्होंने राजनीति में रहते हुए राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था, पंडित उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का जो सिद्धांत दिया है,वह जीवन के सभी सुखों का मूल मंत्र है,यह भारतीय दर्शन, भारतीय संस्कृति और भारतीय विचार का आज के युग के लिए अनुकूल समुच्चय है जो आगे आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेगा,यह सिद्धांत समाज के अंतिम छोर तक के व्यक्ति के हित में कार्य करने का है, पंडित उपाध्याय का दर्शन एक ऐसा दर्शन है जो हमें हमारी संस्कृति और सभ्यता से जोड़ता है, पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म उत्तर प्रदेश के चंद्रभान नामक ग्राम के एक साधारण से परिवार में 25 सितंबर 1916 को हुआ था ,आप की माता का नाम रामप्यारी एवं पिता का नाम भगवती प्रसाद था, उपाध्याय जी के बाल्यकाल में ही माता पिता का साया उनके सिर से उठा गया था, फलत बचपन के उन सुहाने दिनों से वंचित हो गए ,जब खेलने और खाने की जगह उन्हें अभावों में जीना पड़ा,यही वजह थी, कि बचपन में ही कठिन परिस्थितियों से संघर्ष की और व्यावहारिक शिक्षा ग्रहण कर लेने के बाद जीवन में उन्होंने संघर्ष से कभी मुंह नहीं मोड़ा, पिता के निधन के पश्चात इनके नाना चुन्नीलाल उन्हें अपने गांव धनकिया ले आए ,जब नाना नौकरी छोड़ कर अपने पैतृक घर गुड़की मंडई आ गए, तो वे नाना के साथ गुडकी मंडई आ गए ,दीनदयाल जी के 9 वर्ष के होने के बाद भी उनके अध्ययन की कोई संमुचित व्यवस्था नहीं थी अत: वे अपने मामा राधारमण के पास आ गए जो कि गंगापुर में सहायक स्टेशन मास्टर के पद पर पदस्थ थे, गंगापुर आने के पश्चात 1925 में उनकी शिक्षा विधिवत प्रारंभ हुई,वे गंगा पुर में 4 वर्ष तक रहे, गंगापुर में इससे आगे पढ़ाई की व्यवस्था नहीं होने से, अत: 2 जून 1929 को उन्होंने कोटा के एक स्कूल में दाखिला ले लिया , कक्षा 5 से 7 तक की पढ़ाई उन्होंने कोटा में की इसके बाद की पढ़ाई के लिए वे,राजगढ़ आ गये मामा राधारमण के चचेरे भाई नारायण शुक्ला राजगढ़ में स्टेशन मास्टर थे, आठवीं की शिक्षा प्राप्त करने के लिए दाखिला लिया, उन्होंने अपनी कुशाग्र बुद्धि का परिचय अंकगणित के कठिन सवालो का जवाब पलक झपकते ही देकर दिया, जब वे 9 वी कक्षा में पढ़ रहे थे उस दौरान उनके पास दसवीं के विद्यार्थी भी उनसे गणित के सवाल हल करवाने आते थे।

अन्त्योदय नये भारत का आधार: वंचित के उत्थान का संकल्प

भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक चेतना में सदैव यह विचार रहा है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति-वह व्यक्ति जो सबसे अधिक उपेक्षित, वंचित और अभावग्रस्त है, उसके जीवन में भी सुख, सम्मान और समृद्धि का प्रकाश पहुँचे। यही विचारधारा अंत्योदय के रूप में प्रकट हुई। अंत्योदय केवल एक नारा या कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह समाज-जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। अंत्योदय दिवस इसी दर्शन की याद दिलाने और उसे व्यवहार में उतारने का अवसर है। यह दिवस हर वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है, क्योंकि यही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मतिथि है। दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के सिद्धांत को भारतीय राजनीति और समाज के केन्द्र में स्थापित किया। उन्होंने कहा था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि उस सत्ता का उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए। आज गांव, गरीब और स्वराज में दीनदयाल उपाध्याय की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है। अंत्योदय दिवस मनाने का मूल उद्देश्य हमें यह स्मरण कराना है कि लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ तभी साकार होता है जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास यात्रा में शामिल हो सके। यह दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि योजनाएँ और नीतियाँ केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ उस व्यक्ति तक पहुँचे जो वर्षों से उपेक्षा, गरीबी और अभाव का शिकार रहा है। आज भारत नए शिखरों की ओर अग्रसर है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान निरंतर बढ़ रही है। लेकिन यदि यह प्रगति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुँचती, तो यह विकास अधूरा है। इसलिए अंत्योदय दिवस हमें विकास के मानवीय आयाम की याद दिलाता है। यह नागरिकों और नीति निर्माताओं को वंचितों का समर्थन करने की जिम्मेदारी का अहसास कराता है। सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है, और पूरे देश में समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को हुआ था। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे और एक प्रखर चिंतक, दार्शनिक तथा समाज सुधारक थे। उनका सबसे ब?ा योगदान था-एकात्म मानववाद और अंत्योदय का दर्शन। एकात्म मानववाद का अर्थ था कि मनुष्य को केवल आर्थिक इकाई न माना जाए, बल्कि उसके जीवन के सभी आयामों-शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक का संतुलित विकास हो। उनका 'एकात्म मानववाद' का दर्शन व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता तथा आत्मनिर्भरता पर केंद्रित था। अंत्योदय का अर्थ था विकास की कसौटी पर यह देखना कि समाज में सबसे अंतिम व्यक्ति का जीवन कितना सुधर रहा है। उन्होंने कहा था कि हमारी योजनाओं और प्रयासों की सफलता तभी मानी जाएगी जब सबसे अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचे। दीनदयाल जी का यह दर्शन महात्मा गांधी की 'अंतिम जन' की अवधारणा से भी जुड़ा है। गांधीजी कहा करते थे कि किसी भी निर्णय से पहले यह सोचना चाहिए कि उसका लाभ सबसे अंतिम और सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचेगा या नहीं। दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विचार को राजनीतिक और आर्थिक विमर्श का आधार बनाया। आज जबकि समूची देश एवं दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी अभाव, उपेक्षा एवं संघर्षरत लोगों के लिये पंडित उपाध्याय का 'अंत्योदय' एवं एकात्म मानववाद ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है। 'अंत्योदय' का शाब्दिक अर्थ है-'अंतिम व्यक्ति का उदय'। इसका व्यावहारिक अर्थ है कि गरीब को जीवन की बुनियादी आवश्यकताएँ मिलें, किसान, श्रमिक, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग की समस्याओं का समाधान हो, समाज में कोई भी उपेक्षित या निराश्रित न रहे और आर्थिक असमानता घटे गरीबी का संबोधन खत्म हो ताकि सभी को समान अवसर मिलें। यह केवल आर्थिक उत्थान तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और आत्मनिर्भरता की स्थापना का भी संदेश है। आज भारत गरीबमुक्ति की ओर अग्रसर होकर इसी विचार एवं दर्शन को मजबूती दे रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने निर्णय इसलिये लिया गया कि उन्होंने जीवनभर वंचितों, गरीबों और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए चिंतन और कार्य किया। उनका जीवन तपस्या और सादगी का प्रतीक था। वे स्वयं किसी प्रकार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से दूर थे, लेकिन समाज के लिए समर्पित थे। आज जब भारत 'सशक्त भारत' और 'नए भारत' के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है, तब अंत्योदय का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत में अब भी करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। अंत्योदय यह मांग करता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ हर गरीब और वंचित तक पहुँचें। यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि हर हाथ को काम मिले और हर परिवार आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आधार बनाकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र दिया है। यह मंत्र अंत्योदय की ही आधुनिक व्याख्या है। वर्तमान समय में अंत्योदय का दर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वैश्वीकरण और बाजारवाद की दौड़ में गरीब और उपेक्षित वर्ग अक्सर पीछे छूट जाता है। केवल अमीर और सशक्त वर्ग ही विकास का लाभ उठा पाते हैं। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भूखा सोता है, तो हमारी प्रगति अधूरी है। यदि एक किसान आत्महत्या करने को विवश होता है, तो हमारी नीतियाँ अधूरी हैं। यदि आदिवासी, दलित या श्रमिक अब भी शोषण का शिकार हैं, तो हमारा लोकतंत्र अधूरा है। अंत्योदय इन सभी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्चा विकास वही है, जिसमें हर कोई भागीदार बने। भारतीय समाज एवं राष्ट्र को सुखी, संपन्न एवं मंगलकारी बनाने के निमित्त 'एकात्म मानव-दर्शन' व 'अन्त्योदय' की अद्भुत संकल्पना देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र-निर्माता एवं समाज-सुधारक महा व्यक्तित्व थे। आज की भारतीय जनता पार्टी उन्हीं के सिद्धान्तों को अग्रसर करते हुए उन्नत, सशक्त एवं विकसित भारत को आकार दे रही है। उन्होंने भारत के जन-मन-गण को गहराई में आत्मसात करते हुए न केवल वैचारिक क्रांति की बल्कि व्यक्ति-क्रांति के भी प्रेरक बने। उनके दर्शन में आज भारत की संस्कृति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ-साथ मानव को केंद्र-बिंदु में रखकर ही राष्ट्र एवं समाज स्थापना की प्रेरणा मिलती है।

सहृदयता, बुद्धिमता, सक्रियता एवं अध्यवसायी वृत्ति वाले पंडित उपाध्याय एक व्यक्ति नहीं, अपितु एक विचार, एक संस्था और जीवन-शैली हैं। भारत और भारतीयता उनके जीवन और चिंतन का आवृत्त है। राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि मानने वाले और राष्ट्र एवं समाज के प्रति आजीवन समर्पित रहने वाले पंडितजी ने अपने मौलिक चिंतन से राष्ट्र-जीवन को प्रेरित और प्रभावित किया। अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवीयता का धर्म है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी योजना, किसी भी नीति या किसी भी प्रयास का केन्द्र सदैव समाज का अंतिम व्यक्ति होगा। अंत्योदय दिवस का संदेश यही है कि नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब वंचित और उपेक्षित व्यक्ति का जीवन बदल जाए, जब हर चेहरे पर मुस्कान और हर जीवन में सम्मान हो।

-ललित गर्ग

शक्ति और साहस का पर्व है नवरात्रि

नवरात्रि का मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि का अर्थ है नौ रातें, और इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं, और भक्ति में लीन रहते हैं। नवरात्रि का त्योहार एक बार वसंत ॠतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ॠतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है। वसन्त की शुरुआत और शरद ॠतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है। नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने - कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि। नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री। नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं। नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं। शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं। नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इंद्रियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय। वस्तुत- नवरात्र अंतःशुद्धि का महापर्व है। आज वातावरण में चारों तरफ विचारों का प्रदूषण है। ऐसी स्थिति में नवरात्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

-रमेश सर्राफ धमोरा

ट्रंप का नया एच-1बी वीजा वार- भारतीय प्रोफेशनल्स पर गहरी चोट या भारत के लिए ब्रेन गेन का अवसर?

वैश्विक स्तरपर अंतरराष्टीय राजनीति और आर्थिक नीतियों की दुनियाँ में अमेरिका हमेशा से अपनी इमिग्रेशन पॉलिसीज़ के ज़रिए विश्वभर के टैलेंट को आकर्षित करता रहा है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिकी वीज़ा और माइग्रेशन नीतियों में एक के बाद एक सख्ती देखने को मिली है। कभी टैरिफ के नाम पर व्यापारिक प्रतिबंध, तो कभी टेक सेक्टर के लिए वीज़ा नियमों में कट्टर बदलाव,ये सब कदम स्पष्ट करते हैं कि अमेरिकी फर्स्ट पॉलिसी सिर्फ नारा नहीं, बल्कि ट्रंप प्रशासन का आधारभूत एजेंडा है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं कि इसी कड़ी में ट्रंप सरकार ने टैरिफ के बाद, भारतीयों पर एक और स्ट्राइक की है,उन्होंने एच-1बी वीजा पर एक लाख डॉलर (करीब 88 लाख रुपये) की फीस थोप दी है,ये चोट कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि 70 फीसदी एच-1बी वीजा भारतीयों को मिलते हैं,अब सवाल ये है कि क्या इतनी मोटी रकम खर्च करके कंपनियां भारतीयों को अमेरिका में नौकरी पर रखेंगी ?इसकी तगड़ी मार भारतीयों के अलावा अमेरिकी टेक सेक्टर पर भी पड़ने की आशंका जताई जा रही है खासकर भारतीय प्रोफेशनल्स और टेक कंपनियों की नींद उड़ा दी है।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ट्रंप का नया एच-1बी वीजा वार-भारतीय प्रोफेशनल्स पर गहरी चोट या भारत के लिए ब्रेन गेन का अवसर? साथियों बात अगर हम एच-1बी वीजा पर ट्रंप की नई स्ट्राइक और उसका नोटिफिकेशन को समझने की करें तो एच-1बी वीज़ा वह रास्ता है जिसके माध्यम से भारतीय और अन्य देशों के उच्च कौशल वाले प्रोफेशनल्स अमेरिका की कंपनियों में काम कर सकते हैं। सिलिकॉन वैली से लेकर न्यूयॉर्क के फाइनेंशियल सेक्टर तक, भारतीय इंजीनियर,आईटी प्रोफेशनल्स और मैनेजमेंट एक्सपर्ट्स की बड़ी मौजूदगी इन्हीं वीज़ा के जरिए संभव हुई है।ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में एक नोटिफिकेशन जारी किया है जिसके अनुसार एच-1बी वीज़ा पर हर साल .100,000 की फीस देनी होगी। यह फीस केवल पहली बार वीज़ा आवेदन करने वालों पर ही नहीं, बल्कि उन लोगों पर भी लागू होगी जो पहले से अमेरिका में हैं और वीज़ा रिन्यू करना चाहते हैं। इस निर्णय को न केवल अप्रवासी समुदाय बल्कि अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत भी अत्यधिक बोझ मान रहा है।हर साल की फीस- पुराने और नए आवेदकों पर समान बोझ- अब तक वीज़ा शुल्क केवल आवेदन और प्रोसेसिंग के समय एकमुश्त लिया जाता था। लेकिन अब इस नए नियम के तहत फीस हर साल देनी होगी।जो भारतीय प्रोफेशनल्स पहले से अमेरिका में काम कर रहे हैं, उन्हें भी वीज़ा रिन्यूअल के दौरान यह राशि चुकानी होगी।इसका मतलब यह है कि यदि किसी का वीज़ा 3 साल का है और वह दो बार रिन्यू करवाता है, तो कुल मिलाकर करीब 300,000 (2.64 करोड़ रुपये से अधिक) का बोझ कंपनियों या कर्मचारियों पर पड़ेगा।इससे कंपनियों पर वित्तीय दबाव और बढ़ेगा और वे सोच-समझकर ही भारतीय या अन्य विदेशी कर्मचारियों को नौकरी पर रखने का निर्णय लेंगी।ग्रीन कार्ड का सपना और दूर होता भविष्य-भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए अमेरिका का सपना केवल एच-1बी वीज़ा तक सीमित नहीं है। इसका अंतिम लक्ष्य है-ग्रीन कार्ड और नागरिकता।लेकिन इस भारी- भरकम फीस ने उस सपने को और कठिन बना दिया है।कंपनियां अब इतनी बड़ी राशि खर्च करने से पहले कई बार सोचेंगी कि क्या किसी कर्मचारी के लिए ग्रीन कार्ड स्पॉन्सर करना उनके लिए लाभकारी है।पहले ही ग्रीन कार्ड की प्रतीक्षा सूची भारतीयों के लिए दशकों लंबी हो चुकी है, ऐसे में अतिरिक्त वित्तीय बोझ कंपनियों को पीछे हटने पर मजबूर कर सकता है।भारतीयों का अमेरिका में स्थायी बसने का सपना अब पहले से भी ज्यादाकठोर कठिन और अनिश्चित हो गया है। साथियों बात अगर हम 70 पेसेंट

भारतीयों पर सीधा असर व पूरी तरह कर्मचारी की ब्रेन वैल्यू पर निर्भर होने को समझने की करें तो, एच-1बी वीज़ा की हकीकत यह है कि इसमें सबसे बड़ाहिस्सा भारतीयों का है।हर साल जारी होने वाले एच-1बी वीज़ा में लगभग 70 पेसेंट भारतीयों को ही मिलता है।इसका मतलब है कि इस नीति का सीधा और सबसे ज्यादा असर भारतीयों पर पड़ेगा।लाखों भारतीय युवा जो अमेरिका जाकर करियर बनाने का सपना देखते हैं, उनकी राह में अब बड़ी बाधा आ खड़ी हुई है।साथ ही, भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इंफोसिस, टीसीएस,विप्रो आदि भी इससे प्रभावित होंगी, क्योंकि उनके हजारों कर्मचारी हर साल अमेरिका में सेवाएं देते हैं।यह बदलाव भारत-अमेरिका संबंधों में भी तनाव पैदा कर सकता है, क्योंकि यह स्पष्ट रूप से भारतीय प्रोफेशनल्स को निशाना बनाता दिख रहा है।कर्मचारी की ब्रेन वैल्यू और कंपनी की गणना- ट्रंप की नई नीति का एक और पहलू यह है कि यह अब पूरी तरह कर्मचारी की ब्रेनवैल्यूपर निर्भर करेगा।यदि किसी कंपनी को लगता है कि कोई भारतीय प्रोफेशनल इतना कुशल है कि उसका काम कोई अमेरिकी कर्मचारी नहीं कर सकता, तभी कंपनी यह भारी-भरकम फीस देने को तैयार होगी।इसका नतीजा यह होगा कि केवल टॉप टैलेंट को ही अब अमेरिका में अवसर मिलेगा।मिड-लेवल या सामान्य कौशल वाले भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए अमेरिका का दरवाजा लगभग बंद हो जाएगा।इससे अमेरिका में कार्य संस्कृति और भर्ती प्रक्रिया में गहरा बदलाव आएगा। साथियों बात अगर हम भारत के लिए ब्रेन गेन का सुनहरा अवसर होनें की करें तो,अब तक भारत से ब्रेन ड्रेन होता रहा है,टैलेंटेड युवा विदेश जाकर अपनी क्षमताएं वहीं इस्तेमाल करते थे।अब नया परिदृश्य ब्रेन गेन बन सकता है,आईआईटीप्रोफेशनल्स और भारत की टेक्नोलॉजी हब बनने की राह मिल सकती है,इस फैसले का सबसे ज्यादा असर आईआईटी, आईआईएम और अन्य शीर्ष संस्थानों से निकलने वाले भारतीय प्रोफेशनल्स पर होगा।अब तक इन संस्थानों के कई टॉप टैलेंट अमेरिका में काम करने चले जाते थे।लेकिन जब फीस इतनी भारी होगी, तो कंपनियां ऐसे टैलेंट को रखने से पहले कई बार सोचेंगी।इसका नतीजा यह होगा कि धीरे-धीरे भारतीय टैलेंट की वापसी तेज होगी और भारत में ही हाई-टेक रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन को बल मिलेगा। भारत पहले से ही बैंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और गुरुग्राम जैसे शहरों में आईटी और स्टार्टअप हब के रूप में उभर चुका है। ट्रंप का यह कदम इस प्रक्रिया को और तेज कर सकता है।अमेरिका से लौटने वाले उच्च कुशल भारतीय अब भारत की कंपनियों, विश्वविद्यालयों और स्टार्टअप्स में नई ऊर्जा और विशेषज्ञता लेकर आएंगे।इससे भारतीय टेक इंडस्ट्री और स्टार्टअपइकोसिस्टम को एक नई उड़ान मिलेगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग,साइबर सिक्योरिटी और फिनटेक जैसे क्षेत्रों में भारत अगले दशक में विश्व नेता बन सकता है। साथियों बात अगर हम अदालत में चुनौती और कंपनियों की नई रणनीति को समझने की करें तो, ट्रंप के इस फैसले को अदालत में चुनौती देने की तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। अमेरिकी कंपनियां और अप्रवासी अधिकार संगठन इसे भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक मानते हैं।यदि अदालत इस फैसले को रोक देती है तो भारतीयों को राहत मिलेगी।लेकिन अगर कोर्ट भी इस नियम को बरकरार रखता है, तो कंपनियों को नई रणनीति अपनानी होगी।वे अब भारत में ही ऑफशोर डेवलपमेंट सेंटर स्थापित कर सकती हैं और वर्क-फ्रॉम-इंडिया मॉडल पर काम कर सकती हैं।इससे भारतीय आईटी उद्योग में निवेश और रोजगार बढ़ सकता है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ट्रंप का यह कदम भारतीयों पर सीधा वार है। यह न केवल व्यक्तिगत सपनों को तोड़ता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कारोबारी समीकरणों को भी प्रभावित करता है।जहां एक तरफ लाखों भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए यह दुखद और निराशाजनक है, वहीं दूसरी ओर भारत के लिए यह ब्रेन गेन का मौका भी है। अब सवाल यह है कि भारत इस मौके को कितनी दूरदर्शिता से भुना पाता है। यदि भारत अपनी नीतियों को मज़बूत करे, स्टार्टअप इकोसिस्टम को और सहारा दे तथा रिसर्च और इनोवेशन में निवेश बढ़ाए, तो यह ट्रंप का झटका भारतीयों के लिए नई उड़ान का अवसर भी साबित हो सकता है।

- किशन सनमुखदास भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली ठंडी पड़ने से बुधवार को अनाज मंडी में चना घटाकर बोला गया। मसूर में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। किराना जिंसों में नारियल मजबूत बना रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली कमजोर रहने से बाजार घटाकर बोले गये। मसूर में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सरसो व सोयाबीन बाजार मजबूत बने रहे। उधर, किराना जिंसों में नारियल में लेवाली से सुर्खी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4270, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-775, गरबल 720-725, मटरदाना 795-810, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2750-2900, विरूद्ध नगर 2950-3150, मीडियम 2900-3150, बोल्ड 3200-3300, एक्ट्रा बोल्ड 3375-3400, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 940-980, काजू (320) 860-900, काजू एस.एस. डब्ल्यू 830-850, जे.एच. 830-850, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3750-3800, (160) 4400-4500, (200) 4900-5000, (250) 5300-5400

तेल- सींगदाना 1310-1330, मुम्बई 1340, राजकोट तेलिया 2100, सोया साल्वेंट 1185-1195, सोया रिफाइंड 1250-1260, कपास्या 1260-1265, धूलिया 1270, कड़ी 1270,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1300, मुम्बई पाम 1280, मुम्बई सोया 1280,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000, रायडा 6300, सोयाबीन 4350, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5600-5650, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशा?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 5950-6000, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के देखे गये। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 137200, चाँदी (99) 137100, टंच 136900, सिक्का 1500, सोना 10 ग्राम 116500,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को एक पैसे की गिरावट के साथ ही 88.74 पर बंद हुआ जबकि गत दिवस ये 88.73 पर बंद हुआ था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में मंगलवार को रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ 88.53 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर है। रुपया शुरुआती कारोबार में 88.41 पर खुला था, लेकिन जल्द ही फिसलकर 88.53 पर आ गया। सोमवार को यह 88.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाना और एच1बी वीजा फीस में बढ़ोतरी जैसी घोषणाओं से विदेशी निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर पड़ा है। इससे विदेशी मुद्रा प्रवाह पर असर पड़ा और रुपये पर दबाव बना।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई जिम्मेदारी मिल सकती है। आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहेगी, लेकिन आप उसे इधर-उधर रहकर व्यर्थ ना करें। आपको किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आपके परिवार में कोई सदस्य नौकरी को लेकर परेशान रहेगा। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

वृषभ- आज आपको किसी काम में उसके नीति नियमों पर पूरा ध्यान देना होगा। राजनीति में आप थोड़ा सोच समझकर कदम बढ़ाएं। आपको बॉस की कोई बात बुरी लग सकती हैं। माताजी भी आपकी किसी बात को लेकर विरोध कर सकती हैं, इसलिए आप अपनी बुद्धि का प्रयोग करके कामों को करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। किसी दूसरे की बातों में आकर कोई बिजनेस में बड़ा जोखिम ना लें। भाईचारे की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आएगा और आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। आप अपने घर के रिनोवेशन का काम भी शुरू कर सकते हैं और जीवनसाथी को कहीं लॉन्ग ड्राइव पर लेकर जाने की योजना बनाएंगे। आपका खर्चों को लेकर सिरदर्द रहेगा, लेकिन फिर भी आपको ना चाहते हुए भी कुछ खर्च करने पड़ सकते हैं।

कर्क- आज आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी और आप अपने घर के कामों पर पूरा ध्यान देंगे, लेकिन परिवार में किसी अतिथि का आगमन होने से सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे। आज आपको कोई चोट-चपेट आदि लगने की संभावना है, इसलिए आप किसी से वाहन मांगकर ना चलाएं और थोड़ा सावधानी बरतें। आपको किसी बात को लेकर जिद या अहंकार में नहीं रहना है, नहीं तो आपके पिताजी नाराज हो सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपने काम को लेकर यदि कोई बदलाव करेंगे, तो वह भी आपके लिए अच्छा रहेगा। बिजनेस में आप किसी से कोई महत्वपूर्ण जानकारी जुटाने की कोशिश करेंगे। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका खर्चा बढ़ सकता है। आपको किसी यात्रा पर भी बहुत ही सोच समझकर जाना होगा। भाईचारे की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको लाभ की योजना पर पूरा ध्यान देना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपको अपने खर्चों का लेखा-जोखा रखना होगा। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने मन में किसी के प्रति ईर्ष्या की भावना नहीं रखनी है। आप कार्यक्षेत्र में काम को लेकर अपनी आंख व कान खुले रखें।

तुला- आज आप विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपको अपने निजी मामलों में किसी दूसरे से सलाह लेने से बचना होगा। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोगों को अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आप अपने आसपास रह रहे लोगों का भरोसा जीतने में कामयाब रहेंगे। नौकरी में बदलाव के लिए आप किसी दूसरी जगह अप्लाई कर सकते हैं।

वृश्चिक- आज आपके ऊपर काम का दवाब अधिक रहने से आप परेशान रहेंगे। पारंपरिक कार्यो से आपको जुड़ने का मौका मिलेगा। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा और आपको किसी काम को लेकर अक्समात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आपकी संतान से बेवजह किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आपको आज सूझबूझ दिखाकर अपने कामों को करना होगा और आपका कोई सहयोगी आपके खिलाफ षड्यंत्र रच सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए सुख-शांति से भरा रहने वाला रहेगा। आपका आत्मविश्वास भी मजबूत रहेगा। आपको किसी चल या अचल संपत्ति संबंधित विवाद पर थोड़ा चुप रहने की आवश्यकता है। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है, जिसे लेकर आप परेशान रहेंगे। आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। आपके कुछ नए मित्र बनेंगे और आपके बॉस आपके काम से काफी खुश होंगे।

मकर- आज आपको दूसरों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। पैतृक मामलों में भी सुधार होगा और आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव लगा रहेगा। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। संतान को आप कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। आपको आसपास रह रहे लोगों को पहचानने की आवश्यकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको उम्मीद से ज्यादा लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपकी कुछ नई कोशिशें रंग लाएंगी। आपको किसी सामाजिक आयोजन से जुड़ने का मौका मिलेगा। विभिन्न क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। आप अपनी सेहत पर थोड़ा ध्यान दें।

मीन- आज का दिन आपके लिए अपने आवश्यक कामों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि आपको कोई ऐसा काम मिल सकता है, जिसमें आपको अत्यधिक मेहनत की आवश्यकता होगी। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी, जिसके लिए आपको अपनी वाणी और व्यवहार में बदलाव लाना होगा।

दैनिक पंचांग

25 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

(कुंडली: ७ मंगल चंद्र | बुध सूर्य ६ | केतु शुक्र ५ | ४ | ८ | ९ | ३ गुरु | १२ | शनि | १० | ११ राहु | १ | २)

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.29 बजे से
चंद्र	तुला में	वृश्चिक	09.44 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	12.00 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.05 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.52 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.24 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.55 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.35 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.33 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कर्क	00.47 बजे से
		सिंह	03.03 बजे से
		कन्या	05.15 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 268 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 07.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 19.09 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 21.54 बजे को समाप्त।
करण गर 07.07 बजे तदनन्तर वणिज 20.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 52'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872478
जूलियन दिन 2460943.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी
तारीख 02
विशेष विनायक चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

25 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति
गुरुवार 2025 वर्ष का 268 वा दिन दिशाशूल दक्षिण ऋतु शरद। विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947 मास आश्विन पक्ष शुक्ल तिथि तृतीया 07.07 बजे को समाप्त। नक्षत्र स्वाती 19.09 बजे को समाप्त। योग वैधृति 21.54 बजे को समाप्त। करण गर 07.07 बजे तदनन्तर वणिज 20.19 बजे को समाप्त। चन्द्रायु 03.2 घण्टे रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 52' सूर्य दक्षिणायन कलि अहर्गण 1872478 जूलियन दिन 2460943.5 कलियुग संवत् 5126 कल्पारंभ संवत् 1972949123 सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123 वीरनिर्वाण संवत् 2551 हिजरी सन् 1446 महीना रबी उस्सानी तारीख 02 विशेष विनायक चतुर्थी।
ग्रह स्थिति: सूर्य कन्या में, चंद्र तुला में, मंगल तुला में, बुध कन्या में, गुरु मिथुन में, शुक्र सिंह में, शनि मीन में, राहु कुंभ में, केतु सिंह में। राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक
लग्नारंभ समय: तुला 07.29 बजे से, वृश्चिक 09.44 ब.से, धनु 12.00 बजे से, मकर 14.05 बजे से, कुंभ 15.52 बजे से, मीन 17.24 बजे से, मेष 18.55 बजे से, वृष 20.35 बजे से, मिथुन 22.33 बजे से, कर्क 00.47 बजे से, सिंह 03.03 बजे से, कन्या 05.15 बजे से
दिन का चौघड़िया: शुभ 05.54 से 07.22 बजे तक, रोग 07.22 से 08.51 बजे तक, उद्वेग 08.51 से 10.19 बजे तक, चर 10.19 से 11.47 बजे तक, लाभ 11.47 से 01.15 बजे तक, अमृत 01.15 से 02.43 बजे तक, काल 02.43 से 04.11 बजे तक, शुभ 04.11 से 05.40 बजे तक
रात का चौघड़िया: अमृत 05.40 से 07.11 बजे तक, चर 07.11 से 08.43 बजे तक, रोग 08.43 से 10.15 बजे तक, काल 10.15 से 11.47 बजे तक, लाभ 11.47 से 01.19 बजे तक, उद्वेग 01.19 से 02.51 बजे तक, शुभ 02.51 से 04.23 बजे तक, अमृत 04.23 से 05.55 बजे तक
चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: मंत्री की उदारता

बहुत पुरानी कथा है। चीन के एक सम्राट का मंत्री था- शाह चांग। वह बड़ा ही मेहनती और उदार था। सभी उसका आदर करते थे। एक बार सम्राट ने उसे एक महत्वपूर्ण मामले पर दूसरे दिन सवेरे एक रपट पेश करने की आज्ञा दी। मंत्री अपने एक सहायक कर्मचारी के साथ रपट तैयार करने में जुट गया। मंत्री दिन भर रपट तैयार करता रहा। जब दिन भर काम करने के बाद भी रपट तैयार नहीं हुई, तो वह रात में भी अपने काम में लग गया। आखिरकार देर रात में बड़े परिश्रम के बाद रिपोर्ट तैयार हुई। शाहचांग दिन-रात काम करके थक गया था, फिर भी उसे इस बात की प्रसन्नता थी कि उसने समय पर अपना काम पूरा कर लिया है। वह उठकर सोने के लिए जाने लगा। मंत्री के जाने के बाद ही उसका सहायक कर्मचारी भी उठकर जाने लगा । मेज पर लैंप जल रहा था। लैंप में मिट्टी का तेल भरा हुआ था। कर्मचारी के उठते ही अचानक लैंप में धक्का लगा और वह गिर पड़ा। लैंप का सारा तेल मेज पर रखे कागज पर फैल गया। उसी मेज पर रपट भी रखी हुई थी। रपट के कागज तेल में भीग गए और उनमें आग लग गई। रपट पल भर में ही खाक हो गई। यह देखकर कर्मचारी थर-थर कांपने लगा। यह सोचकर उसके प्राण निकलने को हो गए कि उसे न जाने इस गलती की क्या सजा मिले? शाह चांग को जब पता चला तो वह दौड़ा हुआ आया। उसने जली हुई रिपोर्ट की परवाह न करते हुए कर्मचारी के कंधे पर हाथ रखकर कहा, 'अरे रपट ही तो जली है, किसी की जान का नुकसान तो नहीं हुआ न। फिर इसमें इतना घबराने की क्या बात है? हम तुम दोबारा बैठकर अभी यह रपट फिर तैयार कर लेते हैं।' कर्मचारी शाह चांग की उदारता से मन ही मन उसके प्रति नतमस्तक हो गया और दोबारा रपट तैयार करने में जुट गया।

फिल्म वर्ग पहेली- 6975

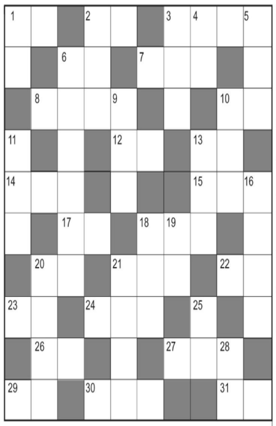

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणीधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6974 (हल)

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7284

★☆☆☆☆ सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7283 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 8499

बाएँ से दाएँ

1. कथा, गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा, कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति, वर-4
11. योग्य, उपयुक्त-3
13. चिंतन, सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा, शक्ल-3
18. चाकू, खंजर-3
20. उकसाना, चकमा देना -4
23. लक्ष, सौ हजार-2
25. ईश्वर, भगवान-2
26. विदा, गमन-3
27. लेखनी, पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन-2
2. शांति, वीराना-3
3. चिलमन, ओट, घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा, मुद्दा-3
7. आंगन, बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा, क्षारीय-4
12. कारनामा, करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक, स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी(उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल, व्यर्थ-2
24. गधा, गर्दभ -2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -8498 का हल

■	ह	ल	क	■	क	ल	र	व
क	द	■	हा	ज	मा	■	■	र
ह	■	ना	नी	■	ल	व	■	दा
र	च	ना	का	र	■	सा	ल	न
■	र	■	र	■	स	■	ह	■
र	स	द	■	ता	ली	ब	जा	ना
बा	■	ल	क	■	के	ला	■	ट
य	■	■	स	ज	दा	■	ना	क
त	ल	घ	र	■	र	ह	म	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 386.47 अंक नीचे आकर 81,715.63 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.60 अंक टूटकर 25,056.90 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान वाहन शेयरों में गिरावट से बाजार पर दबाव आया। निफ्टी ऑटो 1.15 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी आईटी 0.72 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.53 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.68 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 2.49 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.89 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.47 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 0.18 फीसदी उछलकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड, एचयूएल, एनटीपीसी, एचीसीएल टेक, मारुति सुजुकी, एलएंडटी, एशियन पेंट्स और बजाज फाइनेंस के शेयर नीचे आये । इसके अलावा टाटा मोटर्स, बीईएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। जीएसटी सुधारों के बाद बाजारों में मुनाफावसूली से गिरावट दर्ज की गयी है। वहीं एच-1बी शुल्क वृद्धि के कारण आईटी शेयरों में गिरावट आई है। वहीं व्यापार वार्ताओं और कमजोर वैश्विक संकेतों से निवेशक बाजार से दूसरी बनाये हुए हैं। इसस पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स करीब 200 अंक नीचे आकर 81,917.65 पर खुला जबकि सुबह यह 257.47 अंक या 0.31 फीसदी की गिरावट लेकर 81,844.63 पर था। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी गिरावट के साथ ही 25,108.75 पर खुला। वहीं आज सुबह एशियाई बाजारों की शुरुआत कमजोर रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.4 फीसदी नीचे रहा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.35 फीसदी गिरा। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.45 फीसदी गिरा है। वॉल स्ट्रीट की बड़ी टेक कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार का एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.55 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 0.95 फीसदी व डॉव जोन्स लगभग 0.2 फीसदी उछला।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता पर घिरे अनिश्चितता के बादल

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच एक बार फिर व्यापार वार्ता पर संकट के बादल घिरते नजर आ रहे हैं। इसकी वजह बनी है अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक की चेतावनी। इसके बाद भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता पर अनिश्चितता मंडराने लगी है। लटनिक ने 14 सितंबर को कहा था कि भारत अगर अमेरिका में उगाए गए मक्के की खरीद नहीं करता है, तो उसे अमेरिकी बाजार से अपनी पहुंच खोनी पड़ सकती है। मगर भारत के कुल कृषि एवं संबद्ध उत्पादों के आयात में मक्के की हिस्सेदारी काफी कम है और यह 1 फीसदी से भी कम है। यानी भारत सीमित मात्रा में अमेरिका से मक्के का आयात करता है। बता दें कि वित्त वर्ष 2018 में अमेरिका से भारत का मक्का आयात केवल 30 लाख डॉलर का था, जो अमेरिका से कुल कृषि आयात का 0.3 फीसदी था। वित्त वर्ष 25 तक आयात घटकर 22 लाख डॉलर रह गया और हिस्सेदारी 0.1 फीसदी रह गई। भारत में कुल आवक में अमेरिका से मक्का आयात की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2018 के 19 फीसदी से घटकर वित्त वर्ष 2025 में 0.8 फीसदी रह गई। वास्तव में, वित्त वर्ष 2018 से वित्त वर्ष 2025 के दौरान अमेरिका से भारत का सालाना मक्के का आयात औसतन करीब 20 लाख डॉलर का था। अमेरिका से भारत का कम मक्का आयात करने के दो कारण हैं। पहला, इस पर आयात शुल्क काफी अधिक है और आनुवांशिक रूप से संशोधित (जीएमओ) मक्के पर भारत में प्रतिबंध है मगर यह अमेरिका में बड़े पैमाने पर उगाया जाता है।

आरबीआई का बैंकों को तीन महीने का अल्टीमेटम कहा- बिना दावे की राशि का तेजी से हो निपटान

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने सभी बैंकों को तीन महीने का अल्टीमेटम देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बिना दावे की राशि का तेजी से निपटान करें। अक्टूबर से दिसंबर के अंदर बिना दावे वाली धनराशि- जमा, लाभांश, ब्याज वारंट, पेंशन आदि का निपटान तेज करने के लिए कहा है। आरबीआई ने निर्देशित करते हुए कहा है कि बैंकों को बिना दावे वाली जमा राशियों की जिलावार सूची तैयार करें और संबंधित शाखाओं के साथ साझा करें ताकि सही दावेदारों से संपर्क किया जा सके। एसएलबीसी को राज्य और जिला आधार पर बिना दावे वाली जमा राशि के आंकड़े की समीक्षा करने के लिए कहा गया है ताकि सदस्य बैंकों को उचित रणनीति प्रदान की जा सके। समिति को राज्य सरकार के विभागों और एजेंसियों के साथ प्रभावी तरीके से संपर्क करने और राज्य सरकार से संबंधित शिविरों के लिए स्थान, दावेदारों के चयन में सक्रिय सहायता करने, मृत्यु पंजीकरण आदि का सत्यापन करने के लिए कहा गया है। बैंकों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है कि वे इस पहल को सफल बनाने और बैंकिंग तंत्र से बिना दावे वाली धनराशि को कम करने में व्यक्तिगत स्तर ध्यान दें। बैंकिंग नियामक ने बैंकों को भेजे पत्र में कहा है वित्तीय स्थायित्व और विकास परिषद (एफएसडीसी) की हालिया बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बिना दावे वाली धनराशि के निपटान के लिए जिला स्तर पर सप्ताह भर संयुक्त शिविर लगाए जाएं। इस तरह का पहला शिविर अक्टूबर के पहले सप्ताह के दौरान गुजरात में लगाया जाएगा और दिसंबर तक देश भर में इस तरह के और शिविर आयोजित किए जाएंगे। राज्य स्तरीय बैंकरों की समिति (एसएलबीसी) को संबंधित राज्यों में इस पहल का नेतृत्व करने का जिम्मा सौंपा गया है। एसएलबीसी को विशेष अभियान अवधि यानी अक्टूबर से दिसंबर के दौरान अधिकतम दावा निपटान का प्रयास करने के लिए कहा गया है।

लांजी में फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में पांच लोगों पर मामला दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अनुविभागीय कार्यालय लांजी में फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाने के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। ग्राम भानेगांव और घोटी नंदोरा के पांच व्यक्तियों द्वारा बैगा जनजाति और अन्य जातियों के लिए प्रस्तुत आवेदन पत्रों में जाली दस्तावेज पाए गए। इस मामले में लांजी पुलिस ने अपराध क्रमांक 210/25 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आवेदन

जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत भानेगांव से चार आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें मनीष कुमार पिता बच्चू सिंह (गोंड जाति), राहुल सिंह पिता नरोत्तम सिंह (चम्हार जाति), योगेश पाल पिता प्रमोद पाल (बैगा जाति), और अभिषेक पिता विक्रम (चम्हार जाति) शामिल हैं। इसके अलावा, ग्राम पंचायत घोटी नंदोरा से मोनू सिंह पिता वीरेंद्र सिंह (बैगा जाति) ने आवेदन प्रस्तुत किया था। इन सभी आवेदकों द्वारा जमाऐ किए गए दस्तावेज, जैसे आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल की अंकसूची, मूल निवासी प्रमाण पत्र, समग्र आईडी, पटवारी का पंचनामा, अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र, भूमि खसरा, और सरपंच की सील-सहित हस्ताक्षर, जांच में पूरी तरह फर्जी पाए गए।

कार्यालयीन कर्मचारियों की सजगता से खुला मामला

अनुविभागीय कार्यालय लांजी के कर्मचारियों की सजगता के कारण इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। जांच के दौरान यह पाया गया कि भानेगांव और घोटी नंदोरा में बैगा जनजाति का कोई परिवार निवास नहीं करता। इस संदेह के आधार पर एसडीएम लांजी ने नायब तहसीलदार संजय बारस्कर को मामले की जांच सौंपी। जांच में पुष्टि हुई कि सभी आवेदकों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जाति प्रमाण पत्र बनवाने का प्रयास किया था।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

नायब तहसीलदार संजय बारस्कर ने लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर लांजी पुलिस ने पांचों आवेदकों—मनीष कुमार, राहुल सिंह, अभिषेक, योगेश पाल, और मोनू सिंह—के खिलाफ अपराध क्रमांक 210/25 दर्ज किया। इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 336(3), 338, और 341(2) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने संबंधित गांवों में जाकर सरपंच, सचिव, हल्का पटवारी, कोटवार, और ग्राम रोजगार सहायक से पूछताछ की, जिसके आधार पर दस्तावेजों की कूटरचना की पुष्टि हुई।

जांच में सामने आए तथ्य

जांच दल ने पाया कि आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज न केवल फर्जी थे, बल्कि इनका कोई रिकॉर्ड संबंधित कार्यालयों में मौजूद नहीं था। लोक सेवा केंद्र लांजी के माध्यम से इन आवेदनों को जमा किया गया था, जिसके बाद जांच में यह स्पष्ट हुआ कि दस्तावेजों में हेराफेरी की गई थी। जांच प्रतिवेदन और संलग्न साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की और विवेचना शुरू कर दी है।

आरोपियों की गिरफ्तारी बाकी

पुलिस ने अभी तक इस मामले में किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। जांच प्रभारी संजय बारस्कर ने प्राथमिकी दर्ज करने के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज और साक्ष्य पुलिस को उपलब्ध कराए हैं। लांजी पुलिस इस मामले में गहन जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की उम्मीद जताई जा रही है।

भविष्य में सख्त कार्रवाई की चेतावनी

यह मामला मध्यप्रदेश में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के जरिए लाभ लेने की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है। प्रशासन और पुलिस ने चेतावनी दी है कि भविष्य में इस तरह के फर्जीवाड़े पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह प्रकरण न केवल भ्रष्टाचार की गंभीरता को उजागर करता है, बल्कि प्रशासनिक सजगता और त्वरित कार्रवाई की मिसाल भी पेश करता है।

साई मंदिर टेडवा में भक्तों द्वारा रखे गए 52 मनोकामना ज्योति कलश

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद क्षेत्र लांजी अंतर्गत ऐसे तो अनेको धर्मस्थल एवं मंदिर हैं जहां पर हजारों की संख्या में समय-समय पर दर्शनार्थी पहुंचते

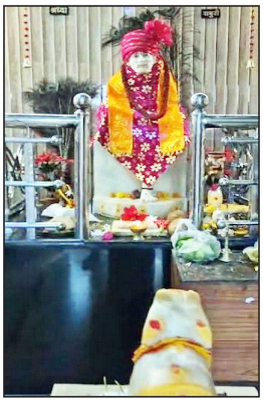

है। परंतु इन्हीं कुछ धर्मस्थलों में से एक श्री सांई मंदिर टेडवा में लगातार श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा हो रहा है। वहीं प्रत्येक गुरूवार को लगने वाले सांई दरबार में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंच रहे है। नवरात्र के अवसर पर भक्तों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। यहां आने वाले सभी भक्तजनों की समस्याओं का समाधान होता है। क्षेत्र सहित समीपस्थ राज्य महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं और सांई दरबार में उपसिथती लगा रहे है। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर श्री साई मंदिर टेडवा में भक्तों द्वारा 52 मनोकामना ज्योति कलश स्थापित किए गए हैं। जिनकी सेवा में मंदिर के सेवक दिन रात एकजुट होकर कर रहे है।

रोजाना हो रहे भजन कीर्तन कार्यक्रम

नवरात्र के अवसर पर श्री सांई मंदिर टेडवा में रोजाना जस कीर्तन भजन सहित विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे। नवमी तिथि को मनोकामना ज्योति कलशो का विसर्जन इसी के साथ नवरात्रि के नवमी तिथि को सुबह 8 बजे से सभी मनोकामना ज्योति कलशों का क्रमानुसार जल विहार कराया जाएगा। इसके पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। श्री सांई मंदिर टेडवा में मनोकामना ज्योति कलशों की नौदिनी सेवा में हेमराज जगराहे,आशीष सिल्हारे, भरतलाल चोरनेले, विकास भूते, युवराज नाकतोड़े, प्रमोद उके, अरविंद सिल्हारे द्वारा दिन रात उपस्थित रहकर सेवा की जा रही है और ग्रामीणों सहित आसपास के क्षेत्रवासियों से भी अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया गया है।

सेवा सहकारी समिति लांजी की हुई वार्षिक आमसभा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी स्थिती सेवा सहकारी समिति मर्यादित पंजीयन क्रमांक 561 जिसकी वार्षिक आम सभा का आयोजन 23 सितंबन को दोपहर 2 बजे से सालेटेकरी मार्ग स्थित सोसायटी प्रांगण में किया गया। इस आम सभा में समिति सदस्यों एवं किसानों के द्वारा विभिन्न विषयो पर चर्चा की गई। सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि संचालक मण्डल के द्वारा आगामी वर्ष के लिये तैयार किया गया है उसका अनुमोदन किया गया। संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तथा वार्षिक रिपोर्ट शुद्ध लाभ के व्यय के लिये, आगामी सहकारी वर्ष के लिये बजट प्रस्तुत किया गया। वित्तिय वर्ष के कार्य संचालन के कारण हुये घाटे की कारणो की समीक्षा की गई। वर्ष 2025 =26 तथा 2026-27 के लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिये संपरिक्षक नियुक्त करना। धान उपार्जन केन्द्र हेतु पंजीयन 15 सितंबर 2025 से 10 अक्टूबर 2025 तक किया जायेगा। उपस्थित कृषक बंधुओ ने समिति कार्यालय बनाये जपने की मांग की गई एवं समिति को लाभ में लाने हेतु सुझाव दिये गये । शासन के द्वारा नैनो युरिया, नैनो डीएपी लिक्विड पदार्थ प्रदाय किये जा रहे है समिति के द्वारा शुन्य प्रतिशत पर ऋण प्रदान कर कृषको को लाभ पंहुचाया जा रहा है। आम सभा में मुख्य रूप से योगेश रामटेक्कर, सुरेश सहारे, दिनेश लाड़े, प्रभुदयाल किरमे, झनकराम किरमे, एसबी रहांगडाले,ऋषि कुमार हरिनखेड़े, मानिकलाल नगपुरे, रोशन लाल कचवाहे, नवल किशोर पालीवाल, अनिल रामटेक्कर, निलता नेवारे, नेतराम सोमनकर एवं सोसायटी के समस्त कृषक बंधु उपस्थित रहे। आम सभा उपस्थित किसान एवं पूर्व सरपंच योगेश रामटेककर तथा जनपद सभापति दिनेश लाडे ने कहा कि वर्तमान समय मे देखने में आ रहा है कि किसानों को ना तो समय पर धान बीज उपलब्ध हो पाता है और ना ही खाद उपलब्ध हो पाता है। जबकि किसानों को उस वक्त बीज उपलब्ध हो जाना चाहिये जिस वक्त बोवाई प्रारंभ हो जाती है। स्थानीय निजी दुकानो में बीज आ जाते है किसान बीज खरीद लेते है उसके बाद सोसायटी या विभाग के द्वारा बीज उपलब्ध कराये जाते है जो कि किसानों के लिये कोई उपयोगी नही है। इसी प्रकार शासन के पास समस्त पंजीकृत किसानों की सूची उपलब्ध है इस सूची के आधार पर खाद उपलब्ध होना चाहिये। लेकिन देखने में आता है कि किसानों को खाद के लिये काफी मशक्कत करना पड़ता है उसके बाद भी खाद उपलब्ध नही हो पाता है। सरकार को इस विषय में चिंता करनी चाहिये तथा समय पर खाद बीज उपलब्ध कराया जाना चाहिये।

शासकीय महाविद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय, लांजी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का स्थापना दिवस प्राचार्य प्रो. आर.आर. सोनवाने के मार्गदर्शन में और कार्यक्रम अधिकारी नितेश मेश्राम के संयोजन में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष युगेश रामटेक्कर द्वारा मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ किया गया। स्वयंसेवकों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके पश्चात एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी नितेश मेश्राम ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। अर्थशास्त्र विभाग की प्राध्यापक डॉ. गौतमा कठाने ने छात्र-छात्राओं को एनएसएस स्थापना दिवस के महत्व पर संबोधित किया। प्रो. सुरेंद्र कुमार चिखले ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य प्रो. आर.आर. सोनवाने ने एनएसएस के माध्यम से व्यक्तित्व विकास, सामाजिक विकास और राष्ट्र निर्माण की दिशा में योगदान की महत्ता

पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. डालेश कुमार विजयवार ने किया और उन्होंने एनएसएस दिवस की शुभकामनाओं के साथ प्राचार्य की अनुमति से कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

वृक्षारोपण और विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

एनएसएस स्थापना दिवस के अवसर पर वन विभाग के सहयोग से महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इसके अतिरिक्त, रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता और निबंध प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। इन गतिविधियों में महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन एनएसएस के मूल्यों को बढ़ावा देने और सामाजिक जागरूकता को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण रहा।

आंगनवाड़ी केन्द्र जीवनारा में पोषण आहार पखवाड़ा मनाय गया

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत जीवनारा स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र में आगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र में पोषण आहार पखवाड़ा मनाय गया। बतादे कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस 17 सितंबर से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के जन्म जयंती अवसर 2 अक्टूबर स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत सभी स्वास्थ्य केन्द्र आंगनवाड़ी केन्द्रो में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर महिलाओं, बच्चो सहित हर वर्ग के लोगो की स्वाथ्य जांच की जा रही है। इसी कडी में पोषण माह का आयोजन भी किया जा रहा है इस वर्ष पोषण माह का यह आठवा संस्करण है जिसके तहत स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन प्रारंभ है। शिविरों में ग्रामीण महिलाओं का स्वास्थ्य परिक्षण किय गया आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गायत्री गौतम सहाकिा सरू बाई धरते, एएनएम आशा मेहरबान, आशा कार्यकर्ता तारासन चौहान, सीएचओ रश्मि बिलथरे द्वारा पोषण से संबधित जानकारी दी गई। गर्भवास्था में गर्भवती महिलाओं को कौन कौन से पोष्टिक आाहर ग्रहण करना चाहिये, बच्चो को कैसे पोषक तत्वो से युक्त पोषक आहार प्रदान किया जाये इस प्रकार से पोषक से संबधित जानकारी लोगो को दी गई। एएएनएम के द्वारा गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परिक्षण किया गया तथा उन्हे आवश्यक सलाह दी गई। इस शिविर में ग्राम के समस्म महिला एवं बच्चे, ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मैत्रेय पब्लिक स्कूल देवलगांव में किया गया वृक्षारोपण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम देवलगांव में संचालित मैत्रेय पब्लिक स्कूल देवलगावं में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग के सहयोग से किया गया। बतादे कि स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत मैत्रेय पब्लिक स्कूल के संचालक प्रशांत मेश्राम के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रमा का आयोजन किया गया। जिसमे वन परिक्षेत्र पश्चित लांजी के विशेष सहयोग से जिनमें वन कर्मी विवेक बंसोड एवं कुलदीप मण्डले तथा शाला के शिक्षक शिक्षिकांओ एवं छात्र छात्राओ के साथ शाला प्रांगण में विविध प्रकार के वृक्षो जिनमे छायादार,फुलदारर, फलदार सहित इमारती वृक्षो का रेपण कियाग या जाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। वन कर्मियो के द्वारा छात्र छात्राओं को पर्यावरण संबधी विभिन्न जानकारी तथा हमे वूक्ष क्यों लगना चाहिये एवं उसका किस प्रकार देखभाल रखरखाव करना चाहिये इस विषय पर विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यालय के संचालक प्रशांत मेश्राम के द्वारा भी हमारे जीवन में वृक्ष क्यों आवश्यक है इस विषय पर जानकारी उपलब्ध कराई जाकर शपथ दिलााई गई। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में विद्यालय के सुभाष नेवारे, सुरेन्द्र नाईक शुभम गोस्वामी, योगराज सोनटेके, भीमराव मेश्राम, श्रीमती संगीता बरई, वदना बोहने, माधुरी पटले, पोर्णिमा पटले, गीता पटले, छाया हरिनखेड़े, तुमेश्वरी ऐडे, विजेता पाठक, मुस्कान ठाकरे, वर्षा ठाकरे, प्रेमलता तिवारी तथा छात्र छात्राऐं उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम रिपोर्ट 2023 के मुताबिक नौनिहालों की जान बचाने में

मप्र फिसड्डी टॉप पर केरल, चौंकाने वाला आंकड़ा

भोपाल। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग का बजट केरल से दोगुना अधिक है। यह छत्तीसगढ़ और उड़ीसा से भी अधिक है। लेकिन नौनिहालों की जान बचाने में मध्य प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग फिसड्डी साबित हो रहा है। शून्य से 4 साल तक के बच्चों की मृत्यु के मामले में मध्य प्रदेश देश में उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर है। जबकि 4 साल तक के बच्चों की मृत्यु के मामले में छत्तीसगढ़, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल की स्थिति मध्य प्रदेश से बेहतर है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टेटिकल रिपोर्ट 2023 के अनुसार केरल में 4 साल तक के उम्र के बच्चों की मृत्यु सबसे कम दर्ज की गई। यहां 4 साल तक की उम्र के बच्चों की मृत्यु का प्रतिशत 1.3 रही है। वहीं 4 साल तक की उम्र के नौनिहालों की जान बचाने के मामले में केरल के बाद हिमाचल प्रदेश और पंजाब का नंबर आता है। दोनों राज्यों में डेथ रेट 2.3 प्रतिशत है।

भोपाल(ईएमएस) ।मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग का बजट केरल से दोगुना अधिक है। यह छत्तीसगढ़ और

उड़ीसा से भी अधिक है। लेकिन नौनिहालों की जान बचाने में मध्य प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग फिसड्डी साबित हो रहा है। शून्य से 4 साल तक के बच्चों की मृत्यु के मामले में मध्य प्रदेश देश में उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर है। जबकि 4 साल तक के बच्चों की मृत्यु के मामले में छत्तीसगढ़, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल की स्थिति मध्य प्रदेश से बेहतर है।

सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टेटिकल रिपोर्ट 2023 के अनुसार केरल में 4 साल तक के उम्र के बच्चों की मृत्यु सबसे कम दर्ज की गई। यहां 4 साल तक की उम्र के बच्चों की मृत्यु का प्रतिशत 1.3 रही है। वहीं 4 साल तक की उम्र के नौनिहालों की जान बचाने के मामले में केरल के बाद हिमाचल प्रदेश और पंजाब का नंबर आता है। दोनों राज्यों में डेथ रेट 2.3 प्रतिशत है। जबकि कर्नाटक में 3.7 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 3.8 प्रतिशत और पंजाब में 3.9 प्रतिशत बच्चों की मृत्यु 4 साल की उम्र से पहले हो जाती है।

शहरी क्षेत्रों में मृत्यु के मामले में एमपी टॉप पर

0 से 4 साल आयु के बच्चों की कुल मौतों के मामलों में भले ही मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर है, लेकिन शहरी क्षेत्रों में 4 साल तक के बच्चों के मृत्यु मामले में 10.5 प्रतिशत के साथ एमपी देश में पहले स्थान पर है। जबकि उत्तर प्रदेश दूसरे नंबर पर है। यहां शहरी क्षेत्रों में 10.1 प्रतिशत 4 साल तक के बच्चों की मृत्यु होती है। तीसरे नंबर पर राजस्थान है, यहां का डेथ रेट 9.4 प्रतिशत है। इसी तरह बिहार में 9.4 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में 7.4 प्रतिशत बच्चे 4 साल तक का जीवन भी पूरा नहीं कर पाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में डेथ के मामले में दूसरा स्थान

ग्रामीण क्षेत्रों में 4 साल की उम्र तक के बच्चों की मृत्यु के मामले में भी मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों का डेथ रेट 16.1 प्रतिशत, जबकि मध्य प्रदेश का 15.5 प्रतिशत है। राजस्थान तीसरे और चौथे स्थान पर झारखंड है। वहीं ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सबसे कम डेथ रेट के मामले में केरल देश में प्रथम स्थान पर है।

मातृ-शिशु मृत्यु दर रोकने के किए जा रहे प्रयास

इस मामले में स्वास्थ्य विभाग के आयुक्त तरुण राठी ने बताया कि मध्य प्रदेश में मातृ-शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए कई नवाचार किए जा रहे हैं। इसके लिए शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षित डाक्टरों की संख्या बढ़ाई जा रही है। समय पर रेफरल और एंबुलेंस सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। इसके लिए ब्लॉक स्तर पर समर्पित मातृ-शिशु केंद्रों की स्थापना की जा रही है। पोषण, टीकाकरण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य की सतत निगरानी की जा रही है।

सरकारी धन गबन मामलों में वित्त विभाग ने जताई नाराजगी

भोपाल। सरकारी धन के गबन और करप्शन से जुड़े मामलों में कोर्ट और विभागीय जांच के दौरान रिपोर्ट तैयार करने वाले अधिकारियों को गवाही और बयान के लिए बुलाने पर वित्त विभाग ने कड़ा एतराज जताया है। विभाग ने साफ निर्देश जारी किए हैं कि स्टेट फाइनेंसियल सेल और महालेखाकार कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों को किसी भी स्थिति में गवाह या अभियोजन साक्षी नहीं बनाया जाएगा।

वित्त विभाग के अपर सचिव रोहित सिंह ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, संचालक लोक अभियोजन, विभागाध्यक्ष, संभागायुक्त, कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को पत्र भेजकर नए निर्देश दिए हैं। स्टेट फाइनेंसियल सेल, आयुक्त कोष और लेखा कार्यालय के अधीन काम करता है। यह इंटीग्रेटेड फाइनेंसियल मैनेजमेंट इंफार्मेशन सिस्टम के जरिए बजट नियंत्रण अधिकारियों द्वारा किए गए भुगतान का डेटा एनालिसिस करता है। साथ ही, अलग-अलग कार्यालयों का आंतरिक लेखा परीक्षण (इंटरनल अकाउंट ऑडिट) भी करता है। गबन की स्थिति सामने आने पर संबंधित विभाग को ही एफआईआर और विभागीय जांच कराना होता है।

महालेखाकार को गवाह बनाने पर रोक

वित्त विभाग ने कहा है कि महालेखाकार की आडिट रिपोर्ट नियमों के अनुसार ही होती है। यदि कोई आपत्ति गलत लगती है तो उस पर सीधे महालेखाकार कार्यालय को पत्र भेजा जा सकता है। वहीं सही आपत्ति मिलने पर संबंधित विभाग को कार्रवाई करनी होगी। विभाग ने साफ कर दिया है कि एजी कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी को न्यायालय में पेश होने की आवश्यकता नहीं है। वित्त विभाग ने एमपी वित्तीय संहिता के नियम 22, 23 और 25 का हवाला देते हुए कहा है कि गबन और भ्रष्टाचार मामलों में विभागीय और कानूनी कार्यवाही, जिम्मेदारी तय करना और शासन को हुई हानि की वसूली की जिम्मेदारी संबंधित विभागाध्यक्ष की होगी।

राजधानी में पुलिस अधिकारी भी असुरक्षित

आईजी इंटेलीजेंस का मोबाइल लूट ले गए बदमाश

भोपाल। राजधानी भोपाल में लुटेरों और बदमाशों के हौंसले कितने बुलंद हो चुके हैं, इसका अंदाजा हबीबगंज थाना क्षेत्र में घटित एक लूट से हो रही है। लुटेरों ने बीती रात चार इमली के पास से ही मध्यप्रदेश के महानिरीक्षक गुप्त वार्ता (आईजी इंटेलीजेंस) का ही मोबाइल लूट ले गए। बाइक सवार लुटेरे मोबाइल लूटने के बाद चूनाभट्टी की तरफ भागे और दुर्गा नगर झुग्गी बस्ती में मोबाइल बंद कर दिया। इसके बाद से आईजी के मोबाइल की लोकेशन नहीं मिल रही है।

पुलिस के अनुसार आईजी डॉ. आशीष चार इमली में रहते हैं और खाना खाने के बाद टहल रहे थे। वह सडक़ पर चल रहे थे, तभी किसी का फोन आ गया। आईजी फोन पर बात करते हुए चल रहे थे, तभी पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और झपट्टा मारकर आईजी का मोबाइल लूट लिया और एकातं पार्क वाली सडक़ होकर चूनाभट्टी की तरफ भाग गए। घटना की सूचना के बाद हबीबगंज थाने की पुलिस के साथ भोपाल नए शहर के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। क्राइम ब्रांच की आधा दर्जन टीमें बनाई गईं और एमपी नगर, टीटी नगर, चूनाभट्टी और हबीबगंज थानों के पुलिसकर्मियों को क्राइम ब्रांच की टीमों में शामिल कर बदमाशों की तलाश के लिए नाकेबंदी भी की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार बदमाशा चूनाभट्टी और कमला नगर थाना क्षेत्र में सक्रिय रहते हैं। पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर रही है, लेकिन अभी तक लुटेरों का कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। घटना रात करीब ग्यारह बजे के करीब की बताई जा रही है।

आईजी इंटेलीजेंस के पास पूरे प्रदेश के कानून-व्यवस्था की निगरानी के साथ जिलों में होने वाली छोटी-बड़ी अपराधिक घटनाओं के साथ उपद्रव, हिंसा और अन्य मामलों को लेकर इनपुट लेकर राज्य सरकार तक पहुंचाना होता है। कांग्रेस ने आईजी इंटेलीजेंस के साथ हुई लूट को लेकर मध्यप्रदेश सरकार को घेरते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

मप्र हाई कोर्ट में एमपीपीएससी की दलीलें फेल

मैन एग्जाम के लिए कैंडिडेंट्स की सहमति आवश्यक

भोपाल। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष एमपीपीएससी मुख्य परीक्षा-2025 के मामले की सुनवाई हुई। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की तरफ से हाई कोर्ट में मुख्य परीक्षा का शेड्यूल पेश कर मंजूरी प्रदान करने का आग्रह किया गया। इस पर हाई कोर्ट ने दूसरे पक्ष की सहमति के बिना मंजूरी प्रदान करने से इंकार कर दिया। याचिका पर अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को निर्धारित की गयी है।

मामले के अनुसार आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों भोपाल निवासी सुनीत यादव, नरसिंहपुर निवासी पंकज जाटव व बैतूल निवासी रोहित कावड़े की ओर से याचिका दायर की गई है। इसमें कहा गया है एमपीपीएससी द्वारा कुल 158 पदों की भर्ती हेतु प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम 05 मार्च को घोषित किए गए। लेकिन परिणाम में वर्गवार कटऑफ अंक जारी नहीं किए गए, जबकि पूर्व की सभी परीक्षाओं में वर्गवार कटऑफ अंक जारी किए जाते रहे हैं।

याचिकाकर्ताओं ने ये तर्क दिए

याचिकाकर्ताओं की ओर से तर्क दिया गया सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट के विभिन्न फैसलों को बायपास करते हुए आयोग ने अनारक्षित पदों के विरुद्ध आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा हेतु चयनित नहीं किया। समस्त अनारक्षित पद सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित कर प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया गया। आयोग ने अपनी इस असंवैधानिक त्रुटि को छुपाने के उद्देश्य से 2025 के प्रारंभिक परीक्षा में कटऑफ मार्क्स भी जारी नहीं किए।

पिछली सुनवाई में राज्य शासन ने मांगी थी मोहलत

याचिका में ये भी कहा गया नियमानुसार प्रत्येक चरण की परीक्षा में वर्गवार कटऑफ अंक जारी किए जाने का प्रावधान है। इसके चलते याचिकाकर्ताओं को मुख्य परीक्षा में चयन से वंचित कर दिया गया है। विगत 21 जुलाई को सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से जवाब के लिए समय मांगा गया था। शासन और आयोग की ओर से मुख्य परीक्षा-2025 पर लगा स्थगन हटाने की भी मांग की गई थी। इस पर हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि परीक्षा पर स्थगन नहीं है।

संविदा और आउटसोर्स कर्मचारी से 8 घंटे से ज्यादा काम नहीं

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के श्रम आयुक्त ने सभी विभाग के प्रमुखों को आदेश जारी किए हैं। जिसमें उल्लेखित किया गया है, किसी भी विभाग में जो भी संविदा कर्मचारियों तथा आउटसोर्स कर्मचारी काम कर रहे हैं। उनसे 8 घंटे से ज्यादा काम नहीं लिया जा सकता है। निर्देश में न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 भुगतान अधिनियम 1936, और संविदा अधिनियम 1970 का हवाला दिया गया है। श्रम आयुक्त ने सभी विभाग के प्रमुखों से 5 तारीख तक आउटसोर्स और संविदा कर्मचारियों की रिपोर्ट मांगी है। श्रम विभाग को कई शिकायतें प्राप्त हुई थी। जिसमें कहा गया था, संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों से लगातार कई घंटे काम लिया जा रहा है। उन्हें अवकाश भी नहीं दिया जा रहा है। उन्हें अर्जित अवकाश की पात्रता नहीं दी जा रही है। श्रम आयुक्त के इस आदेश के बाद स्पष्ट हो गया है, संविदा और आउटसोर्स कर्मचारी से 8 घंटे से ज्यादा की ड्यूटी नहीं कराई जा सकती है।

गो मांस पर 0 फ़ीसदी जीएसटी पर बवाल

भोपाल । जीएसटी 2.0 का नोटिफिकेशन जारी हो गया है। इस नोटिफिकेशन में गौ मांस को जीरो फ़ीसदी की श्रेणी में रखा गया है। इसके बाद मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बवाल मचा हुआ है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया है। केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार है। डबल इंजन की सरकार होते हुए गो मांस को जीएसटी से मुक्त किया गया है। डबल इंजन की सरकार गौ मांस को बढ़ावा दे रही है। कांग्रेस ने आपत्ति जताते हुए कहा कि वह किसी भी कीमत पर गोवंश को नहीं कटने देंगे। गो मांस के निर्यात का भी विरोध करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि 26 और 27 सितंबर को पूरे राज्य में कांग्रेस आंदोलन करेगी। सड़क पर मौजूद गौ माता को घेर कर कलेक्टर कार्यालय तक ले जाएगी। वहां गायों के पुनर्वास की मांग की जाएगी।

जीएसटी 2.0 में गोवंश को जीएसटी से मुक्त करने पर कांग्रेस के हाथ में एक ऐसा मुद्दा लग गया है। जिससे वह भावात्मक रूप से भाजपा की डबल इंजन की सरकार को घेरने का मौका कांग्रेस को मिल गया है। कांग्रेस के आंदोलन की धमकी से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा, गौ मांस का विक्रय करना मध्यप्रदेश में प्रतिबंधित है।

100 एकड़ जमीन पर अधिकारियों ने की अवैध रजिस्ट्री

शहडोल में सरकारी जमीन का बड़ा घोटाला; कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

भोपाल। शहडोल जिले के ब्यौहारी तहसील के खड़हुली गांव में सरकारी जमीन के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। कांग्रेस नेता कुंवर सिंह ने ईओडब्ल्यू रीवा में इसकी शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत में पूर्व कलेक्टर वंदना वैद्य, तत्कालीन एसडीएम नरेंद्र सिंह धुर्वे और नायब तहसीलदार अमित मिश्रा पर आरोप लगाया गया है। इन अधिकारियों ने मिलकर सरकारी जमीनों को अवैध तरीके से निजी व्यक्तियों के नाम करवाया। यह घोटाला 100 एकड़ से अधिक जमीन का है। इस जमीन की कीमत करीब 200 करोड़ रुपए आंकी गई है।

जिला प्रशासन ने की जमीन की जांच

जिला प्रशासन की जांच में पता चला है कि पटवारी राजेंद्र द्विवेदी और प्रदीप तिवारी ने अपने रिश्तेदारों के नाम जमीन की रजिस्ट्री कर दी। इनमें लक्ष्मी रेशमा तिवारी, पूर्णिमा तिवारी, संदीप तिवारी, दिवाकर सिंह तिवारी और राजकली तिवारी शामिल हैं। मध्यप्रदेश भूमि राजस्व संहिता के मुताबिक सरकारी जमीन का हस्तांतरण सिर्फ विशेष स्थितियों में किया जा सकता है। यह अनुसूचित जाति, जनजाति और भूमिहीन लोगों के लिए है। लेकिन इस मामले में नियमों की अनदेखी कर निजी फायदे के लिए जमीन का हस्तांतरण किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार खड़हुली गांव की करीब 20 खसरा नंबरों की जमीनों में हेराफेरी की गई। 1983-84 के पुराने खसरे दिखाकर दस्तावेजों में गड़बड़ी की गई। इसके बाद इन जमीनों की रजिस्ट्री कर दी गई। अब इन जमीनों को छोटे-छोटे टुकड़ों में बेचा जा रहा है। कलेक्टर केदार सिंह ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

शिवराज, हेमंत की मुलाकात ने बढ़ाया सियासी पारा, निगम-मंडलों में नियुक्ति को लेकर चर्चा

भोपाल। भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष की नुियक्ति के बाद से पार्टी के नेताओं को निगम-मंडलों में नियुकित का इंतजार है इसको लेकर कई बार कयास भी लगाए जा चुके है। कि जल्द ही निगम-मंडलों में राजनीतिक नियुक्तियां की जा सकती है। इस बात को मंगलवार को उस समय और बल मिला जब केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात की । शिवराज और हेमंत की इस मुलाकत को लेकर राजनीतिक सरगर्मिया बढ़ गई है। सूत्रों के अनुसार दोनों नेताओं के बीच प्रदेश के निंगम-मंडलों में नियुक्ति को लेकर ाी चर्चा की गई है। प्रदेश भाजपा की कार्यकारिणी की घोषणा दशहरे के बाद कभी भी हो सकती है । इसके बाद निगम-मंडलों में नियुक्तियां की जाएगी। इसके लिए कई नेता पिछले दो वर्षो से इंतजार भी कर रहे है। कांग्रेस से भाजपा में आए कई नेता तो इसी आस में बैठे है। इसके लिए वह कई बार भोपाल से लेकर दिल्ली तक अपने आकाओं की चौखट पर दस्तक भी दे चुके हे। मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष से केन्द्रीय मंत्री की मुलाकात ने इस बात को बल दिया हे कि जल्द ही यह राजनीतिक नियुक्तियों की जा सकती है। इसके अलावा प्रदेश कार्यसमिति में शिवराज अपने लोगों को एडजस्ट कराने में लगे हे। शिवराज भले ही केन्द्र में मंत्री बन गए है लेकिन प्रदेश की राजनीति में इनका प्रभाव पहले जैसा ही है। इसलिए प्रदेश संगठन और निगम-मंडलों में नियुक्ति को लेकर उनसे रायशुमारी की जा रही है। प्रदेश कार्यालय के बंद कमरे में दोनों नेताओं की मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। हालांकि प्रदेश अध्यक्ष इस मुलाकात को सेवा पखवाडे से जोडक़र बता रहे है।

विकास योजनाओं को रफ्तार देने पर फोकस

आगामी एक साल के लिए हो रही अफसरों की जमावट

भोपाल। मप्र में शासन-प्रशासन का फोकस सुशासन और विकास पर है। विकास योजनाओं को अमलीजामा पहनाने और उन्हें रफ्तार देने के लिए आगामी एक साल के लिए अफसरों की जमावट की जा रही है। दरअसल, एक साल का एक्सटेंशन मिलने के बाद मुख्य सचिव अनुराग जैन की कोशिश है कि इस दौरान विकास की गति को बढ़ाया जाए, ताकि योजनाओं-परियोजनाओं को समय सीमा में पूरा किया जा सके। इसके लिए अफसरों को उनकी योग्यता के अनुसार पदस्थापना दी जा रही है।

दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा एक वर्ष का एक्सटेंशन दिए जाने के बाद सीएस अनुराग जैन अब आने वाले दिनों में मप्र में प्रशासन को स्थिरता देने में लगे हुए हैं। इसके लिए वे अफसरों की नए सिरे से जिम्मेदारी दे रहे हैं। अनुराग जैन को एक्सटेंशन मिलने के बाद 32 आईएएस अधिकारियों की 2 अलग-अलग तबादला सूची जारी की जा चुकी हैं। दोनों तबादला आदेश एक सप्ताह के अंतराल (8 सितंबर और 15 सितंबर) से जारी हुए। दोनों आदेशों में सचिव, अपर सचिव और उप सचिव रैंक के अधिकारियों की नई पदस्थापना की गई। साथ ही 5 जिलों के कलेक्टर और 11 जिला पंचायत सीईओ भी बदले गए। आने वाले दिनों में और आईएएस अधिकारियों की नई पदस्थापना की जाएगी।

एक और सूची पर मंथन

माना जा रहा है कि आगामी प्रशासनिक फेरदबल में अपर मुख्य सचिव (एसीएस), प्रमुख सचिव (पीएस) और कलेक्टरों के तबादले होंगे। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव कार्यालय के बीच तबादला सूची पर मंथन चल रहा है। मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि तीन साल बाद होने जा रहे विधानसभा चुनाव को देखते हुए सरकार विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की गति को और तेज करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। ऐसे में वह नहीं चाहती की अधिकारियों की बार-बार नई पदस्थापना से प्रशासनिक अस्थिरता आए और कामकाज प्रभावित हो। इसलिए अब महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर ऐसे अधिकारियों की पदस्थापना की जाएगी, जो सरकार की उम्मीद के अनुसार परिणाम दे सकें। ऐसे ही लंबे समय से जिलों में पदस्थ और नॉन परफॉर्मर कलेक्टरों को फील्ड से हटाकर 2016 बैच के बचे हुए आईएएस और 2017 बैच के आईएएस अफसरों को कलेक्टर के पद पर पदस्थ किया जाएगा। वर्तमान में मप्र कैडर के एसीएस और पीएस रैंक के 16 अधिकारी केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं।

अतिरिक्त प्रभार से मिलेगी मुक्ति

प्रदेश में आईएएस अफसरों की कमी के कारण कई एसीएस और पीएस के पास मूल विभाग के साथ अन्य विभागों का अतिरिक्त प्रभार भी है। सरकार बड़े विभाग संभाल रहे एसीएस और पीएस से अतिरिक्त प्रभार वापस ले सकती है। एसीएस डॉ. राजेश राजौरा के पास जल संसाधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार, एसीएस अशोक बर्णवाल के पास कृषि उत्पादन आयुक्त, एसीएस संजय दुबे के पास साइंस एवं टेक्नोलॉजी और एसीएस मुख्यमंत्री नीरज मंडलोई के पास लोक सेवा प्रबंधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार है। इसके अलावा एसीएस अनुपम राजन के पास संसदीय कार्य व उद्यानिकी विभाग का अतिरिक्त प्रभार, एसीएस संजय शुक्ला के पास योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी व विमानन एवं चेयरमैन कर्मचारी चयन मंडल, एसीएस रश्मि अरुण शमी के पास आयुक्त मप्र भवन नई दिल्ली का अतिरिक्त प्रभार, एसीएस दीपाली रस्तोगी के पास विकास आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार, एसीएस शिव शिव शेखर शुक्ला के पास गृह व धर्मस्व विभाग, पीएस उमाकांत उमराव के गौपालन विभाग, पीएस डीपी आहुजा के पास आयुष विभाग, पीएस अमित राठौर के पास कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग, पीएस राघवेंद्र कुमार सिंह के पास आनंद विभाग का अतिरिक्त प्रभार, पीएस विवेक पोरवाल के पास आयुक्त राहत एवं पुनर्वास और पीएस संदीप यादव के पास आयुक्त खाद्य सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार है।

कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस की तैयारियां तेज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दशहरा के बाद यानी अक्टूबर में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस बुलाने के निर्देश दिए हैं। इक्कीस महीने पुरानी मप्र की भाजपा सरकार अपने कामकाज की समीक्षा करेगी। यह दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस भोपाल में होगी। इस कॉन्फ्रेंस में आगामी वर्षों की कार्ययोजना और विजन डॉक्युमेंट पर चर्चा होगी। कॉन्फ्रेंस में कलेक्टरों की परफॉरमेंस रिपोर्ट पेश की जाएगी। कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री मैदानी अधिकारियों को आने वाले वर्षों में सरकार के विजन को लेकर जरूरी निर्देश देंगे। साथ ही जिलों में किए गए अभिनव कार्यों पर एक प्रस्तुतिकरण भी दिया जाएगा, ताकि अन्य जिले भी इसे अपना सकें। इसमें सभी कमिश्नर, कलेक्टर, आईजी और पुलिस अधीक्षक शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और कलेक्टरों ने कॉन्फ्रेंस की तैयारियां तेज कर दी हैं।

रेलवे ने नवरात्रि पर श्रद्धालुओं को दिया तोहफा

भोपाल। नवरात्र के दौरान उपवास रखकर ट्रेनों में सफर कर रहे यात्रियों की सुविधा के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ने फलाहारी मैन्यू की शुरुआत की है। रेलवे ने यात्रियों के लिए सात्विक भोजन और फलाहारी भोजन की सुविधा शुरू कर दी है। सात्विक आहार के मैन्यू में साबूदाने से लेकर सेंधा नमक जैसी चीजें शामिल की हैं। जीरा आलू, आलू की टिक्की, साबूदाना की खिचड़ी, साबूदाना बड़ा, मलाई बर्फी, लस्सी, सूखे मखाने, व्रत में खाई जाने वाली सब्जियां, मूंगफली नमकीन और सादा दही को शामिल किया गया है। इसके लिए आईआरसीटीसी की ई-कैटरिंग वेबसाइट या ऐप पर बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यहां ऑनलाइन पेमेंट या पे ऑन डिलीवरी दोनों ही विकल्प हैं। ऑर्डर करने पर संबंधित स्टेशन पर यात्री को अपनी बर्थ पर ही खाना मिल जाएगा। इन सात्विक थालियों की कीमत 100 से 200 रुपये के बीच है।

मिलेगी एक लीटर रेल नीर की बोतल

भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन से ग्वालियर होते हुए हजरत निजामुद्दीन जाने वाली वंदे भारत, खजुराहो वंदे भारत सहित अब सभी वंदे भारत ट्रेनों में यात्रियों को फिर से एक लीटर रेल नीर उपलब्ध कराया जाएगा। इससे पहले ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों को 500 मिली रेल नीर की बोतल दी जाती थी। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे को निर्देश जारी किए हैं कि यात्रियों को एक लीटर रेल नीर की बोतल उपलब्ध कराई जाए।

112 पर बांग्लादेश के आठ विकेट गिरे, सैफ हसन और नसुम अहमद क्रीज पर; भारत जीत के करीब

दुबई । सैफ हसन ने अपना अर्धशतक पूरा कर लिया है। वहीं, जाकिर अली रनआउट हो गए। फिलहाल सैफुद्दीन और सैफ क्रीज पर हैं। बांग्लादेश ने पांच विकेट पर 103 रन बना लिए हैं। बांग्लादेश को दूसरा झटका कुलदीप यादव ने पारी के सातवें ओवर में दिया। उन्होंने परवेज हुसैन इमोन को अभिषेक शर्मा के हाथों कैच कराया। वह 19 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए। अब सैफ हसन का साथ देने तौहीद हृदोय आए हैं। बांग्लादेश को पहला झटका पारी के दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर लगा। जसप्रीत बुमराह ने शिवम दुबे के हाथों तंजीद हसन को कैच आउट कराया। वह सिर्फ एक रन बना पाए। अब सैफ हसन का साथ देने परवेज हुसैन इमोन आए हैं।

भारत ने बांग्लादेश के सामने 169 रनों का लक्ष्य रखा है। टॉस जीतकर बांग्लादेश के कप्तान जाकिर अली ने भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 77 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद भारत का बल्लेबाजी क्रम कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाया। अभिषेक 37 गेंदों में 75 रन बनाकर आउट हुए और गिल 29 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं, हार्दिक पांड्या ने 29 गेंदों में 38 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए रिशाद हुसैन ने दो विकेट लिए जबकि तंजीह हसन साकिब, मुस्तफिजुर रहमान और मोहम्मद सैफुद्दीन को एक-एक सफलता मिली।

सूर्यकुमार के बयान पर बोले, शाहीन फाइनल में देखेंगे

दुबई। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप फाइनल होने की संभावनाएं बन रही हैं। इसी को देखते हुए पाकिस्तान टीम के मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को चुनौती देते हुए फाइनल में देख लेने की बात कही है। भारतीय टीम ने अब तक इस टूर्नोमेंट में दो बार पाक को आसानी से हराया है। इसी के बाद भारतीय टीम के कप्तान सूर्या ने कहा था कि अब दोनो टीमों के बीच प्रतिद्वंद्विता जैसी कोई बात नहीं रहे। भारतीय टीम एकतरफा अंदाज में जीतती है, इसलिए वह पाक टीम के खिलाफ मैच को अन्य टीमों की तरह ही लेते हैं। साथ ही कहा कि उनकी टीम का ध्यान एशिया कप जीतने पर है।

वहीं शाहीन ने सूर्यकुमार के बयान पर कहा, "यह उसका अपना विचार है, उसे कहने दीजिए। जब ??हम रविवार को संभावित एशिया कप फाइनल में मिलेंगे तो देखेंगे कि क्या है, क्या नहीं। तब देख लेंगे। हम एशिया कप जीतने आए हैं और इसके लिए हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे।"

सूर्यकुमार ने कहा था कि किसी प्रतिद्वंद्विता को वास्तविक मानने के लिए परिणामों का अंतर 12-3 नहीं होना चाहिए जो फिलहाल टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबालों में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत हार का रिकॉर्ड है। मौजूदा टूर्नामेंट में दोनों टीमों के बीच दो बार मुकाबला हुआ है और दोनों की मौकों पर भारत ने आसान जीत दर्ज की।

गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले शाहीन ने कहा कि उनकी टीम की योजना शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाने की है। नशाहीन ने कहा, "बांग्लादेश एक अच्छी टीम है और उसने पिछले कुछ समय में अच्छा क्रिकेट खेला है। हमें उनके खिलाफ पहले हमला करना होगा, हमें अच्छा क्रिकेट खेलना होगा।"

इंग्लैड की महिला क्रिकेटर फेया डेविस अब वकालत करती दिखेंगी

लंदन। इंग्लैड की महिला क्रिकेटर फ्रेया डेविस अब वकालत करेंगी। फ्रेया ने 29 साल की उम्र में ही क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। ऐसे में अब उनका पेशा बदल रहा है। वह पेशेवर क्रिकेटर की जगह पर वकील बन गयी हैं। फ्रेया ने ये फैसला इसलिए किया है, क्योंकि अब वह वकालत की दुनिया में नाम कमाना चाहती हैं। वह ट्रेनी सॉलिसिटर के रूप में नय करियर शुरू कर रही हैं। इस खिलाड़ी ने अपना अंतिम मुकाबला हैंपशायर की टी की ओर से लंकाशायर के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप का फाइनल खेला था। उस मैच में फ्रेया नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों में 41 रन बनाये थे। इसके अलावा 9.3 ओवर में 38 रन देकर फ्रेया ने एक विकेट भी लिया था हालांकि वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पायीं। फ्रेया ने ससेक्स के लिए डेब्यू किया था। फ्रेया ने इंग्लैंड के लिए टी20 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय भी खेले हैं पर वह टेस्ट प्रारुप में जगह नहीं बना पायीं

फ्रेया को 35 अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव है। करीब 15 साल तक उन्होंने क्रिकेट खेला, लेकिन अब वह अदालत में बहस करती हुई दिखेंगी। साल 2019 के बाद से 2023 तक 9 एकदिवसीय और 26 टी20 मैच खेलने वालीं फ्रेया डेविस ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 23 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 विकेट लिए थे।

अभिषेक 900 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने

दुबई । एशिया कप क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित करने वाले भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को आईसीसी टी20 रैंकिंग में 23 अंकों का लाभ हुआ है। एशिया कप 2025 में ओमान के खिलाफ 38 और पाकिस्तान के खिलाफ 74 रनों की पारी खेलने के बाद उनकी रेटिंग 907 पहुंच गई है। इसी के साथ ही अभिषेक 900 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली के बाद तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने हैं। सबसे अधिक रेटिंग अंक इंग्लैंड के डेविड मलान के नाम 919 हैं। वहीं दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं उनके 912 जबकि विराट कोहली के 909 रेंटिंग अंक हैं। इसके बाद 907 रेटिंग अंक के साथ ही अभिषेक चौथे स्थान पर हैं।

वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती जबकि ऑलराउंडरों में हार्दिक पांड्या शीर्ष पर बरकार हैं।

भारतीय बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा के अलावा तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव को 1-1 स्थान का फायदा हुआ है। तिलक तीसरे जबकि सूर्यकुमार छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 31 स्थान के लाभ के साथ ही 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाक के ही हुसैन तलत को श्रीलंका के खिलाफ अच्छी पारी खेलने के कारण लाभ मिला है। वह 1474 पायदान की लंबी छलांग लगाकर संयुक्त 234वें स्थान पर पहुंच गए हैं।पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद ने गेंदबाजों की रैंकिंग में 12 पायदानों की लंबी छलांग लगाकर सीधा चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं भारत के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 747 की रेटिंग के साथ पहले पायदान पर बने हुए हैं। इनके अलावा श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा एक पायदान ऊपर 6ठे जबकि बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान 6 पायदान की छलांग लगाकर 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

टी0 ऑलराउंडरों की रैंकिंग में पांड्या रेटिंग 238 अंक के साथ ही पहले स्थान पर बने हुए हैं। यहां श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड को 1-1 पायदान का फायदा हुआ है, वह 7वें और 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

हार से निराश श्रीलंकाई कप्तान बोले, लगातार दो विकेट गिरने से मैच हमारे हाथ से फिसला

अबू धाबी । एशिया कप के दूसरे सुपर फोर मैच में पाकिस्तान से मिली हार के बाद श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान चरिथ असलांका ने निराशा जतायी है। इस हार से श्रीलंकाई टीम फाइनल की रेस से तकरीबन बाहर हो गयी है। इस मैच में उसे पाक के हाथों पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पहले सुपर फोर में उसे बांग्लादेश ने हराया था। असलांका ने माना है कि बल्लेबाजी के दौरान आठवें ओवर में दो बल्लेबाजों के आउट होने से मुकाबला उनकी टीम के हाथ से निकल गया था। असलांका स्वयं उस ओवर में आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वहीं उनके बाद अगली गेंद पर ही दासुन शनाका भी पेवेलियन लौट गये। इससे श्रीलंकाई टीम श्रीलंका 133 रन ही बना पायी।

असलांका ने कहा, हमारे सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत नहीं दिला पाये। पावरप्ले के अंत तक हमारे पास केवल 53 रन थे। हमने तीन विकेट गंवा दिए थे पर हम तब भी अच्छी स्थिति में थे, क्योंकि पावरप्ले में इतने रन बनाना आसान नहीं होता पर मैं और दासुन लगातार गेंदों पर आउट हो गए और यही वह समय था जब सबसे अधिक नुकसान हुआ।

उन्होंने आगे कहा, जब हम आउट हुए, तब न तो दासुन और न ही मैं बड़े शॉट लगाने के प्रयास कर रहे थे। । हालांकि टीम की खराब बल्लेबाजी के लिए हम इस प्रकार का बहाना नहीं बना सकते। हमें जिम्मेदारी लेनी ही होगी। इस मैच में कामिंदु मेंडिस ने 44 गेंदों पर 50 रन बनाकर टीम को कुछ सम्मानजनक बनाया।

उन्होंने आगे कहा, हमने अपनी पारी के पहले भाग में पांच विकेट गंवा दिए थे, और ऐसे में वापसी करना काफी कठिन होता है। कामिंदु और अन्य खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रयासा किया पर वानिन्दु के आउट होने से टीम का और अधिक रन बनाने का सपना टूट गया।

कप्तान ने कहा, हमने अब तक एक अतिरिक्त गेंदबाज के साथ उतरकर देखा है पर तब हमें एक विशेषज्ञ बल्लेबाज की कमी खली जिससे टीम रनों के मामले में पीछे रह गयी। कई बार हमने एक अतिरिक्त बल्लेबाज के साथ खेला है पर तब हम कम गेंदबाज होने से कोर का बचाव नहीं कर पाए। ऐसे में अब हमें सीखना होगा कि र पार्ट-टाइम गेंदबाजों का बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जाए। इसमें हमें सुधार करने की जरूरत है।पाक के खिलाफ मुकाबले में श्रीलंका ने इस मुकाबले के लिए अपने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने और कामिल मिशारा को बाहर करके करुणारत्ने को उतारा था।

भारत-पाक के बीच हो सकता है एशिया कप फाइनल

दुबई। एशिया कप क्रिकेट 2025 के फाइनल में एक बार फिर भारत और पाकिस्तान टीमों के आमने-सामने होने की संभावनाएं हैं। इस टूर्नामेंट में अब खिताबी मुकाबले की दौड़ में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीम रह गयी है। वहीं दूसरे सुपर फोर में पाकिस्तान से मिली हार के बाद श्रीलंकाई टीम खिताबी दौड़ से तकरीबन बाहर हो गयी है। अभी तक भारत और बांग्लादेश ने सुपर-4 में 1-1 मैच जीता है। भारतीय टीम ने सुपरफोर में पाकिस्तान को हराकर ना सिर्फ 2 अंक कमाए, बल्कि +0.689 का नेट रन रेट भी हासिल किया। सलमान आगा की अगुवाई वाली पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने सुपर-4 में दो मैच खेल लिए हैं। भारत के खिलाफ उन्हें हार का सामना करना पड़ा, वहीं श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 5 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। पाकिस्तान को अगर फाइनल में पहुंचना है तो उन्हें अपने तीसरे मैच में बांग्लादेश को किसी भी हाल में हराना होगा।

कार्तिक हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, अश्विन भी खेलेंगे

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक को नवंबर में होने वाले हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिये टीम इंडिया का कप्तान बनाया गया है। इस टूर्नोमेंट में पूर्व स्पिनर आर अश्विन भी खेलते हुए दिखेंगे। यह टूर्नामेंट सात नवंबर से शुरु होगा। कार्तिक ने कहा , "हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। इसमें मुझे कई अच्छे खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलेगा, इसलिए में इसमें खेलने को लेकर उत्साहित हूं। इसमें हमारा लक्ष्य निडर होकर खेलना रहेगा।"

वहीं हाल में आईपीएल को अलविदा कहने वाले अश्विन भी इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। संन्यास के बाद ही उन्होंने विदेशी लीग में संभावनाएं तलाशने की बात कह दी थी। ऐसे में हांगकांग सिक्सेज में खेलने को लेकर अश्विन भी काफी उत्साहत हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था कि यह बेहद रोमांचक साबित होगा, जिसमें वह अपने पूर्व साथियों के साथ खेलने को लेकर उत्सुक हैं।

अश्विन और कार्तिक के खेलने को लेकर क्रिकेट हांगकांग चाइना के अध्यक्ष बुर्जी श्रॉफ भी उत्साहित हैं। श्रॉफ ने कहा , " कार्तिक को हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिये टीम इंडिया का कप्तान बनाकर हमें खुशी हो रही है। उनकी कप्तानी और अपार अनुभव टीम के काफी काम आयेगा और हमें भरोसा है कि उनकी मौजूदगी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनेगी।"

कमाई कम होने और अवसर नहीं मिलने से डिकॉक ने बदला फैसला

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर क्विंटन डिकॉक के एकदिवसीय क्रिकेट में संन्यास से वापसी का राज सामने आया है। इसके दो कारण सामने आये हैं। एक कारण संन्यास के बाद उम्मीद से कम कमाई होना और दूसरा टी20 में खेलने के पर्याप्त अवसर नहीं मिलना है। डिकॉक ने दो साल पहले खेल से संन्यास ले लिया था तब उनकी नजरें विदेशी लीग में मोटी कमाई पर थीं पर उन्हें अधिक लाभ नहीं मिला। इसी कारण उन्हें वापसी करनी पड़ी है। डिकॉक ने साल 2021 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद से ही वह एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय में सक्रिय थे पर 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के बाद उन्होंने एकदिवसीय प्रारूप को भी अलविदा कह दिया था। वह दुनिया की अलग-अलग टी20 लीग्स में खेलना चाहते थे और दक्षिण अफ्रीका के लिए सिर्फ टी20 क्रिकेट खेलने वाले थे पर एकदिवसीय से संन्यास के बाद उन्हें टी20 टीम से भी बाहर कर दिया गया था। उन्होंने अपना अंतिम टी20 मैच दक्षिण अफ्रीका के लिए टी20 विश्व कप 2024 में खेला था। डिकॉक को दक्षिण अफ्रीका की टीम में अधिक अवसर मौके नहीं मिल पा रहे थे। एक साल से ज्यादा समय से वे टी20 टीम से भी बाहर थे। डिकॉक के टीम में लौटने का दूसरा कारण ये भी है कि उनको रिटायरमेंट के बाद टी20 लीग में उतना पैसा नहीं मिल रहा, जितना उनको तब मिलता था जब वे देश के लिए खेलते थे।

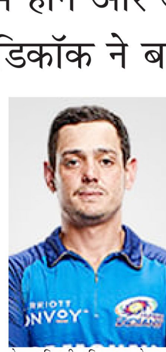

बैलोन डीओर पुरस्कार पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के फॉरवर्ड ओस्मान डेम्बेले ने जीता

पेरिस । फुटबॉल के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक, बैलोन डीओर पुरस्कार के लिए पेरिस में एक शानदार समारोह आयोजित किया गया था। इस साल का बैलोन डीओर पुरस्कार पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के फॉरवर्ड ओस्मान डेम्बेले ने जीता। यह उनके करियर का पहला बैलोन डीओर है।

इस पुरस्कार की दौड़ में दूसरे स्थान पर बार्सिलोना के युवा खिलाड़ी लामिन यामल रहे, जो सिर्फ 18 साल के हैं। हालाँकि वह यह पुरस्कार नहीं जीत सके, लेकिन उन्होंने इस बात को एक चुनौती के रूप में लिया और सोशल मीडिया पर लिखा कि वह शीर्ष पर पहुंचने के लिए इंतज़ार करने को तैयार हैं। यामल ने लगातार दूसरे साल के लिए कोपा ट्रॉफी जीती, जो सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी को दी जाती है। उन्होंने डेम्बेले को उनकी जीत के लिए बधाई भी दी। ओस्मान डेम्बेले यह पुरस्कार जीतने वाले छठे फ्रांसीसी खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले सीज़न में पीएसजी को यूईएफए चैंपियंस लीग, लीग 1 और फ्रेंच कप जैसे महत्वपूर्ण खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने 35 गोल किए और 16 असिस्ट भी दिए।

इसके अलावा, समारोह में और भी कई पुरस्कार दिए गए- सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्लब का पुरुस्कार पीजीएस को मिला, सर्वश्रेष्ठ पुरुष कोच को पुरुस्कार लुइस एनरिक (पीएसजी) और सर्वश्रेष्ठ पुरुष गोलकीपर का पुरुस्कार जियानलुइगी डोनारुम्मा (पीएसजी) शीर्ष स्कोरर का पुरुस्कार विक्टर ग्योकेरेस को दिया गया।

ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस महिला एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट से बाहर हुई, हीथर शामिल

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस चोटिल होने के कारण इस माह के अंत में शुरु हो रहे महिला एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट से बाहर हो गयी हैं। इस चोट से ग्रेस का विश्वकप खेलने का सपना फिर टूट गया है। वह फिट नहीं होने के कारण पिछला विश्वकप भी नहीं खेल पायीं थीं। विश्व कप के मुकाबले 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में खेले जाएंगे। भारत के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में खेलते समय ग्रेस की पिंडली में खिंचाव आ गया था। हैरिस निचले क्रम में अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। उनका टी20 में स्ट्राइक रेट 155.52 का है और वे एक बेहतरीन ऑफ-स्पिनर भी हैं, जिन्होंने 21 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं। ग्रेस ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। मार्च 2024 के बाद से ही ऑस्ट्रेलिया के लिए कोई भी एकदिवसीय मैच नहीं खेलने के बाद भी ग्रेस का प्रदर्शन सीमित ओवरों में शानदार रहा है। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है। ग्रेस की जगह पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हीथर ग्राहम को शामिल किया है। वह वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती दो महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग मैचों के बाद भारत में टीम से जुड़ेंगी। ग्राहम एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं, जिन्होंने अब तक 6 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए 9 विकेट लिए हैं। इंग्लिश घरेलू लीग में भी इस ऑलराउंडर का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

टीम इस प्रकार है-

एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

सैमसन की जगह राहुल होता तो मैच पांच ओवर पहले ही खत्म हो जाता - अख्तर

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है भारतीय टीम में अगर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन नहीं होते तो पाक टीम सुपर फोर मुकाबले में और भी जल्दी हार जाती। अख्तर ने एक शो में कहा , अगर इस टीम में केएल राहुल होते तो हमारी और खराब हार होती। उन्होंने कहा कि सैमसन की जगह केएल राहुल को होना था। अगर वह होता तो एक से बढ़कर एक शॉट लगाता। अगर राहुल होता तो ये मैच पांच ओवर पहले ही समाप्त हो जाता।

एशिया कप के सुपर 4 मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया था। पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाए थे। वहीं भारतीय टीम ने एक ओवर पहले ही चार विकेट के नुकसान पर ये लक्ष्य हासिल कर लिया था। भारतीय टीम की ओर से अभिषेक शर्मा ने 39 गेंद में 74 और शुभमन गिल ने 28 गेंद में 47 रन बनाये जबकि तिलक वर्मा ने 19 गेंदों में 30 रन बनाये। वहीं संजू सैमसन 17 गेंदों में केवल 13 रन ही बना पाये थे। वहीं इससे पहले ग्रुप स्तर के मुकाबले में भी भारतीय टीम ने पाक को एकतरफा मुकाबले में 7 विकेट से हराया था।

सिद्धू ने अभिषेक और शुभमन की जमकर प्रशंसा की

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने नवजोत सिंह सिद्धू ने एशिया कप में आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। शुभमन और अभिषेक ने लीग और सुपर फोर के मैच में पाकिस्तान के गेंदबाजों को जमकर पीटा था। सुपर फोर में इन दोनो ने 9.5 ओवर में ही शतकीय साझेदारी कर ली थी।

सिद्धू के अनसार अभिषेक बेहद प्रतिभाशाली है और उसमें सभी प्रारुपों में पारी की शुरुआत की क्षमता और जुनून है। इसलिए उसे सभी प्रारुपों में जगह देनी चाहिये। अभिषेक ने अभी तक एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। सिद्धू का मानना ??है कि अभिषेक जिस प्रकार से निडर होने बल्लेबाजी करते हैं। उससे वह पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की तरह विरोधी टीम के दिल में खौफ पैदा कर रहे हैं। सिद्धू ने एक वीडियो में कहा, मैं अभिषेक और शुभमन की जोड़ी को सभी प्रारुपों में खेलते देखना चाहता हूं। अभिषेक को हर प्रारुप में खेलने के लिए तैयार किया जाना चाहिए क्योंकि अगर आप उन्हें सभी प्रारुपों में खिलाएंगे तो एक और सहवाग पैदा हो जाएगा। मुझे इस बात का पूरा भरोसा है। सभी जानते हैं कि शुभमन गिल दिल जीतने के लिए ही बने हैं।

पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक हुई संपन्न, कांग्रेस ने कहा...

बिहार में बनेगी महागठबंधन की सरकार

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होता उससे पहले पटना में बुधवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक करीब साढ़े चार घंटे चली और इसमें कांग्रेस की शीर्ष इकाई ने कई राजनीतिक, कूटनीतिक और सामाजिक प्रस्ताव पारित किए। पार्टी ने इस बैठक के बाद स्पष्ट संकेत दिए कि महागठबंधन की सरकार बिहार में दो महीने के भीतर बनने जा रही है। इसी के साथ कांग्रेस ने प्रदेश की जनता से सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, सलमान खुर्शीद, सचिन पायलट जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हुए। पटना के सदाकत आश्रम स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में अयोजित बैठक में हिस्सा लेने सुबह राहुल गांधी पहुंचे। बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, कि तेलंगाना में सितंबर 2023 में सीडब्ल्यूसी की बैठक के दो महीने बाद कांग्रेस की सरकार बनी थी, और बिहार में भी दो महीने के भीतर महागठबंधन सत्ता संभालेगा। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान का विस्तार किया जाएगा और पार्टी संगठन को मजबूत किया जाएगा।

खड़गे ने सीएम-पीएम पर साधा निशाना

बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बीजेपी और नीतीश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नीतीश कुमार को मानसिक रूप से रिटायर्ड मानती है और उन्हें बोझ समझती है। खड़गे ने बेरोजगारी, किसान, बाढ़ और वोटर

वेरिफिकेशन जैसे मुद्दों पर एनडीए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत संकट में है, और इसका कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नाकामी और उनके दोस्त हैं। यहां पर खड़गे ने चेताया कि बिहार की तर्ज पर देशभर में वोट चोरी की साजिश की जा रही है, जिससे दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और गरीब नागरिकों के राशन, पेंशन, दवाई और शिक्षा के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं।

इस अवसर पर जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस का नेतृत्व देश में बदलाव के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने महागठबंधन के सत्ता में आने की संभावना व्यक्त की और कहा, बिहार में दो महीने के भीतर गठबंधन सरकार गठन की राह साफ है।

इस बैठक ने स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस न सिर्फ बिहार में विधानसभा चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप दे रही है, बल्कि संगठन और जनता के बीच संबंध मजबूत करने पर भी जोर दे रही है। पार्टी ने संकल्प अभियान के माध्यम से राज्य की जनता को सक्रिय सहयोग के लिए आमंत्रित किया है। कांग्रेस ने जनता से अपील की है कि वो पार्टी को सक्रिय व प्रभावी सहयोग प्रदान करे।

देश का पहला बिजली उत्पादन करने वाला हाईवे बना समृद्धि हाईवे

मुंबई। हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग अब न केवल तेज़ यात्रा के लिए, बल्कि सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए भी जाना जाएगा। दरअसल महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) ने इस राजमार्ग पर एक महत्वाकांक्षी सौर ऊर्जा परियोजना शुरू की है, जिससे समृद्धि महामार्ग देश का पहला पायलट प्रोजेक्ट बन गया है। बुलढाणा के कांरजालाड और वाशिम जिले के मेहकर इंटरचेंज में सौर ऊर्जा परियोजना का पहला चरण शुरू किया गया है। सौर ऊर्जा उत्पादन के कारण समृद्धि महामार्ग देश का पहला पायलट प्रोजेक्ट बन गया है। इस परियोजना की कुल स्थापित क्षमता 9 मेगावाट है। जिसमें से कांरजालाड में 3 मेगावाट और मेहकर में 2 मेगावाट बिजली उत्पादन हाल ही में शुरू हुआ है। इससे राजमार्ग पर सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह देश में अपनी तरह की पहली परियोजना है। नागपुर और मुंबई को जोड़ने वाले 701 किलोमीटर लंबे इस राजमार्ग का उपयोग अब तक 2.25 करोड़ से अधिक वाहनों द्वारा किया जा चुका है। समृद्धि राजमार्ग की योजना के दौरान सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। निगम ने इस राजमार्ग के इंटरचेंज पर कुल 204 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस निर्माण से निगम को टोल के अलावा आय का एक नया स्त्रोत प्राप्त हुआ है। महासमृद्धि रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड और महावितरण के बीच 2022 में हुए समझौते के अनुसार, यह बिजली 3.05 रुपये प्रति यूनिट की दर से बेची जाएगी। निगम के संयुक्त प्रबंध निदेशक मनुज जिंदल कहते हैं कि भविष्य में ऐसी परियोजनाओं को न केवल समृद्धि राजमार्ग पर, बल्कि अन्य प्रस्तावित राजमार्गों पर भी लागू करने की योजना है। इस सौर ऊर्जा उत्पादन से प्राप्त कार्बन क्रेडिट भी निगम के खाते में जमा किया जाएगा, जिससे भविष्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए ऋण प्राप्त करना आसान हो जाएगा। इस परियोजना का महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम द्वारा सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया गया है।

पीएम मोदी ने कैबिनेट के अहम फैसलों को सराहा, बोले- मेडिकल शिक्षा, शिपबिल्डिंग, इंफ्रा और अनुसंधान को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित कैबिनेट बैठक में लिए गए अहम निर्णयों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये कदम देश के स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचा और अनुसंधान क्षेत्र को नई ताकत देंगे। कैबिनेट ने केंद्रीय सहायता प्राप्त योजना के तीसरे चरण के तहत पोस्ट ग्रेजुएट और अंडर ग्रेजुएट मेडिकल सीटों की संख्या बढ़ाने को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इससे भारत का स्वास्थ्य ढांचा मजबूत होगा और मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा। तीसरे चरण के तहत 5,000 पीजी और 5,023 एमबीबीएस सीटों के विस्तार के लिए प्रति सीट 1.50 करोड़ रुपये की अधिकतम लागत तय की गई है। यह कदम देश के हर हिस्से में प्रशिक्षित डॉक्टर उपलब्ध कराने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री ने भारत के शिपबिल्डिंग और समुद्री क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए कैबिनेट द्वारा अनुमोदित 69,725 करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की भी सराहना की। इस योजना के तहत चार स्तंभों वाली रणनीति अपनाई जाएगी, जिसमें घरेलू क्षमता बढ़ाना, दीर्घकालिक वित्तपोषण सुधारना, ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड शिपयार्ड का विकास, तकनीकी क्षमता और कौशल विकास, तथा कानूनी और नीतिगत सुधार शामिल हैं। शिपबिल्डिंग वित्तीय सहायता योजना को 31 मार्च 2036 तक बढ़ाया गया है, जिसमें 24,736 करोड़ रुपये का कुल कोष शामिल है। शिपब्रेकिंग क्रेडिट नोट के लिए 4,001 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं और राष्ट्रीय शिपबिल्डिंग मिशन स्थापित किया जाएगा।

बिहार में रेल और सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया रेलवे लाइन सेक्शन की डबलिंग से स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों को लाभ होगा। इस 104 किमी लंबी परियोजना की अनुमानित लागत 2,192 करोड़ रुपये है और यह राज्य के चार जिलों को जोड़ती है। इसके अलावा, 4-लेन साहिबगंज-अरेराज-बेतिया सड़क परियोजना को भी मंजूरी दी गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कदम रोजगार और व्यापार के अवसर बढ़ाएगा और कृषि क्षेत्र को नई ताकत देगा। इस सड़क परियोजना की कुल लंबाई 78.942 किमी और अनुमानित लागत 3,822.31 करोड़ रुपये है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने अनुसंधान और विकास क्षेत्र में भी सरकार की पहल को सराहा।

फांसी न होने वाली हो...सुनवाई के लिए तब तक सूचीबद्ध नहीं करूंगा

वकील पर भड़क उठे जस्टिस सूर्यकांत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश और नवंबर में भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बनने वाले जस्टिस सूर्यकांत ने मंगलवार को एक वकील की तगड़ी फटकार लगा दी। उन्होंने कहा कि वे किसी मामले को उसी दिन तत्काल सुनवाई के लिए तब तक सूचीबद्ध नहीं करूंगा, जब तक कि किसी की फांसी न होने वाली हो। उन्होंने पूछा कि क्या कोई जजों की व्यथा, उनके काम के घंटों और उनकी नींद की कमी को समझता है।

दरअसल सुबह की मेंशनिंग सेशन के दौरान वकील ने अपने याचिकाकर्ता के मकान की उसी दिन नीलामी होने का हवाला देकर पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई की गुहार लगाई। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, जब तक किसी को फांसी न होने वाली हो, मैं कभी भी किसी मामले को उसी दिन सूचीबद्ध नहीं करूंगा।

जस्टिस सूर्याकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह भी शामिल थे।

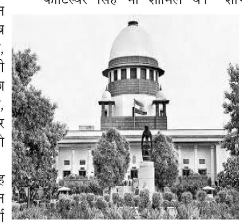

आमतौर पर, रोस्टर के मास्टर के रूप में, मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर.गवई इस तरह के उल्लेखों की सुनवाई करते हैं। हालांकि, वह वर्तमान में पांच जजों की संविधान पीठ में व्यस्त हैं। ऐसी स्थिति में, प्रथा के अनुसार, दूसरी सबसे वरिष्ठ जज तत्काल मामलों की सुनवाई करते हैं।

दरअसल जस्टिस कांत की टिप्पणी तब आई, जब वकील शोभा गुप्ता ने राजस्थान में एक आवासीय मकान की नीलामी से जुड़े एक मामले को तभी सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। वकील गुप्ता ने कहा कि मकान की नीलामी आज होनी है, इसलिए मामले को तत्काल सुनवाई के लिए रखा जाए। जब गुप्ता ने बार-बार अनुरोध किया, तब जस्टिस कांत ने पूछा कि नीलामी का नोटिस कब जारी हुआ था। गुप्ता ने बताया कि नोटिस पिछले हफ्ते जारी हुआ था। इस पर जस्टिस कांत ने गुप्ता को सख्त लहजे में कहा कि अगले कुछ महीनों तक मामले की सुनवाई की उम्मीद न करें। हालांकि, बाद में उन्होंने कोर्ट मास्टर को निर्देश दिया कि इस मामले को शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध करे।

सुप्रीम कोर्ट में हर दिन नियमित सुनवाई शुरू होने से पहले वकीलों को अधिकार होता है कि वे जरूरी मामलों का जिक्र (मेंशनिंग) कर तुरंत सूची की मांग करें। अक्सर इसतरह के मामलों में वकील कहते हैं कि यदि अदालत ने तुरंत दखल नहीं दिया, तब उनके मुवक्किल को गंभीर नुकसान हो सकता है। हालांकि, इस प्रक्रिया को लेकर हाल के दिनों में कई बार न्यायालय ने नाराजगी जाहिर की है।

जस्टिस सूर्यकांत पर सबकी नजर

नवंबर 2025 में मौजूदा सीजेआई गवई का कार्यकाल पूरा होने पर जस्टिस सूर्यकांत भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभालने वाले है। इसके बाद उनकी हालिया टिप्पणी को न्यायपालिका की कार्यशैली और प्राथमिकताओं पर महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

ईपीएफओ सदस्यों को मिलेगा विशेष कार्ड...एटीएम के माध्यम से निकाल सकते हैं जमा फंड

नई दिल्ली। कर्मचारियों के भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने सदस्यों को जनवरी 2026 तक उनके जमा फंड का एक हिस्सा एटीएम के माध्यम से निकालने की सुविधा देने की तैयारी कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईपीएफओ के सर्वोच्च निर्णय-निर्माण निकाय सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में होने वाली बैठक में इसकी मंजूरी मिल सकती है।

एक सीबीटी सदस्य ने कहा कि ईपीएफओ की आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर अब इस तरह के लेनदेन के लिए तैयार है, हालांकि एटीएम से निकासी की सीमा तय होना बाकी है। वर्तमान में ईपीएफओ का कुल फंड 28 लाख करोड़ रुपये से अधिक है और इसके करीब 78 मिलियन सदस्य हैं।

मानहानि केस में पीके को पटना हाईकोर्ट से बुलावा....17 अक्टूबर को पेश हो

पटना। बिहार का राजनीति में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पांच बड़े नेताओं सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय, अशोक चौधरी, दिलीप जायसवाल और संजय जायसवाल पर अलग-अलग तरह के आरोप लगाकर हलचल मचाने वाले जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के नेता और पूर्व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को पटना हाईकोर्ट से बुलावा आ गया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के मंत्री अशोक चौधरी ने जून माह में पीके पर मानहानि का जो केस किया था, उसमें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) कोर्ट ने प्रशांत किशोर को 17 अक्टूबर को पेश होने को कहा है।

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया था कि चौधरी ने पैसा देकर बेटी शांभवी चौधरी के लिए चिराग पासवान के दल लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (एलजेपी-आर) से लोकसभा चुनाव में टिकट खरीदा, इसके बाद वे समस्तीपुर से सांसद बनीं। चौधरी ने बयान को लेकर प्रशांत को पहले मानहानि का नोटिस भेजा था और बाद में इस लेकर पटना कोर्ट में मानहानि का केस दायर कर दिया था। प्रशांत किशोर पर ये पहला मानहानि का केस था। मंगलवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद संजय जायसवाल ने भी एक डिफेमेशन केस कर दिया है।

प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय, अशोक चौधरी, दिलीप और संजय जायसवाल को लेकर नए आरोप लगाए थे। पीके ने चौधरी पर शांभवी की सगाई से शादी के बीच में पटना में 38 करोड़ की पांच जमीन खरीदने और दो साल में 200 करोड़ की बेनामी संपत्ति जुटाने का आरोप लगाया था। जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने पार्टी की ओर से चौधरी को इस आरोप पर सफाई देने कहा है। प्रशांत किशोर ने बेनामी संपत्ति जुटाने के आरोप में अशोक की पत्नी नीता चौधरी, बेटी शांभवी चौधरी, दामाद सायन कुणाल और समधन अनिता कुणाल को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है।

रायसीना हिल पर मौजूद राष्ट्रपति भवन की जमीन गुरुद्वारा रकाबगंज की....

अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरपर्सन रहे सरकार तरलोचन सिंह का खुलासा

नई दिल्ली। सिख इतिहास की जानकारी रखने वाले सरदार तरलोचन सिंह का कहना है कि जिस रायसीना हिल पर राष्ट्रपति भवन मौजूद है, वह जमीन गुरुद्वारा रकाबगंज से जुड़ी हुई है। उन्होंने एक कार्यक्रम में दावा किया कि दिल्ली को बनाने में सिखों ने बड़ा योगदान दिया है। सरदार तरलोचन ने कहा, ये जो संसद भवन के बाहर गुरुद्वारा रकाबगंज है, उसकी जमीन है, जो आसपास में है। रायसीना हिल का मालिक गुरुद्वारा है और वह जमीन भी सिखों की है। इतना ही नहीं इस बनाने वाले भी सिख ही हैं।

अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरपर्सन रहे तरलोचन सिंह ने कहा कि किसी भारतीय किताब में महाराजा रणजीत सिंह पर कोई अध्याय नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा इस बात को लेकर मलाल है कि किसी किताब में यह नहीं बताया जाता कि महाराजा रणजीत सिंह कौन थे। यह ठीक नहीं है और उनके बारे में देश के लोगों को जानना चाहिए। उन्होंने खालिस्तानी अलगाववाद पर कहा कि कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों में जो सिख डायस्पोरा है, वहां से ऐसी मांग उठती हैं कि सिख रेफरेंडम होगा। सोचने वाली बात है कि हमारा फैसला तब हम ही ले सकते हैं।

आखिर बाहर बसे लोग कैसे ले सकते हैं। उन्हें ये बात समझना चाहिए कि कनाडा में रेफरेंडम से कुछ नहीं होगा। वे जिस रेफरेंडम की बात कर रहे हैं, वह यहां होना है और यहां पर उनकी कोई मौजूदगी ही नहीं है। इतना ही नहीं उन्होंने सिख अलगाववादियों को नसीहत देकर कहा कि यदि वास्तव में बाहर बसे इसतरह के लोग पंजाब के लिए कुछ करना चाहते हैं, तब पंजाब में निवेश करें। शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग में योगदान दें। इससे पंजाब को तरक्की मिलेगी। इस दौरान उन्होंने महाराजा रणजीत की ओर से सेकुलरिज्म की नीति का भी जिक्र किया।

तरलोचन सिंह ने कहा कि अमृतसर में जितना सोना लगा है, उतना ही सोना लाहौर की सुनहरी मस्जिद में लगा है। इसके अलावा इतना ही सोना काशी विश्वनाथ मंदिर में लगा है। यह दान महाराजा रणजीत ने दिया था, जो महान सिख शासक थे और पंजाबी सूबे की सीमाएं जिनके दौर में सबसे बड़ी थीं। उन्होंने कहा कि यही सच्चा सेकुलरिज्म है, जो महाराजा रणजीत सिंह का था।

उद्योगपति नुस्ली वाडिया और उनके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुंबई,। मुंबई के प्रसिद्ध उद्योगपति नुस्ली नेविल वाडिया, उनकी पत्नी मौरीन, दो बच्चों और अन्य के खिलाफ गोरेगांव के बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। बोरीवली मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। मामला करीब 30 साल पुराना है और जमीन विवाद से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि यह मामला मलाड में एक भूखंड के विकास से जुड़ा है। जमीन के विकास के लिए वाडिया और फेरानी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता हुआ था। इस समझौते के अनुसार, फेरानी होटल्स को बिल्डर के. रहेजा के साथ मिलकर जमीन का विकास करना था, जिससे वाडिया परिवार को बिक्री से प्राप्त राशि का 12 प्रतिशत हिस्सा मिलना था।

कर्मचारियों और पेंशनरों में असंतोष, वित्त मंत्री को लिखा पत्र

कंफडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉइज एंड वर्कर्स ने

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों को महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) की घोषणा का लंबे समय से इंतजार है। 7वें वेतन आयोग के तहत डीए हर साल दो बार संशोधित होता है और इस साल की दूसरी किस्त की घोषणा होना अभी बाकी है। इस बारे में, कंफडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉईज एंड वर्कर्स ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

कन्फेडरेशन ने अपने पत्र में कहा कि 01 जुलाई 2025 से लागू डीए/डीआर की किश्त अभी तक घोषित नहीं हुई है। सामान्य तौर पर किश्त को सितंबर के अंतिम सप्ताह में घोषित किया जाता था और तीन महीने का बकाया अक्टूबर के पहले सप्ताह में भुगतान होता था। पत्र में इस बात का जिक्र किया गया हैं कि कर्मचारियों और पेंशनरों में इस देरी को लेकर गंभीर असंतोष फैल गया है। केंद्र सरकार डीए और डीआर की घोषणा साल में दो बार करती है। सीपीआई-आईब्ल्यू से महंगाई का पता चलता है और यह सुनिश्चित करता है कि कर्मचारियों और पेंशनरों की मूल आय प्रभावित न हो। कन्फेडरेशन ने कहा कि दुर्गा पूजा के त्यौहार को देखकर प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस (पीएलबी) और एड हॉक बोनस की घोषणा भी समय पर की जाए। कर्मचारियों और पेंशनरों की मांग है कि सरकार डीए/डीआर और बोनस के आदेश तुरंत जारी करे, ताकि त्यौहार से पहले उन्हें राहत मिल सके। वहीं, 8वें वेतन आयोग की औपचारिक स्थापना का लंबा इंतजार अभी भी जारी है।

ईवीएम पर सुनवाई से दिल्ली हाईकोर्ट का इंकार....इन कामों में न पड़ने की दी सलाह

नई दिल्ली,। दिल्ली हाईकोर्ट ने चुनावों में ईवीएम यानी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई से मना कर दिया है। याचिका के द्वारा मांग की गई थी कि चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल पर रोक लगे। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को इन कामों में न पड़ने की सलाह दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली हाईकोर्ट ने चुनावों में ईवीएम मशीन के इस्तेमाल के खिलाफ पहुंची याचिका पर सुनवाई से इंकार किया है। हाईकोर्ट ने कहा, इन सब कामों में मत पड़िए। कुछ अच्छा काम करें। बात दें कि चुनाव आयोग ने कुछ बदलाव किए है। इन बदलावों के मुताबिक अब उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें होंगी और इसकी शुरुआत बिहार विधानसभा चुनावों से होगी। वर्ष 2015 से ईवीएम पर उम्मीदवारों की श्वेत-श्याम तस्वीरें होती थीं, जिन्हें पहचानना कई मतदाताओं के लिए मुश्किल होता था। निर्वाचन आयोग ने ईवीएम मतपत्रों की स्पष्टता और पठनीयता बढ़ाने के लिए चुनाव संचालन नियम, 1961 की धारा 49बी के तह ईवीएम मतपत्रों के डिजाइन व मुद्रण के मौजूदा दिशानिर्देशों में संशोधन किया है। आयोग ने बताया, अब से ईवीएम पर उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें छपी होंगी। बेहतर दृश्यता के लिए उम्मीदवार का चेहरा तस्वीर के तीन-चौथाई हिस्से पर होगा। उम्मीदवारों के क्रमांक और इसमें से कोई नहीं (नोटा) विकल्प भारतीय अंकों के अंतरराष्ट्रीय रूप में छापा होगा। स्पष्टता के लिए शब्द का आकार 30 होगा और बोल्ड में लिखा दिखाई देगा। चुनाव आयोग ने बताया कि एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए सभी उम्मीदवारों के नाम और 'नोटा' विकल्प एक ही शब्द प्रकार और आसानी से पढ़े जाने योग्य बड़े आकार में छापा होगा। ईवीएम मतपत्र 70 जीएसएम कागज पर मुद्रित किए जाएंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की जल्द हो सकती है मुलाकात, कई मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के व्यापारिक रिश्ते अच्छे नहीं हैं। कई मुद्दों को लेकर दोनों देशों में पटरी नहीं बैठ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार बार झूठ बोलते हैं और नए नए आदेश भारत के खिलाफ लेकर आते हैं। ऐसे में भारत भी है कि वो अपने देशहित के लिए किसी के आगे झुकने को तैयार नहीं है। इसी बीच खबर आ रही है कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जल्द मुलाकात होने वाली है। इस मौके पर कई मुद्दों पर दोनों देश चर्चा करेंगे।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के एक बयान से भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों पर शुभ संकेत आते दिख रहे हैं। दरअसल मार्को रुबियो ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ को फिक्स के लिए तैयार हैं। रुबियो ने कहा कि ये टैरिफ भारत के रूस से तेल खरीदने की वजह से लगाए गए थे। वहीं अमेरिका यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर नए प्रतिबंधों पर भी विचार कर रहा है।

मार्को रुबियो ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के मौके पर भारत के विदेश मंत्री एस। जयशंकर से भी मुलाकात की। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। यह बैठक उन तनावों के बाद पहली बार हुई है जो भारत पर अमेरिकी टैरिफ और रूस से भारत के ऊर्जा आयात को लेकर बढ़े थे। एस जयशंकर से यूएनजीसी में मुलाकात के बाद रुबियो ने कहा है - भारत, अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण सहयोगी है, खासतौर पर व्यापार, ऊर्जा, फार्मा और क्रिटिकल मिनरल्स के मामले में। उन्होंने भारत के राजदूत के तौर पर नामित सर्गियो गोर से भी मुलाकात की। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही भारत-अमेरिका के बीच संबंधों का समीकरण बदलने लगा था। इसके बाद रूस-यूक्रेन के मुद्दे पर दोनों देशों को बीच तनाव और बढ़ा। परिस्थितियां ऐसी आ गईं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सिर्फ भारत के खिलाफ 50 फीसदी का टैरिफ लगा दिया बल्कि ऐसे बयान भी आए कि इस वक्त के सबसे बड़े युद्ध का जिम्मेदार भारत ही है। भारत और अमेरिका के रिश्ते ही नहीं व्यापार भी प्रभावित हुआ। हालांकि दोनों देशों के बीच बर्फ थोड़ी पिघलती दिख रही है।

रुबियो ने कहा- 'हमने भारत के खिलाफ कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि इसे सुधारा जा सकता है। राष्ट्रपति के पास और विकल्प हैं और वे आगे और कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं। मार्को रुबियो का ये बयान दोनों देशों के रिश्तों के लिए एक अच्छा संकेत माना जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की अमेरिका यात्रा के साथ ही ये बयान आया है, जो मौजूदा हालात में बेहद अहम है। आपको बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया, जिससे कुल शुल्क 50 फीसदी तक पहुँच गया है। यह दुनिया में सबसे ऊंचे टैरिफ में से एक है।

एआई से बनाई गई तस्वीर बनी ठगी का हथियार

फर्जी कॉल कर युजर्स से हुई हजारों की ठगी

जिले में बढ़ती ही जा रही साइबर ठगी की घटनाएँ, पुलिस ने सावधान और सतर्क रहने की कही बात

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इन दिनों सोशल मीडिया पर एआई के माध्यम से फोटो बनाकर डालने का चलन बहुत अधिक दिखाई दे रहा है। देखा जाए तो यह चलन एआई के माध्यम से फोटो बनाने वालों के लिए नुकसानदायक भी साबित हो रहा है, जिसमें कुछ लोगों ने साइबर शाखा में शिकायत किया है, कि उन्हें अनजान नंबरों से फोन आ रहे हैं, कि उन्होंने जो एआई के माध्यम से फोटो बनाया है । उसकी ओरिजनल तस्वीर उनके पास है, यदि वह उनके दिए गए नंबर पर पैसे नहीं डालेंगे, तो वह उनकी फोटो को गलत तरीके से बना कर सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे। इसमें कुछ लोगों ने तो पैसे भी भेज दिए हैं। इसके बाद साइबर शाखा में कुछ शिकायत की गई , तब उन्हें पता चला कि साइबर ठगों द्वारा उनके साथ साइबर ठगी की जा रही है।

आपको बता दे कि जिले में साइबर ठगी का ग्राफ दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहा है। साइबर ठगों द्वारा नए-नए लुभावने वादे दिखाकर जिले की भोली भाली जनता को ठगी का शिकार बना रहे हैं। साइबर ठगों द्वारा जिले की जनता को मोबाइल पर लिंक भेज कर मोबाइल हैक कर रहे हैं । जिससे आमजन के अकाउंट कुछ ही पलों में खाली होते जा रहे हैं । बीते कुछ दिनों से एआई से फोटो बना कर सोशल मिडिया में डालने का चलन देखने मिल रहा हैं । देखा जाये तो मोबाइल में आए दिन नए-नए अपडेट के साथ ही नई तकनीकें जुड़ रही हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर लोग फोटो को क्रिएटिव बनाने के चलते एआई एप का प्रयोग कर रहे हैं। इनसे तस्वीरें तो क्रिएटिव बनाकर लोग मनोरंजन तो कर रहे हैं। लेकिन इनसे खुद ही अपनी जानकारियों को शातिरों तक पहुंचाने का अवसर दे रहे हैं। इस एप से व्यक्ति स्वयं अपनी फोटो दे रहे हैं। इससे एआई फोटो को एडिट कर क्रिएटिव बनाने के बाद दे तो रही है, लेकिन ओरिजनल तस्वीर थर्ड पार्टी एप के पास ही रह जाती है। ऐसे में एप के डाटा में सेंधमारी कर शातिर ओरिजन फोटो के माध्यम से आम जनों को ब्लैक मेल कर उनसे हजारों रूपये की ठगी कर रहे हैं।

जिसके ऐसे ही कुछ ताजा मामले कोतवाली थाने की साइबर शाखा में आए हैं। जिसमें साइबर ठगों द्वारा एआई के माध्यम से फोटो बनाने वाले यूजर्स से लगभग हजारों रुपए की ठगी की जा चुकी है, तो वहीं कुछ लोगों को इस प्रकार के फोन लगातार आ रहे हैं।

अश्लील फोटो वायरल करने के नाम पर हुई हजारों की ठगी

साइबर शाखा में शिकायत करने आने वाले कुछ शिकायतकर्ताओं ने अनौपचारिक चर्चा के दौरान बताया कि बीते दिनों उनके द्वारा एआई के माध्यम से अपनी फोटो बनाई गई थी। जिसके कुछ दिन बाद ही उन्हें कुछ नए नंबरों से फोन आए और उनके द्वारा उनकी फोटो को गलत तरीके से बनाकर सोशल मीडिया पर डाले जाने की धमकी दी जाने लगी, जिसमे अलग-अलग शिकायतकर्ताओं ने साइबर ठग के झांसे में आकर , उनकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल ना हो जाए , इस डर से किसी ने 18000 रूपये , किसी ने 12000 और एक अन्य शिकायतकर्ता के बताएं अनुसार 8000 रूपये की राशि उनके दिए गए नंबरों पर डाली गई। किंतु जब और पैसों की मांग की जाने लगी , तब उन्हें महसूस हुआ कि यह साइबर ठग के द्वारा इस प्रकार की धमकी दी जा रही है , जिसके बाद उन्होंने इस पूरी घटना की शिकायत साइबर शाखा में कर दी है, तो वहीं कुछ शिकायतकर्ताओं ने यह भी बताया कि उन्हें भी एआई के माध्यम से फोटो बनाए जाने के बाद कुछ फोन आए की उनकी ओरिजिनल फोटो उनके पास है और वह गलत तरीके से उनकी फोटो को एडिट कर सोशल मीडिया पर डाल देंगे, किंतु उन्होंने पैसा ना देते हुए इसकी शिकायत साइबर शाखा में कर दी है, जिसमें अधिकतर महिला यूजर्स को ही फोटो गलत तरीके से बनाए जाने और ब्लैकमेलिंग करने के फोन आ रहे हैं।

मीशो में आर्डर कैंसिल करने के नाम पर हुई 10000 रूपये की ठगी

साइबर थाने में शिकायत करने पहुंची एक शिकायतकर्ता ने अनौपचारिक चर्चा के दौरान बताया कि वह मीशो से ऑनलाइन शॉपिंग एप से कुछ खरीदारी की थी , जिसमें उन्हें बाद में फोन आया कि उनका ऑर्डर कैंसिल किया जा रहा है। वह उनके बताए गए नंबर के बारकोड पर पैसे डालकर अपने पैसे वापस ले सकते हैं , किंतु एक बार ट्रांजैक्शन करने के बाद भी शिकायतकर्ता को पैसे नहीं मिले, ऐसे ही साइबर ठग ने शिकायतकर्ता से पांच बार में 10000 रूपये मांग लिए, जब उन्हें समझ आया कि यह मीशो एप के कर्मचारी नहीं , बल्कि कोई ठग है , तब उनके द्वारा इसकी शिकायत साइबर सेल में की गई ।

1930 हेल्पलाइन पर करें तुरंत शिकायत - अभिलाष मिश्रा

साइबर नोडल शाखा प्रभारी अभिलाष मिश्रा ने दूरभाष पर जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी के साथ साइबर ठगी हो , बैंक खाते से पैसे कट जाते हैं , तो वह तुरंत ही साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 या पास के थाने में जाकर तुरंत इसकी शिकायत करते हैं या हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करते हैं , तो उनके खाते से कटा पैसा होल्ड हो जाता है, जिससे उनके खाते से आहरित हुई राशि पुनः उन्हें प्राप्त हो जाती है। साइबर नोडल शाखा प्रभारी ने आमजन से साइबर ठगी होते ही तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 या संबंधित थाने पर जाकर शिकायत करने की अपील की है।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार मां बेटे और कॉलेज का छात्र घायल

घायल मां बेटे जिला अस्पताल में भर्ती, वारासिवनी रोड ग्राम कायदी बनिया टोला में हुई दुर्घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। वारासिवनी रोड ग्राम कायदी के बनियाटोला में सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार मां बेटे और कॉलेज का एक छात्र घायल हो गये। जिनमे अत्यधिक चोट लगने से घायल पन्केश पिता केशव मानेश्वर 55 वर्ष उनकी माँ बेटा प्रमिला पति केशव मानेश्वर 25 वर्ष दोनों ग्राम बनियाटोला कायदी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। वही इस सड़क दुर्घटना में छात्र धीरज पिता आनंद बिसेन 22 वर्ष तुमसर महाराष्ट्र निवासी है। जिन्हें मामूली चोंटे आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पन्केश मानेश्वर अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करते है। वहीं धीरज बिसेन सरदार पटेल कॉलेज डोंगरिया में बी एम एस सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहा है और कॉलेज के ही हॉस्टल में रहते है। 24 सितंबर को दोपहर में पन्केश मानेश्वर अपने माँ प्रमिला मानेश्वर के साथ मोटरसाइकिल में वारासिवनी बैंक अपने काम से गये थे और वारासिवनी से अपने काम निपटाना के बाद शाम 5-30 बजे करीब पन्केश मानेश्वर अपनी माँ प्रमिला मानेश्वर के साथ में वारासिवनी से अपने घर बनियाटोला आने निकले थे वही उनके पीछे धीरज बिसेन भी मोटरसाइकिल में तुमसर से सरदार पटेल कॉलेज अपने हॉस्टल आ रहा था। बनियाटोला में पन्केश मानेश्वर ने जैसे ही अपने घर के जाने के लिए मोटरसाइकिल मोड़ा वैसे ही धीरज बिसेन की मोटरसाइकिल पन्केश मानेश्वर की मोटर साइकिल से टकरा गई। जिससे पन्केश मानेश्वर और उनकी मां प्रमिला मानेश्वर मोटर साइकिल सहित गिरने से घायल हो गई वहीं धीरज बिसेन भी मोटरसाइकिल सहित गिर गया ।जिससे उसे भी चोटे आई ।इस दुर्घटना में अत्यधिक चोट लगने से घायल पन्केश मानेश्वर और उसकी मां प्रमिला मानेश्वर को तुरंत ही वारासिवनी लेजा कर वहा के सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों मां बेटे को जिला अस्पताल बालाघाट रिफर किया गया है। इस दुर्घटना में धीरज बिसेन को मामूली चोंटे आई । जिनका प्राथमिक उपचार किया गया।

सड़क हादसे में तीन व्यक्ति गंभीर घायल ,जिला चिकित्सालय रिफर

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम थानेगांव में दो मोटरसाइकिल के आपस में टक्कर हो गई जिसमें तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें सिविल अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिव

प्रसाद बिसेन उम्र ३४ वर्ष ,साधना बिसेन उम्र २४ वर्ष आरंभा निवासी के घर में तेरहवीं का काम होना है। जिसके लिए कपड़ा खरीदने के लिए वह वारासिवनी आए हुए थे। खरीदी कर वह वापस अपने घर जा रहे थे तभी आनंद पिता रामनाथ टेटे थानेगांव निवासी भी अपनी मोटरसाइकिल से घर जा रहा था। इसी दौरान ग्राम के मोतिराम कावरे के मकान के पास दोनों मोटरसाइकिल की जबरदस्त भिड़ंत हो गई जिसमें तीनों व्यक्ति घायल हो गए। मौके पर उपस्थित लोगों के द्वारा निजी वाहन स्कॉर्पियो से तीनों लोगो को सिविल अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया । जहां डॉक्टर के द्वारा तीनों घायलों का प्राथमिक उपचार कर जिला चिकित्सालय के लिए रिफर कर दिया है। इस घटना में तीनों व्यक्तियों को गंभीर चोटे आई है।

दो दिन से लापता 89 वर्षीय वृद्ध की जंगल में फांसी पर लटकी लाश बरामद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बिरवा से 2 दिन से लापता एक 89 वर्षीय वृद्ध अगनुलाल पिता तिवारी लाल पांजरे की ग्राम समीप जंगल नर्सरी में फांसी पर लड़की हुई लाश बरामद गई। इस वृद्ध ने मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के चलते फांसी लगाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। बैहर पुलिस ने इस वृद्ध का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अगनुलाल पांजरे के परिवार दे बेटा बहू और नाती है और सभी लोग खेती मजदूरी करते हैं। 1 साल पहले से अगनुलाल की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह घूमते रहता था। 22 सितंबर से अगनुलाल अपने घर और गांव से लापता था परिजनो द्वारा पिछले दो दिन से अगनुलाल की रिश्तेदारी और अन्य गांव में तलाश की जा रही थी किंतु वह नहीं मिला। 24 सितंबर को ग्राम बिरवा से कटंगी जाने वाली रोड किनारे स्थित नर्सरी जंगल के पास से जब स्कूल जाने वाले बच्चों ने सागौन के पेड़ में एक वृद्ध की फांसी पर लटकी हुई लाश देखी और गांव वालों को जाकर बताये। खबर मिलते ही अगनुलाल के परिवार के लोग पहुंचे देखे। फांसी पर लटका हुआ अगनुलाल ही था। जो पिछले दो दिन से लापता थे। जिसने सागौन के पेड़ में रस्सी बांधकर फांसी लगा ली थी। जिसकी रिपोर्ट उसके बेटे तुरंपलाल पांजरे ने बैहर पुलिस थाना में की थी। जहां से उप निरीक्षक जयलाल सैयाम ने ग्राम बिरवा नर्सरी जंगल पहुंचकर मृतक अगनुलाल का शव पे ? से नीचे उतरवाये और शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात अगनुलाल का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए ।संभावना व्यक्त की गई है कीअगनुलाल ने वृद्धावस्था के चलते और दिमागी हालत ठीक नहीं होने के कारण फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। बैहर पुलिस द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट